आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर, रविवार 14 दिसंबर 2025 ■ पौष कृष्ण पक्ष-10 ■ वर्ष -41 ■ अंक-255 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 15 दिसंबर 2025 ■ मूल्य-2.00 रुपये

विपक्ष ने किया शीतकालीन सत्र के पहले दिन का बहिष्कार

विजन 2047 पर चर्चा जारी

रायपुर, 14 दिसंबर। छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र आज से नवा रायपुर के नवनिर्मित विधानसभा भवन में शुरू हुआ. कांग्रेस ने पहले दिन की कार्यवाही का बहिष्कार किया है. सत्र की शुरुआत विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह 25 साल की यात्रा के ज़िक्र के साथ हुआ. सत्र शुरू होने से पहले कांग्रेस के बहिष्कार पर भाजपा के वरिष्ठ विधायक धर्मजीत सिंह ने कहा कि विपक्ष ने सदन का बहिष्कार कर अवमानना की है. बहिष्कार करने वालों को जनता इसी तरह से बहिष्कृत करती रहेगी. वहीं मंत्री ओपी चौधरी ने भी दोहराया कि विपक्ष ने सदन का बहिष्कार कर अवमानना की है. यह वैसा ही जैसा कि सेंट्रल विस्टा का बहिष्कार विपक्ष ने किया था. बहिष्कार करने वालों को जनता इसी तरह से बाहर रखेगी.

कांग्रेस की यह कैसी राजनीति: शर्मा

रायपुर,14 दिसंबर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या कांग्रेस विजन डॉक्यूमेंट को भाजपा का समझती है. वो जन विजन है. लोगों से चर्चा करके उसे बनाया गया है. इसमें भाग नहीं लेना, यह कैसी राजनीति है? उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सत्र शुरू होने से पहले मीडिया से चर्चा में कांग्रेस से सवाल किया कि क्या वो नहीं चाहती कि छत्तीसगढ़ आगे बढ़े या रोडमैप तैयार हो? उन्हें जो बोलना है वो बोले, लेकिन छत्तीसगढ़ की जनता से विमुख हो रहे हैं. वहीं कांग्रेस की वोट चोर गद्दी छोड़ रैली पर कहा कि वोट चोर कौन है, सबको पता है. सोनिया गांधी देश की नागरिक नहीं थी, फिर भी उनका नाम वोटर लिस्ट में था. ऐसी परिपाटी नहीं चलनी चाहिए. हम भी नहीं चाहते कि जो देश का नागरिक नहीं है, उसे वोट देने का अधिकार हो. बिहार में जनता ने यह सबको दिखा दिया है. पुलिस आरक्षक भर्ती को लेकर गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मैंने विभाग से कहा है कि प्रत्यक्ष एसपी के यहां दिन भर बैठें. चर्चा कीजिए, किसी पर आरोप भी लग रहा है तो चर्चा करना जरूरी है. आरोप लगाकर भाग जाना ठीक नहीं है. मैं खुद भी रायपुर में एक दिन सभी के साथ बातचीत करूंगा. जिसे जो परेशानी है उसे दूर करेंगे. इस मामले को लेकर जिसे कोर्ट जाना है, जा सकते हैं. एप्लीकेशन नंबर को लेकर भी जो त्रुटि थी, उस पर सुधार किया जा रहा है. वहीं केरल में निकाय चुनावों में भाजपा को मिली सफलता पर कहा कि देश में हालात बदल रहे हैं. तेलंगाना में भी अब बदलाव देखने को मिल रहा है. दक्षिण भारत और पश्चिम बंगाल में भी बीजेपी जीत हासिल करेगी.

एक लाख लोगों की सलाह को 'विजन 2047' में किया है शामिल: चौधरी

छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन 'विजन 2047' पर विशेष चर्चा हो रही है. वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने चर्चा में कहा कि 'विजन 2047' विकसित छत्तीसगढ़ बनाने वाला है. सभी से सुझाव लेकर 'विजन 2047' तैयार किया गया है. एक लाख लोगों की सलाह विजन में शामिल है. वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि दुनिया में भारत ऐसा देश है, जिसकी आबादी युवा है. विपक्ष विजन 2047 पर सवाल उठाने का काम करता है. आगे बढ़ने के लक्ष्य के लिए विजन होना आवश्यक है. आज देश की अर्थव्यवस्था तीसरे नंबर पर पहुंच गई है. भारत की अर्थव्यवस्था 2047 में 64 ट्रिलियन डॉलर होगी. आज जो पीढ़ी है उसके पास विकास का बड़ा अवसर होगा. उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए भी हमने विकास का विजन तैयार किया है. महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी दूर करने वाला है विजन. शिशुमृत्यु दर को दूर करने वाला विजन. कृषि, उद्योग, सेवा विकास दर को बढ़ाने वाला विजन. राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों को छत्तीसगढ़ में स्थापित करने की योजना है. रोजगार सृजन पर आधारित नीति लाई गई है.

मेक्सिको ने बढ़ाया टैरिफ, भारत ने दी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी

नई दिल्ली, 14 दिसंबर। मेक्सिको ने भारत से आयात होने वाले कुछ चुनिंदा उत्पादों पर टैरिफ में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। इसके जवाब में, भारत ने अपने हितों की रक्षा के लिए 'उचित कदम' उठाने की चेतावनी दी है। यह जानकारी शनिवार को एक अधिकारी ने दी। अधिकारी ने कहा, 'भारत भारतीय निर्यातकों के हितों की रक्षा के लिए उचित कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है, साथ ही रचनात्मक बातचीत के ज़रिए समाधान खोजने की कोशिश जारी रखेगा।' पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत इस संबंध में बिल पेश किए जाने के शुरुआती चरण से ही मेक्सिको के साथ बातचीत कर रहा था। वाणिज्य विभाग और मेक्सिको के अर्थव्यवस्था मंत्रालय आपसी फायदे वाले ऐसे समाधान खोजने में लगे हुए हैं जो वैश्विक व्यापार नियमों के अनुरूप हों। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल और मेक्सिको के उप-अर्थव्यवस्था मंत्री लुइस रोसेंडो के बीच एक उच्च-स्तरीय बैठक भी हो चुकी है और आगे भी बैठकें होने की उम्मीद है।सरकार ने इस बात पर जोर दिया कि बिना किसी पूर्व परामर्श के MFN (मोस्ट फेवर्ड नेशन) टैरिफ में एकतरफा बढ़ोतरी, दोनों देशों के सहकारी आर्थिक जुड़ाव की भावना के अनुरूप नहीं है। मेक्सिको ने कहा कि ये टैरिफ राष्ट्रीय उद्योगों और उत्पादकों की रक्षा के लिए लगाए गए हैं और ये 1 जनवरी, 2026 से लागू होंगे। मेक्सिको के एक स्थानीय अखबार 'एल यूनिवर्सल' के अनुसार, मेक्सिको ने जिन वस्तुओं पर शुल्क बढ़ाया है, उनमें ऑटो पार्ट्स, हल्की कारें, कपड़े, प्लास्टिक, स्टील, घरेलू उपकरण, खिलौने, जूते, फर्नीचर, मोटरसाइकिल, परफ्यूम, साबुन और सौंदर्य प्रसाधन जैसे उत्पाद शामिल हैं। जिन देशों का मेक्सिको के साथ कोई व्यापार समझौता नहीं है, वे इस वृद्धि से प्रभावित होंगे। इनमें भारत के अलावा दक्षिण कोरिया, चीन, थाईलैंड और इंडोनेशिया भी शामिल हैं। अधिकारी ने कहा, 'भारत मेक्सिको के साथ अपनी साझेदारी को महत्व देता है.

दिल्ली NCR में धुंध पंजाब-हरियाणा में ठिठुरन

नई दिल्ली, 14 दिसंबर। रविवार सुबह दिल्ली और आसपास के इलाकों में घना कोहरा देखने को मिला। दृश्यता बेहद कम होने के चलते वाहन सड़कों पर रेंगते नजर आए। शनिवार के दिन ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर हादसे के बाद स्पीड लिमिट कम कर दी गई थी। दिल्ली समेत उत्तर भारत में आने वाले दिनों में भी घना कोहरा रहने के आसार हैं। पंजाब और हरियाणा में ठिठुरन का दौर जारी है। मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी की संभावना जताई है। उत्तर पूर्वी राज्यों में भी घने कोहरे को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। मध्य भारत और देश के दक्षिण पश्चिमी राज्यों में मौसम सामान्य रहने के आसार हैं। वहीं, छत्तीसगढ़, ओडिशा, कर्नाटक और तेलंगाना में शीत लहर की चेतावनी दी गई है।

अजय चंद्राकर ने उठाए कई चिंताजनक सवाल

रायपुर, 14 दिसंबर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में आज विजन डॉक्यूमेंट 2047 पर चर्चा हुई, जिसमें मंत्री ओपी चौधरी ने सत्र में विजन डॉक्यूमेंट को प्रस्तुत किया। इस डॉक्यूमेंट में राज्य के विकास के लिए एक लंबी अवधि का रोडमैप पेश किया गया था, हालांकि, चर्चा के दौरान विपक्ष मौजूद नहीं था। इस चर्चा के दौरान, बीजेपी विधायक अजय चंद्राकर ने प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उन्होंने आसंदी से पूछा कि यह चर्चा शासकीय संकल्प के तहत हो रही है या अशासकीय संकल्प के तहत। चंद्राकर ने कहा, "हमें यह नहीं पता कि हम पक्ष में बोल रहे हैं या विपक्ष में, या हमें इस विजन डॉक्यूमेंट पर केवल सलाह देनी है। चंद्राकर ने विजन डॉक्यूमेंट के कई पहलुओं पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, आज तक यह तय नहीं हो पाया कि रोजगार की परिभाषा क्या है? उन्होंने ब्यूरोक्रेसी में गुड गवर्नेंस की आवश्यकता का भी जिक्र किया। उन्होंने कृषि के मुद्दे पर भी सवाल उठाया, कृषि का रकबा लगातार घट रहा है, तो विजन डॉक्यूमेंट में कृषि का योगदान कैसे बढ़ सकता है, इस पर जांच होनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने सिंचाई नीति और बीज आत्मनिर्भरता को लेकर भी सवाल उठाए। उन्हहोंने कहा हमारे पास सिंचाई की कोई ठोस नीति नहीं है, और दंतेवाड़ा-बस्तर में सिंचाई की क्या व्यवस्था है? चंद्राकर ने कहा, मैं आलोचना नहीं कर रहा हूं, सिर्फ वस्तु स्थिति बता रहा हूं। उन्होंने नस्ल सुधार और डेयरी उत्पादन को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, डेयरी उत्पादन की हालत मरणासन्न है, लेकिन इसका कोई सुधार विजन डॉक्यूमेंट में नहीं दिख रहा।

चारा और कृत्रिम गर्भाधान की समस्या-उन्होंने चारा की कमी और कृत्रिम गर्भाधान के लिए कोई व्यवस्था नहीं होने का भी जिक्र किया। "चारा के लिए कोई सोच नहीं है, और कृत्रिम गर्भाधान के लिए कोई नीति नहीं है। चंद्राकर ने छत्तीसगढ़ की औद्योगिक नीति और लोहा के मुद्दे पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, आपने औद्योगिक नीति बनाई, लेकिन हर महीने एक संशोधन कर देते हो। क्या छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए कोई ठोस नीति नहीं बनी? उन्होंने यह भी कहा, हमारे लोहे का इस्तेमाल तो बताया गया था, लेकिन तेजस जैसी दुर्घटना में हमारा लोहा नहीं था।

चंद्राकर की बयानबाजी पर लगे ठहाके-अजय चंद्राकर के इस बयान पर सदन में हल्की हंसी छूट पाई, जब उन्होंने तेजस में छत्तीसगढ़ के लोहा न होने की बात की। हालांकि, चर्चा के बीच अजय चंद्राकर ने मुख्यमंत्री को विजन डॉक्यूमेंट के लिए बधाई भी दी और इस पहल को विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना। इस दौरान विपक्ष और सरकार के बीच तीखी बहस देखने को मिली। कांग्रेस ने सत्र की शुरुआत में ही कार्यवाही का बहिष्कार कर दिया था, और अब विजन 2047 पर चर्चा को लेकर भी विरोध जारी था।

मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के बीच तीखी नोक-झोंक-विधानसभा में विजन 2047 पर चल रही चर्चा के दौरान बीजेपी विधायक अजय चंद्राकर और मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के बीच तीखी नोक-झोंक हुई। चर्चा के दौरान अजय चंद्राकर ने मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल पर व्यक्तिगत आरोप लगाए, जिससे मंत्री नाराज हो गए। मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल चंद्राकर की टिप्पणी से नाराज हो गए और स्पीकर डॉ. रमन सिंह से अपनी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, आप व्यक्तिगत आरोप लगा रहे हैं, यह सदन के नियमों के खिलाफ है। इसके बाद मंत्री ने कहा कि चंद्राकर को इस तरह के आरोप लगाने वाले अंश को विलोपित किया जाए।

अजय चंद्राकर ने दिया करारा जवाब-चंद्राकर ने इस पर पलटवार करते हुए कहा, मुझे सदन का नियम मत सिखाओ।" उनका यह बयान और ज्यादा विवादित हो गया, जिससे सदन में माहौल गरमा गया। मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने फिर अपनी बात रखते हुए कहा, मैं भी दूसरी बार का विधायक हूं और मेरे पास अनुभव है। ऐसे व्यक्तिगत आरोप सदन में स्वीकार्य नहीं हैं। यह घटना विधानसभा में एक तनावपूर्ण माहौल का कारण बनी और दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस जारी रही। अब यह देखना होगा कि इस विवाद का क्या असर सत्र की कार्यवाही पर पड़ता है.

पिता ने की नई बाइक में तोड़फोड़ बेटे ने उतारा मौत के घाट

रायपुर, 14 दिसंबर। राजधानी से लगे गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक बेटे ने गुस्से में आकर अपने ही पिता की हत्या कर दी. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है. जानकारी के मुताबिक, आरोपी बेटे की पहचान राहुल साहू के रूप में हुई है. राहुल ने हाल ही में बाइक खरीदी थी, जिससे उसके पिता संतोष साहू नाराज थे. इसी बात को लेकर पिता ने बाइक में तोड़फोड़ कर दी थी. इस बात से आक्रोशित होकर राहुल ने अपने पिता को हसिये (धारदार हथियार) से मौत के घाट उतार दिया. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पिता अक्सर बेटे से पैसों की मांग करता था. बाइक खरीदने और पैसे न देने को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ, जो देखते ही देखते हिंसक हो गया. गुस्से में आकर राहुल ने हसिया से पिता पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई. फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है.

बिलासपुर नहीं आना चाहते नये डीआरएम

बिलासपुर, 14दिसंबर। रेल मण्डल के डीआरएम राजमल खोईवाल का तबादला कर दिया गया है. इसका कारण गतौरा रेल हादसे को बताया जा रहा है. उसके स्थान पर मुम्बई में पदस्थ उमेश कुमार को नया डीआरएम बनाया गया है. जो बिलासपुरआने के इच्छुक नहीं है. इसलिए रेलवे बोर्ड को पत्र लिखकर स्थानांतरण आदेश रद्द करने का अनुरोध किया है. हालाकि इसके लेकर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है.

गेवरा बिलासपुर मेमू पैसेंजर गतौरा रेलवे स्टेशन के पास मालगाड़ी से टक्करा गई थी. इसमें बारह लोगों की मौत हुई थी. इस हादसे की जांच मुख्य संरक्षा आयुक्त बीके मिश्रा द्वारा की जा रही है. उन्होंने रेलवे जीएम को अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सौप दी है. जिसमें हादसे के लिए रेलवे प्रशासन की लापरवाही को माना है. सीआरएस की रिपोर्ट आने के बाद बिलासपुर रेल मण्डल प्रबंधक राजमल खोईवाल सहित कुछ अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है.इसमें खोईवाल के स्थान पर चर्चगेट, मुम्बई में सीएसई के पद पर पदस्थ उमेश कुमार को बिलासपुररेल मण्डल का नया डीआरएम बनाकर तबादला किया गया है. कुमार बिलासपुर आना नहीं चाहते है. इसलिए उन्होंने सचिव, रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली को पत्र लिखकर स्थानांतरण आदेश रद्द करने का अनुरोध किया है. इसमें उन्होंने बिलासपुर डीआरएम के पद के लिए अनिच्छा व्यक्त करते हुए लिखा है कि वह उस पद पर ट्रांसफर आदेश को पूरा करने में असमर्थ हैं. इसका कारण उन्होंने बताया है कि उनका उनका बेटा वर्तमान में अपनी शिक्षा के महत्वपूर्ण चरण में है, और इस समय परिवार को स्थानांतरित करने से उसकी पढ़ाई बाधित होगी. साथ ही पत्नी कामकाजी हैं, और इस कदम से उनके शैक्षणिक और व्यक्तिगत उद्देश्यों के लिए परिवार को स्थानांतरित करने की समस्याएँ उत्पन्न होंगी. इसलिए आदेश को रद्द करने की मांग की है. हालाकि रेलवे बोर्ड ने उक्त संबंध में अभी कोई निर्णय नहीं लिया है.

मुंबई को छोड़ सभी शहरों की फ्लाइट समय पर, किराया भी नियंत्रण में

रायपुर, 14 दिसंबर। छत्तीसगढ़ के रायपुर स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट में लगातार 10 दिनों तक अव्यवस्था झेलने के बाद संचालित होने वाली हवाई सेवाएं अब धीरे-धीरे सामान्य हो गई हैं। मुंबई को छोड़कर देश के अन्य प्रमुख शहरों से आने-जाने वाली लगभग सभी फ्लाइटें तय समय पर संचालित हो रही हैं, जिससे यात्रियों ने राहत की सांस ली है।हालांकि मुंबई-रायपुर-मुंबई रूट की शाम 5 बजे आने वाली एक फ्लाइट अभी भी रद्द है, लेकिन विमानतल प्रबंधन से जुड़े सूत्रों के अनुसार रविवार से इसके भी नियमित रूप से शुरू होने की संभावना है। रायपुर एयरपोर्ट से सबसे अधिक उड़ानों का संचालन करने वाली इंडिगो एयरलाइंस की कई फ्लाइटें बीते 10 दिनों से प्रभावित थीं। विमानों की कमी के चलते यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।बुधवार के बाद रायपुर से संचालित होने वाली 27 से 30 नियमित उड़ानों में से तीन फ्लाइट लगातार स्थगित हो रही थीं। शनिवार को स्थिति में सुधार देखने को मिला और रद्द होने वाली उड़ानों की संख्या घट गई।

रविवार को केवल मुंबई की एक फ्लाइट को छोड़कर बाकी सभी शहरों के लिए उड़ान सेवाएं सुचारू रहीं। फ्लाइट संचालन सामान्य होने के बावजूद विंटर सीजन के हिसाब से यात्रियों की संख्या अभी कम बनी हुई है। केंद्र सरकार के प्राइस कैप के अनुसार 500 किमी तक – ₹7,500, 1000 किमी तक – ₹12,000, 1500 किमी तक – ₹15,000, उससे अधिक दूरी – ₹18,000 हैं, फिलहाल इन तय सीमाओं और मौजूदा किराए में ज्यादा अंतर नहीं देखा जा रहा है। हालांकि छुट्टियों के दौरान यात्रियों की संख्या बढ़ने पर किराए में इजाफा हो सकता है।

अण्डरब्रिज की नाली में मिली महिला की लाश की अब तक शिनाख्त नहीं

भिलाई, 14 दिसंबर। चंद्रा-मौर्या रेलवे अण्डरब्रिज की नाली में शनिवार को बोरे के अंदर मिली महिला के लाश की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। इस बीच पुलिस की ओर से छह बिंदुओं में जानकारी देते हुए मृतका की शिनाख्तगी का प्रयास किया जा रहा है। मामले में सुपेला थाना पुलिस के साथ साथ क्राइम एंड साईबर यूनिट द्वारा मुखबिरों को एलर्ट किया गया है। वहीं दुर्ग जिला सहित पड़ोसी जिलों के विभिन्न थानों के हाल ही में दर्ज महिला गुमशुदगी के प्रकरणों की जानकारी जुटाई जा रही है शनिवार की सुबह सुपेला थाना क्षेत्र में चंद्रा-मौर्या रेलवे अण्डरब्रिज की नाली में बोरी में बंद महिला की लाश मिलने से सनसनी फैल गई थी। लाश मिलने के तीस घंटे बाद भी महिला की शिनाख्त नहीं हो पाने से पुलिस की जांच को सही दिशा नहीं मिल पा रही है। पुलिस की ओर से मृतका की पहचान के लिए छह बिंदुओं में जानकारी दी गई है। एडिशनल एसपी शहर सुखनंदन राठौर के मुताबिक मृत महिला की उम्र 30 से 35 वर्ष होने का अनुमान है। उसके बाएं हाथ में त्रिशूल में महादेव लिखा है। बाएं हाथ में ही महादेव के नीचे लखन, सुरेश, अंग्रेजी अक्षर में बी एम और आरती का गोदना है। बाएं हाथ की तर्जनी अंगुली के पीछे अंग्रेजी में ए का गोदना है और बायीं कलाई पर काला धागा बंधा हुआ है।

बाएं कलाई पर सफेद व आसमानी कलर की तीन और दाएं कलाई में उसी कलर का एक चूड़ी है। दोनों पैर के अंगूठे में लोहे का रिंग है। वहीं दाएं कान में टॉप्स तथा फिरोजी रंग का पेटीकोट पहने हुए है यहां पर यह बताना लाजिमी होगा कि महिला की लाश बोरी में मिली है। ऐसे में इस बात की पूरी संभावना दिख रही है कि महिला की हत्या के बाद लाश को बोरी में बंद कर अण्डरब्रिज की नाली में लाकर फेंक दिया गया। लाश मिलने की सूचना पर एसएसपी विजय अग्रवाल स्वयं मौके पर पहुंचे थे। पुलिस की ओर से इस मामले को सुलझाने के लिए अलग से टीम गठित की गई है अण्डरब्रिज के दोनों ओर के सभी पहुंच मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले जा रहे हैं

एसआईआर का खौफ; मैं बंगलादेशी घुसपैठिया हूँ, मुझे गिरफ्तार कर लो

कोलकाता, 14 दिसंबर। एसआईआर के बीच यह पहली घटना है, जब कोई बांग्लादेशी घुसपैठिया खुद कह रहा है कि वो घुसपैठिया है। दरअसल कोलकाता के इंटाली पुलिस स्टेशन पर एक युवक पहुंच कर कहता है कि मैं बांग्लादेशी हूं। मेरे पास कोई वैध दस्तावेज नहीं है, मुझे गिरफ्तार कर लो। उस युवक ने पुलिस के सामने यह दावा किया है। पहले तो इंटाली पुलिस स्टेशन के अधिकारी थोड़े हैरान हुए, फिर उस युवक को बिठाकर की जिसके बाद पुलिस अधिकारियों ने कन्फर्म किया कि वह मानसिक रूप से स्वस्थ और बांग्लादेशी घुसपैठिया है। इंटाली पुलिस स्टेशन ने उसे फॉरेनर्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया। इस बीच,सीआईडी ने सियालदह स्टेशन के पास से एक अवैध बांग्लादेशी मां और बेटी को गिरफ्तार किया गया था। सीआईडी अधिकारियों ने दोनों को नकली डॉक्यूमेंट्स के साथ इलाज के बहाने कोलकाता में रहने के आरोप में गिरफ्तार किया और इंटाली पुलिस स्टेशन को सौंप दिया, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें फॉरेनर्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि बांग्लादेशी युवक का नाम नैमुल इस्लाम है, वह ढाका के मीरपुर का रहने वाला है। कुछ साल पहले नैमुल अवैध रूप से बांग्लादेश बॉर्डर पार करके राज्य में आया था। वह एक ब्रोकर के जरिए कोलकाता आया था। वह कोलकाता के इंटाली इलाके में रहने लगा। उसने उस इलाके में काम भी किया, लेकिन जब से एसआईआर शुरू हुआ है, वह छिप रहा था। हालाँकि उसने बांग्लादेश भागने का प्लान बनाया था, लेकिन पकड़े जाने के डर से वह पहले तो नहीं गया, आखिर में किसी बड़ी कार्यवाही के डर से इंटाली पुलिस स्टेशन जाकर स्वयं 'सरेंडर' कर बताया है कि वो बांग्लादेशी घुसपैठिया है। एक तरफ देशभर में विपक्ष एसआईआर को गलत बता रहा है तो, दूसरी ओर एसआईआरके ख़ौफ़ से घुसपैठिए खुद सरेंडर कर रहे हैं।

कलेक्टर ने इंदौरी धान उपार्जन केंद्र का किया निरीक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा,14 दिसंबर। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कवर्धा विकासखंड के ग्राम इंदौरी स्थित धान उपार्जन केंद्र का निरीक्षण कर खरीदी व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में धान खरीदी, उठाव एवं अन्य व्यवस्थाओं की विस्तार से जानकारी ली और अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने रकबा समर्पण की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन किसानों द्वारा टोकन के माध्यम से धान विक्रय किया जा चुका है, वे अनिवार्य रूप से रकबा समर्पण करें। उन्होंने रकबा समर्पण की प्रक्रिया में तेजी लाने और शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने उचित मूल्य दुकान का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने धान उपार्जन केंद्र का निरीक्षण के बाद उन्होंने पास में ही स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दुकान में चावल, शक्कर सहित अन्य आवश्यक खाद्यान्नों के वितरण की स्थिति की जानकारी ली।

कलेक्टर श्री वर्मा ने उचित मूल्य दुकान में राशन लेने पहुंचे हितग्राहियों से सीधे संवाद कर वितरण व्यवस्था के साथ-साथ चावल की गुणवत्ता के संबंध में भी जानकारी ली। इस पर हितग्राहियों ने बताया कि उन्हें चावल निःशुल्क प्राप्त हो रहा है, चावल की गुणवत्ता अच्छी है तथा निर्धारित समय पर नियमित रूप से राशन मिल जाता है। उन्होंने कहा कि राशन वितरण में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती और व्यवस्था संतोषजनक है।

अवैध धान परिवहन पर बड़ी कार्रवाई 3 ट्रकों में 960 क्विंटल धान जब्त

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा,14 दिसंबर। जिले में धान खरीदी व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी, सुव्यवस्थित और किसान हितैषी बनाए रखने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा सतत निगरानी की जा रही है। कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि धान खरीदी केवल वास्तविक किसानों से ही की जाए तथा अवैध रूप से धान खपाने वाले कोचियों और बिचौलियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसी क्रम में आज बोड़ला विकासखंड अंतर्गत चिल्फी चेक पोस्ट पर राजस्व, मंडी एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने अवैध रूप से धान का परिवहन करते हुए एक बड़ी खेप पकड़ी। कार्रवाई के दौरान 3 ट्रकों में भरकर ले जाया जा रहा कुल 960 क्विंटल धान जब्त किया गया। जांच के समय वाहन चालकों द्वारा किसी भी प्रकार के वैध दस्तावेज अथवा सक्षम अधिकारी की अनुमति प्रस्तुत नहीं की जा सकी। मामले की गंभीरता को देखते हुए संयुक्त टीम ने मौके पर ही मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए धान को जब्त किया तथा संबंधित वाहनों को चिल्फी थाना की अभिरक्षा में सौंप दिया। इस प्रभावी कार्रवाई में खाद्य अधिकारी श्री सचिन मरकाम, मंडी सचिव कवर्धा श्री एन.के. भंडारी, खाद्य निरीक्षक श्री अमित द्विवेदी एवं श्री वीरेन्द्र पोरते सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे।

सभापति ने मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान अंतर्गत आत्मानंद स्कूल का किया निरीक्षण

उतई,14 दिसंबर (तछसं.)। मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान अंतर्गत सभी शासकीय शालाओं में किये गये सामाजिक अंकेक्षण के परिणाम अनुसार जिले के 188 विद्यालय डी ग्रेड में चिन्हित की गई हैं। इसके अंतर्गत सभापति प्रणव शर्मा द्वारा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम विद्यालय जमगाँव(एम) का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान नव नियुक्त प्राचार्य एवं शिक्षक भी साथ में रहे, परीक्षा के चलते अधिकांश बच्चे विद्यालय में नहीं थे, निरीक्षण में शौचालय और लेब में साफ सफाई की कमी, पुस्तकालय का बच्चों द्वारा कम उपयोग किया जाना, ग्रीनरी का अभाव, खेल सामग्री की कमी से खेल में रुचि रखने वाले छात्र छात्राओं को असुविधा, पानी आपूर्ति हेतु अतिरिक्त बोर की आवश्यकता, के साथ ही हिंदी माध्यम में माध्यमिक विद्यालय में एक भी शिक्षक नहीं होने, प्यून, लैब असिस्टेंट, क्लर्क, शिक्षक शिक्षिकाओं की कमी होना पाया गया। उक्त निरीक्षण में एसएमडीसी अध्यक्ष कुलेश्वर देवांगन, सरपंच तुलसी सिन्हा, मनोज सोनी, प्रशांत शर्मा, प्राचार्य सुश्री सोनाली सेन, वरिष्ठ व्याख्याता राजेश कुमार वर्मा, आर पांडे, योगिता राजपुरोहित, संकुल समन्वयक मुकेश सपहा, शिक्षक डीके वर्मा, प्रधान पाठिका श्रीजी अनूप, हर्षिता देवांगन एवं समस्त स्टाफ की उपस्थिति रही।

एक नजर

धोखाधड़ी का आरोपी ओडिशा से गिरफ्तार

भिलाई,13 दिसंबर। भिलाई खुर्सीपार थाने पुलिस ने करीब नौ साल से फरार चल रहे धोखाधड़ी के एक आरोपी को ओडिशा से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है मामला 319 किलो एल्युमिनियम वायर की हेराफेरी से जुड़ा है, जिसे आरोपी को बेंगलुरु ले जाना था, लेकिन उसने माल को भिलाई में ही बेच दिया था पुलिस के अनुसार, मामले की शिकायत मिलते ही उस समय ट्रक और एल्युमिनियम वायर को जब्त किया गया था और इस प्रकरण में शामिल नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था मुख्य आरोपी पतीता बाघ वारदात के बाद से फरार हो गया था खुर्सीपार टीआई आनंद शुक्ला ने बताया कि फरार आरोपी की ओडिशा में लोकेशन मिलने पर टीम को रवाना किया गया और उसे गिरफ्तार कर भिलाई लाया गया।

सूने मकान में चोरी

भिलाई,13 दिसंबर। भिलाई धमधा थाना क्षेत्र के बीती चोरों ने जमकर उत्पात मचाया नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता अग्रवाल के देवर समेत तीन घरों का ताला तोड़ा घर से जेवरात चोरी कर भाग गए पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर खोजबीन कर रही है धमधा पुलिस ने बताया कि प्रवीण अग्रवाल के सूने मकान में चोरों धावा बोला जेवरात चोरी कर ले गए फिर दो और घरों का ताला तोड़ा, लेकिन कुछ नहीं ले जा सके।

युवक के सिर पर पत्थर मारकर आरोपी फरार

भिलाई,13 दिसंबर। भिलाई छावनी थाना अंतर्गत शनिवार देर रात एक युवक के सिर पर पत्थर पटककर हमला कर आरोपी फरार हो गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर अवस्था में घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया है मिली जानकारी के अनुसार छावनी को सूचना मिली कि कैंप एरिया में अज्ञात व्यक्ति ने एक युवक पर सिर पर पत्थर पटक कर हमला कर दिया है सूचना पर पहुंची पुलिस आनन फानन में उसे लेकर अस्पताल पहुंची हमला करने वाले की पुलिस तलाश कर रही है फिलहाल समाचार लिखे जाने तक युवक की स्थिति गंभीर बनी हुई है वहीं उसकी शिनाख्त भी नहीं हो पाई है

सोलर थर्मोकेमिकल फ्यूल उत्पादन पर शोध के लिए हर्षा को पीएचडी

उतई,14 दिसंबर (तछसं.)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर के धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विभाग द्वारा शोधार्थी हर्षा वर्मा को मटीरियल्स डिजाइन एंड असेसमेंट फॉर सोलर थर्मोकेमिकल फ्यूल प्रोडक्शन विषय पर सफलतापूर्वक शोध कार्य पूर्ण करने के उपरांत पी-एच.डी. की उपाधि प्रदान की गई है। हर्षा वर्मा का यह शोध कार्य विभाग के वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. मनवेन्द्र त्रिपाठी एवं डॉ. मोहन एल. वर्मा के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। हर्षा वर्मा सेलूद निवासी स्व. राधेश्याम कश्यप एवं लोचन कश्यप की सुपुत्री हैं।

भारती विश्वविद्यालय दुर्ग के प्रथम दीक्षांत समारोह में शामिल हुए उच्च शिक्षा मंत्री वर्मा

दुर्ग, 14 दिसंबर । भारती विश्वविद्यालय दुर्ग के प्रथम दीक्षांत समारोह का आयोजन आज विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा बतौर मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत समारोह में शिरकत किए। दीक्षांत समारोह में विभिन्न विषयों पर 86 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि, विभिन्न विषयों में सर्वोच्चअंक प्राप्त करने वाले 9 को स्वर्ण पदक और 146 को डिग्री प्रदान की गई। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने विश्वविद्यालय से उपाधि प्राप्त सभी शोधार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

छत्तीसगढ़ हैंडबाल टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने हुगली रवाना

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 14 दिसंबर। पश्चिम बंगाल हैंडबॉल संघ द्वारा हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के तत्वावधान में 54वीं सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हैंडबाल प्रतियोगिता का आयोजन टेक्नो इंडिया स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, चिनसुराह, हुगली (प.बं.) में 15 से 20 दिसम्बर तक आयोजित किया जा रहा है। जिसके लिये छत्तीसगढ़ राज्य की 21 सदस्यीय पुरुष हैंडबाल टीम की घोषणा की गई है। ज्ञात रहे कि उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने के पूर्व छत्तीसगढ़ राज्य की सीनियर पुरुष हैंडबाल टीम का चयन स्पर्धा का आयोजन 2 नवम्बर को भिलाई में आयोजित किया गया था जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य की सीनियर पुरुष हैंडबाल टीम के संभावित खिलाड़ियों की सूची तैयार कर विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हैंडबाल कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-1, भिलाई में 1 दिसम्बर से 13 दिसम्बर तक आयोजित किया गया था। उक्त प्रशिक्षण शिविर के पश्चात प्रदर्शन के आधर पर छत्तीसगढ़ राज्य की 21 सदस्यीय पुरुष हैंडबाल टीम की घोषणा की गई। उपरोक्त प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों एवं अधिकारियों के नाम निम्नानुसार है- परदीप (सी.आई.एस.एफ., भिलाई), मंदीप (सी.आई.एस.एफ., भिलाई), एस. ब्रिटेन सिंह (सी.आई.एस.एफ., भिलाई), मो. आमिर हुसैन (सी.आई.एस.एफ., भिलाई), मो. निहाल (सी.आई.एस.एफ., भिलाई), बासा महेश (सी.आई.एस.एफ., भिलाई), मिथुन कुमार (सी.आई.एस.एफ., भिलाई), संदीप (सी.आई.एस.एफ., भिलाई), के. कार्तिक कुमार (सी.आई.एस.एफ., भिलाई), एम. गौतम (दुर्ग जिला), नारायण साहू (दुर्ग जिला), आदित्य चंद्राकर (महासमुन्द जिला), सुमित सिंह रामगढ़िया (महासमुन्द जिला), अमन राजभर (दुर्ग जिला), मोहम्मद गनी (कबीरधाम जिला), तौसिफ इम्तियाज (बस्तर जिला), सुमित कुमार यादव (कबीरधाम जिला), लुकेश पटेल (दुर्ग जिला), टीम के प्रशिक्षक आनंद एन.एस. (सी.आई.एस.एफ., भिलाई), टीम के प्रशिक्षक एस. प्रभाश (बी.एस.पी., भिलाई), टीम के प्रबंधक विजय बहादुर है।उपरोक्त राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य के सीनियर पुरुष हैंडबाल टीम को छत्तीसगढ़ हैंडबाल संघ द्वारा खेल पोशाक एवं प्रशिक्षक एवं प्रबंधक को टी-शर्ट प्रदान किया गया।

अहिवारा में विधानसभा स्तरीय सांसद खेल महोत्सव का आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 14 दिसंबर। अहिवारा विधानसभा स्तरीय सांसद खेल महोत्सव का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन अहिवारा में उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। इस खेल महोत्सव का मुख्य उद्देश्य युवाओं, छात्र-छात्राओं एवं आम नागरिकों को खेलों के प्रति जागरूक कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रविशंकर सिंह, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विद्यानंद कुशवाहा, पूर्व नगर पालिका परिषद अध्यक्ष नटवर ताम्रकार, पार्षद श्रीमती मीना जोशी, पार्षद विदेशी साहू, पुरुषोत्तम वर्मा, मंडल अध्यक्ष राम निर्मलकर, जनपद पंचायत सीईओ श्रीमती किरण कौशिक एवं नगर पालिका सीएमओ अंकुर पाण्डेय सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण मंचासीन रहे। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल ने कबड्डी के दो रोमांचक मुकाबलों का अवलोकन कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि 21 सितंबर से प्रारंभ हुआ सांसद खेल महोत्सव 25 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य खेल से फिट का संदेश देते हुए विधानसभा एवं लोकसभा क्षेत्र को स्वस्थ एवं सशक्त बनाना है। उन्होंने सफल आयोजन के लिए सभी खिलाड़ियों, आयोजकों एवं सहभागियों को बधाई दी। सांसद ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से देश के प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में आयोजित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। इसी क्रम में अहिवारा सहित नौ विधानसभा क्षेत्रों में इस महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, खिलाड़ी, अभिभावक, शिक्षक एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान खेल भावना, अनुशासन और उत्साह का प्रेरणादायी वातावरण देखने को मिला, जिससे यह सांसद खेल महोत्सव क्षेत्र के लिए यादगार बन गया।

रिचा सेन को डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजा गया

भिलाई, 14 दिसंबर (तछसं.)। भारती यूनिवर्सिटी दुर्ग में श्रीमती रिचा सेन को उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने पीएचडी की उपाधि प्रदान की। उन्होंने जैव प्रौद्योगिकी विषय से विद्यावाचस्पति डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि हासिल की है। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन की धर्मपत्नी श्रीमती रिचा ने नगर पालिका ठोस अपशिष्ट लैंडफिल से कवक की स्क्रीनिंग एक कुशल भारी धातु जैव अवशोषक के रूप में शीर्षक से डॉक्टर श्वेता एन के मार्गदर्शन में अपना शोध कार्य पूरा किया है।

बीआईटी में राज्य स्तरीय बेंच प्रेस प्रतियोगिता का आयोजन

भिलाई, 14 दिसंबर। दुर्ग जिला पावर लिफ्टिंग संघ एवं क्रीड़ा भारती द्वारा छत्तीसगढ़ पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय बेंच प्रेस प्रतियोगिता (इक्विप्ड एवं अन-एक्विप्पड-क्लासिक) का आयोजन रविवार, 14 दिसंबर को बीआईटी कॉलेज, रायपुर नाका, ओवरब्रिज के पास, दुर्ग में किया जाएगा। प्रतियोगिता में सब-जूनियर, जूनियर, सीनियर और मास्टर्स वर्ग के पुरुष व महिला खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु व वजन वर्गों में मुकाबले कराए जाएंगे। आयोजन समिति के अनुसार प्रत्येक वर्ग में विजेता खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे, जबकि बेस्ट लिफ्टर को नकद पुरस्कार दिया जाएगा। प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों का चयन 7 से 12 जनवरी 2026 तक हरियाणा में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय बेंच प्रेस प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा। छत्तीसगढ़ पॉवरलिफ्टिंग एसोसिएशन के महासचिव अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी कृष्णा साहू ने बताया कि प्रतियोगिता रविवार को शाम 6 बजे तक चलेगी। नए खिलाड़ियों के लिए छत्तीसगढ़ पॉवरलिफ्टिंग एसोसिएशन की वेबसाइट पर पंजीकरण अनिवार्य किया गया है।

कंबल बैंक का शुभारंभ, हाइपोथर्मिया और शीतदंश जैसी बीमारियों से बचाने विधायक रिकेश की पहल

भिलाई, 14 दिसंबर। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में गरीबों, बेघरों, वृद्धों, दीन-दुखियों को ठंड से बचाने कंबल बैंक की शुरुआत होने जा रही है। विधायक रिकेश सेन 18 दिसंबर गुरू घासीदास जयंती पर विधायक कार्यालय जीरो रोड शांति नगर भिलाई में कंबल बैंक का उद्घाटन करेंगे। विधायक रिकेश ने कहा कि गुरु घासीदास का मुख्य संदेश मनखे-मनखे एक समान है, जिसका अर्थ है सभी मनुष्य बराबर हैं और उनमें कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने समाज को सत्य, अहिंसा, समानता, सामाजिक समरसता और कुरीतियों जैसे छुआछूत, नशा, जीव हत्या के त्याग पर जोर दिया ताकि एक समतामूलक समाज का निर्माण हो सके, जिसमें मेहनत और सात्विक जीवन का महत्व हो। वैशाली नगर विधानसभा में कंबल बैंक एक सामुदायिक या धर्मार्थ पहल है जिसका उद्देश्य सर्दियों के महीनों में गरीब और बेघर लोगों को ठंड से बचाने के लिए बैंक से कंबल वितरित करना है। कंबल बैंक से कंबलों को सीधे जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया जा सकता है। जरूरतमंद निर्धन विधायक कार्यालय कंबल बैंक पहुंच कर कंबल प्राप्त कर सकेंगे।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकृष्ण ने की सरकार से शराबबंदी की मांग

कवर्धा, 14 दिसंबर (तछसं.)। पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकृष्ण साहू ने युवाओं में शराब पीने की बढ़ती आदत को चिंताजनक बताते हुए सभी युवाओं को नशा मुक्त अभियान का संदेश देते हुए कहा की सभी युवा नशा से दूर रहे क्योंकि शराब पीने से लीवर खराब होने की संभावना होती है ।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकृष्ण साहू ने कहा की गरीब परिवार , किसान , मजदूर , युवा शराब पीने की आदत बढ़ती जा रही है चिंतनीय विषय है इसलिए छत्तीसगढ़ राज्य में शराब बंदी की मेरी मांग सरकार से है ।

जामुल में श्रीराम कथा के लिए भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 14 दिसंबर। प्यारे श्री राधाकृष्ण संस्कार मंच एवं समस्त ग्रामवासी सुरडुंग शिवपुरी, जामुल के तत्वावधान में शिवपुरी स्टेडियम, जामुल में आयोजित होने वाली श्रीमद् वाल्मीकि रामायण कथा (श्री राम कथा) के भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। यह कथा अनंत श्रीविभूषित श्रीमज्जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्री स्वामी डॉ. राघवाचार्य महाराज, श्रीधाम पीठाधीश्वर, अयोध्या के श्रीमुख से संपन्न होगी। भूमिपूजन कार्यक्रम में एच.टी.सी. कंपनी के डायरेक्टर एवं सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष इन्द्रजीत सिंह छोटू विशेष रूप से सम्मिलित हुए। उन्होंने आयोजन को भव्य एवं सफल बनाने हेतु आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर आयोजन समिति के साथ विचार-विमर्श किया तथा नगरवासियों को इस पवित्र धार्मिक आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।कार्यक्रम में अयोध्या से पधारे आचार्य गण, आयोजन समिति के पदाधिकारीगण एवं सर्व समाज कल्याण समिति के पदाधिकारी मलकीत सिंह, जोगा राव, अनिल चौधरी, निर्मल सिंह निम्मे, शाहनवाज कुरैशी, रमन राव, इंद्रजीत सिंह चिंटू, वाजिद अंसारी, रमन सारथी, गुरप्रीत सिंह, पंकज शर्मा एवं सोम सिंह सहित नगर की माताएं-बहनें एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन उपस्थित रहे। समस्त ग्रामवासियों एवं आयोजकों ने इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने हेतु सहयोग एवं सहभागिता का संकल्प व्यक्त किया।

एसआईआर में एक भी पात्र मतदाता न छूटे, कोई भी अपात्र सूची में न रहे : डीएम

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 14 दिसंबर। निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य सतत रूप से किया जा रहा है। दुर्ग ग्रामीण/शहर, वैशाली नगर, भिलाई नगर, पाटन एवं अहिवारा विधानसभा क्षेत्रों में बीएलओ एप में पाई गई लॉजिकल एरर/लॉजिकल डिस्क्रिपेन्सी (विसंगतियों) के सुधार हेतु मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण साईंस कॉलेज दुर्ग, बीआईटी दुर्ग, श्री शंकराचार्य इंजीनियरिंग महाविद्यालय जुनवानी भिलाई, विवेकानंद सभागार एवं छत्रपति शिवाजी इंजीनियरिंग कॉलेज पुलगांव में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, बीएलओ, सुपरवाइजर सहित एसआईआर कार्य में लगे सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिजीत सिंह ने विभिन्न प्रशिक्षण स्थलों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश एवं प्रशिक्षण की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सिंह ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य 28 अक्टूबर से प्रारंभ हो चुका है और अब तक आधा कार्य पूर्ण किया जा चुका है। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया में लगे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके कार्यों के लिए बधाई देते हुए शेष कार्य को भी समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिक से अधिक फार्म-6 जमा कराने, ऑनलाइन प्राप्त गणना पत्रकों का बीएलओ द्वारा सत्यापन करने तथा यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शिफ्ट हुए, मृत अथवा अनुपस्थित मतदाताओं के मामलों में पंचनामा बनाकर संबंधित दस्तावेज अपलोड किए जाएं, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति न बने। उन्होंने ईआरओ एवं एईआरओ को यह सुनिश्चित करने को कहा कि दावे एवं आपत्तियों का समयबद्ध एवं निष्पक्ष निराकरण किया जाए। निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी 2026 तक किया जाएगा। कलेक्टर ने विशेष रूप से लॉजिकल डिस्क्रिपेन्सी की पुनः जांच के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि पिता के नाम का 2025 की मतदाता सूची से मिलान न होना, लिंग की गलत प्रविष्टि, दादा-दादी एवं मतदाता की उम्र में 40 वर्ष से कम का अंतर तथा पालक एवं संतान के बीच 15 वर्ष से कम उम्र के अंतर जैसी विसंगतियों को सुधार कर पुनः सत्यापित किया जाए। बीएलओ को निर्देशित किया गया कि वे गणना पत्रक सामने रखकर पूर्ण मिलान करते हुए सत्यापन कार्य करें। प्रशिक्षण के दौरान लॉजिकल डिस्क्रिपेन्सी को सुधारने की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में यह भी बताया गया कि घर-घर सर्वेक्षण के दौरान बीएलओ द्वारा एकत्र कर डिजिटाइज किए गए गणना पत्रकों के आधार पर संभावित डुप्लीकेट मतदाताओं को बीएलओ एप में चिन्हित किया जाएगा तथा ऐसे मामलों में पुनः सत्यापन कर आवश्यक सुधार करना अनिवार्य होगा। प्रशिक्षण में एडीएम अभिषेक अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्रीमती योगिता देवांगन, संयुक्त कलेक्टर हरवंश मिरी और श्रीमती सिल्ली थॉमस, एसडीएम हितेश पिस्दा और उत्तम ध्रुव सहित तहसीलदार, नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

एक नजर

अवैध धान पर संयुक्त टीम की कार्रवाई 605 बोरी अवैध धान जब्त

बलौदाबाजार,14 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देशानुसार अवैध धान भण्डारण एवं परिवहन पर राजस्व विभाग, खाद्य विभाग एवं मंडी की संयुक्त टीम द्वारा कड़ी निगरानी एवं अवैध धान पर जब्ती की कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में शनिवार को तहसील पलारी एवं भाटापारा में कोचिये से 605 बोरी अवैध धान जब्त किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील पलारी अंतर्गत ग्राम लछनपुर में साहेब लाल साहू से 200 बोरी अवैध धान जप्त कर ग्राम कोटवार के सुपुर्दगी में दिया गया।इसीतरह तहसील भाटापारा अंतर्गत ग्राम तरेंगा में बिचौलिया मनोज साहू के गोदाम से 405 कट्ठा अवैध धान जप्त कर गोदाम को सील किया गया ।कार्यवाही के दौरान एसडीएम पलारी दीपक निकुंज, एसडीएम भाटापारा श्यामा पटेल, तहसीलदार यशवंत राज, नायब तहसीलदार पंकज बघेल सहित मण्डी बोर्ड के अधिकारी मौजूद थे।

18 दिसम्बर को मद्य निषेध दिवस पर होगा विविध आयोजन

बलौदाबाजार, 14 दिसंबर(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बाबा गुरु घासीदास जयन्ती पर 18 दिसम्बर को मद्य निषेध दिवस के रूप में प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है। इस वर्ष भी 18 दिसंबर, 2025 को जिला स्तर पर मनाया जाना हैमद्य निषेध दिवस के अवसर पर अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे। ग्राम पंचायत स्तरों पर गठित भारत माता वाहिनी द्वारा नशामुक्ति कार्यक्रम,नशामुक्त भारत अभियान अंतर्गत प्रसारित दिशा-निर्देश,शपथ कार्यक्रम, ग्राम पंचायतों में सचिवों के द्वारा नशामुक्ति शपथ ग्रहण कार्यक्रम,संबंधित विभागों द्वारा नशापान के विरूद्ध समुचित कार्यवाही, नशामुक्ति साहित्यों का वितरण, नशा तथा एड्स प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार,विद्यार्थियों में नशापान के विरूद्ध जागरूकता लाना,इसके अतिरिक्त स्थानीय संस्कृति एवं परम्पराओं के अनुरूप अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे।

अत्यधिक ठण्ड के कारण शाला संचालन समय में परिवर्तन

बलौदाबाजार, 14 दिसंबर(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले में पड रही अत्यधिक ठण्ड एवं शीत लहर के कारण जिले में संचालित हो रहे समस्त शासकीय एवं अनुदान प्राप्त विद्यालयों के संचालन समय में परिवर्तन किया गया है। प्राप्त जानकारी में अनुसार दो पाली में संचालित होने वाले स्कूलों में प्रथम पाली सोमवार से शुक्रवार प्रातः 8 बजे से 11:30बजे तक, शनिवार को प्रातः 11:45 बजे से अपरान्ह 4:30 बजे तक। द्वितीय पाली में सोमवार से शुक्रवार प्रातः 11:45बजे से 4:30बजे तक, शनिवार को प्रातः 8 बजे से 11:30बजे तक। एक पाली में संचालित शालाएं सोमवार से शुक्रवार प्रातः 10 बजे से 4बजे तक, शनिवार को 8 बजे से 11:30 बजे तक संचालित होंगी।

24 वें नवकार जाप का आयोजन

रायपुर 14 दिसंबर। जैन धर्म के सभी पंथों और परंपराओं में एक मत एक रुपेण मान्य शाश्वत महामंत्र नवकार के 24 वें क्रम का आयोजन नवकार जाप ग्रुप द्वारा जैन श्री संघ गुढ़ियारी के साथ श्री हनुमान मंदिर परिसर में आज दिनांक 14/12/2025, रविवार को प्रातः 9 से 9.48 बजे तक किया गया। जिसमें जैन समाज के विभिन्न घटकों के श्रावक-श्राविकाओं की सराहनीय सहभागिता रही। नवकार जाप ग्रुप द्वारा प्रत्येक माह के द्वितीय रविवार को नवकार महामंत्र के जाप का आयोजन किया जाता है जिसका आज 2 वर्ष पूर्ण होने पर सभी ने आनंद की अनुभूति के साथ सराहना की??। आज पौष वदी दशमी जैन धर्म के तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का जन्मकल्याणक महोत्सव का विशेष योग भी प्राप्त हुआ। नवकार जाप में विशेष रूप से आशीष जैन, राजेन्द्र पारख, वीरेंद्र डागा, विकास सेठिया, गौतम खाटेड, कौशल गांधी, नितेश लूनिया, शैलेन्द्र दुग्गड़, मनोज जैन, दीपक जैन, यशवंत जैन, निकुंज साचला, उमेद बैद की सहभागिता रही।

नगर पालिका लगा रहा आवारा कुत्तों को वैक्सीन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कुरूद 14 दिसंबर। नगर पालिका क्षेत्र में आवारा कुत्तों के वैक्सीनेशन का विशेष अभियान शनिवार 5 दिसंबर से प्रारम्भ किया गया। अब तक कुरूद नगर पालिका के विभिन्न वार्ड और मोहल्लों में 25 आवारा कुत्तों का वेक्सीन हो चुका है। नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति भानु चंद्राकर एवं सीएमओ महेंद्राज गुप्ता दिशा-निर्देश में व्यापक रूप से नगर पालिका कुरूद में संचालित है। वैक्सीनेशन टीम लगातार शहर के अलग-अलग वार्डो में पहुंचकर आवारा कुत्तों को वैक्सीन लगा रही है। जिससे शहर में संभावित दुर्घटनाओं, कुत्तों के हमले और संक्रमण की आशंकाओं को कम किया जा सके। कुरूद नगर पालिका में सफाई निरीक्षक के साथ सफाई कर्मी और पशु

टीकाकरण टीम पूरी तत्परता के साथ कुत्तों को पकड़कर उन्हें सुरक्षित रूप से टीका लगाने का कार्य कर रहे हैं।

वैक्सीनेशन अभियान में नगरजन भी करें सहयोग

मुख्य नगर पालिका अधिकारी महेंद्र राज गुप्ता ने बताया कि शहर में जितने भी आवारा कुत्ते हैं, सभी का समय-सीमा के भीतर वैक्सीनेशन सुनिश्चित करना प्रशासन का लक्ष्य है। उन्होंने नगर जनों से कहा कि यह अभियान सिर्फ नगर पालिका प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि नागरिकों का भी सहयोग जरूरी है।मुख्य नगर पालिका अधिकारी महेंद्र राज गुप्ता ने बताया कि नगर पालिका सिर्फ वैक्सीनेशन ही नहीं कर रही, बल्कि लोगों को जागरूक करने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है।

नागरिक संवेदना बरते , कुत्तों को नुकसान ना पहुंचाएं

नगर पालिका की वैक्सीनेशन टीम नागरिकों से अपील कर रही है कि वे कुत्तों को नुकसान न पहुंचाएं, बल्कि उन्हें सुरक्षित टीकाकरण के लिए सहयोग प्रदान करें। नगर वासियों का मानना है कि इस तरह की पहल शहर को अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और संवेदनशील बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अतः इस अभियान में समस्त नगरजन अपनी सहभागिता निभाने हुए इसे सफल बनाएं। वैक्सीनेशन टीम में नोडल अधिकारी कमलेश साहू सब इंजीनियर, के साथ रघु, आकाश, तरुण पटेल, नवीन चंद्राकर, राजा, रवि कुमार सहित नगर पालिका के कर्मचारी जुटे हुए हैं।

बस्तर अंचल का विकास राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल

नक्सलवाद के उन्मूलन के साथ-साथ बस्तर में मूलभूत सुविधाओं का तेजी से हो रहा विकासः मुख्यमंत्री

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 14 दिसंबर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि बस्तर अंचल का विकास राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। नक्सलवाद के उन्मूलन के साथ-साथ बस्तर में मूलभूत सुविधाओं का विकास तेजी से किया जा रहा है और बस्तर अब विकास की दिशा में सशक्त गति से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय आज जगदलपुर में आयोजित बस्तर ओलम्पिक 2025 के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ एक समृद्ध राज्य है, किंतु माओवाद की समस्या प्रारंभ से ही राज्य के विकास में एक बड़ी बाधा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प के कारण अब माओवाद के अंत की स्पष्ट समय-सीमा तय की गई है। नियद नेल्ला नार योजना के दायरे को 5 किलोमीटर से बढ़ाकर 10 किलोमीटर तक विस्तारित किया गया है, जिसके माध्यम से 403 गांवों में बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं तेजी से पहुंचने लगी हैं।मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि माओवाद के कारण बंद पड़े स्कूल अब पुनः खुल रहे हैं। सड़कों का व्यापक नेटवर्क विकसित कर अंदरूनी इलाकों को आवागमन की सुविधा से जोड़ा जा रहा है। माओवाद से मुक्त गांवों में जनहितकारी योजनाओं का पूर्ण सेचुरेशन किया जा रहा है। इन सभी सकारात्मक प्रयासों के परिणामस्वरूप विकास के प्रति

आमजन का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बस्तर ओलम्पिक में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें बधाई दी तथा आगामी वर्ष और बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि बस्तर ओलम्पिक ने एक नया इतिहास रच रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद पूर्ण रूप से समाप्त होगा और बस्तर पुनः खुशहाल बनेगा। कार्यक्रम को उपमुख्यमंत्रीद्वय श्री अरुण साव एवं श्री विजय शर्मा ने भी संबोधित किया और बस्तर ओलम्पिक के सफल आयोजन के लिए खिलाड़ियों को बधाई दी। विधायक जगदलपुर श्री किरण देव ने स्वागत उद्बोधन में सभी अतिथियों एवं खिलाड़ियों का आत्मीय स्वागत किया। समारोह के अंत में सांसद श्री महेश कश्यप ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर केबिनेट मंत्री श्री केदार कश्यप, सांसद श्री भोजराज नाग, बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष सुश्री लता उसेंडी, विधायक सर्वश्री विक्रम उसेंडी, श्री नीलकंठ टेकाम, विनायक गोयल, श्री आशाराम नेताम, छत्तीसगढ़ बेवरेज कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्री श्रीनिवास राव मद्दी, छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष श्री रूपसिंह मंडावी, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर, नगर निगम जगदलपुर के महापौर श्री संजय पांडे सहित अनेक जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में खेलप्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

बस्तर संभाग में डेयरी व्यवसाय को दिया जा रहा है बढ़ावा

रोजगार और स्वरोजगार के माध्यम से लोगों की आमदनी बढ़ाने के लिए बस्तर संभाग में डेयरी व्यवसाय को बढ़ावा दिया जा रहा है। एनडीडीबी के माध्यम से कांकेर और कोण्डागांव जिले में पायलट प्रोजेक्ट के तहत संचालित की जा रही। इस योजना में जनजातीय महिलाओं को डेयरी व्यवसाय से जोड़ा जा रहा है। गौरतलब है कि इस योजना का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 01 जून 2025 को कोण्डागांव जिले के भोंगापाल गांव से इस योजना शुभारंभ किया था। बस्तर संभाग के कोण्डागांव एवं कांकेर जिले के 125 हितग्राहियों को ऋण एवं अनुदान पर दुधारू पशु प्रदाय के लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 47 महिलाओं के आवेदन पत्र बैंक से ऋण स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसमें से 24 महिलाओं को 36 दुधारू पशु वितरित किया गया है। हितग्राहियों को अच्छे नस्ल की दुधारू गाय प्रदान करने हेतु एनडीडीबी डेयरी सर्विसेस द्वारा साहीवाल नस्ल की गाय (8-10 लीटर दूध प्रतिदिन उत्पादन क्षमता) राजस्थान एवं पंजाब क्षेत्र से चिन्हित कर अनुसूचित जनजाति महिलाओं को वितरण किया जा रहा है।

ये सिर्फ आयोजन नहीं विचारों का मंच है

छत्तीसगढ़ सर्व समाज का होगा महासम्मेलन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर 14 दिसंबर।छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पहली बार होने जा रही समाज प्रमुखों की बड़ी सभा हो रही है जिसमें सभी समाज के प्रमुख एवं सभी समिति के लोगों की उपस्थिति में कोई बड़े योजना की तैयारी हो सकती है। यह सिर्फ एक आयोजन नहीं, एक पहल होगी सर्व समाज के एकता की एक दूसरे को जोड़ने की कड़ी है ये सिर्फ आयोजन नहीं विचारों का मंच है जहां से आगे की गतिविधि उलझेगी नहीं सुलझेगी सभी समाज प्रमुखों के सहयोग से आगे होने वाले हर पहल को हम सुचारु रूप से संभाल पाएंगे अब तक जो हुआ सो हो गया अब जो हो सकता है उसपे विचार करते है और उसके लिए सभी समाज प्रमुखों का सहयोग महत्वपूर्ण है समाज की शांति, एकता और सांस्कृतिक गरिमा को सुरक्षित रखने हेतु सभी सामाजिक प्रमुखों, संगठनों एवं सभी समाज के प्रमुख संतजनों की एक महत्वपूर्ण सभा आयोजित की जा रही है। इस सभा में:- सामाजिक सौहार्द को सुदृढ़ करने, भविष्य में किसी भी प्रकार के असामाजिक कृत्य को रोकने, सनातन पर्व-त्योहारों को वैदिक एवं मर्यादित पद्धति से मनाने, तथा सभी सामाजिक संगठनों एवं समाज प्रमुखों को एक मंच पर लाने, ताकि उचित एवं संगठित निर्णय लिया जा सके । उपरोक्त प्रमुख बिंदुओं पर विचार-विमर्श पश्चात निर्णय लिया जाएगा। समाज प्रमुखों एवं समाज सेवी की उपस्थिति समाज की एकता और भविष्य दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सरकार किसानों के साथः टोकन सिस्टम में समय की बंदिश खत्म

धान विक्रय प्रक्रिया हुई सरल, अब दिन-रात कभी भी मिलेगा तूहर टोकन

बलौदाबाजार,14 दिसंबर। प्रदेश के किसानों की समाचार को ध्यान में रखते हुए तूहर टोकन ऐप को अब 24x7 खोल दिया गया है। अब मोबाइल एप से टोकन काटने के लिए किसी निर्धारित समय की बाध्यता नहीं रहेगी। किसान दिन-रात किसी भी समय अपनी सुविधा के अनुसार टोकन बुक कर सकेंगे।अब किसान 13 जनवरी तक अगले 20 दिनों तक के लिए टोकन ले सकते हैं।इससे किसानों को धान विक्रय की योजना बनाने और टोकन प्राप्त करने में पर्याप्त समय मिलेगा तथा भीड़ और तकनीकी दबाव की समस्या से राहत मिलेगी।इसके साथ ही राज्य सरकार द्वारा 2 एकड़ एवं 2 एकड़ से कम रकबा वाले किसान अब 31 जनवरी तक तूहर टोकन ऐप से टोकन ले सकेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर लघु किसानों के लिए यह सुविधा मुहैया कराई गई है। द्य उल्लेखनीय है कि टोकन प्रत्येक सहकारी समिति को आबंटित सीमा के भीतर ही जारी किए जाएंगे। किसानों से आग्रह है कि वे समय रहते तूहर टोकन ऐप के माध्यम से टोकन प्राप्त करें और किसी भी असुविधा से बचें। किसानों की सुविधा और पारदर्शी व्यवस्था हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। तूहर टोकन ऐप को 24x7 खोलने और समय की बाध्यता समाप्त करने का निर्णय इसी सोच का परिणाम है। अब किसान बिना किसी दबाव के, अपनी सुविधा अनुसार टोकन बुक कर सकेंगे। 2 एकड़ एवं 2 एकड़ से कम रकबा वाले किसानों के लिये टोकन की अतिरिक्त समय सीमा और अवधि का विस्तार किसानों को वास्तविक राहत देगा। राज्य सरकार किसान हित में हर संभव कदम उठाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

गुरु घासीदास की जयंती को शान दिवस के रूप में मनायें: भावसिंह

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कुरूद 14 दिसंबर। 18 दिसम्बर को गुरु घासीदास जी की 269वी जयंती को सभी ग्रामवासी एवं शहरवासी सभी मिलकर ज्ञान दिवस के रूप में मनायें। उनके द्वारा बताये मार्ग को सार्वजनिक सभा में बतायें । ताकि हमारी नई पीढ़ी बाबा जी के कार्यों को जानें। अपने अंधकारमय जीवन से निकलकर सुन्दर जीवन में प्रवेश कर सकें। उन्होंने किसान, मजदूर, महिला के अधिकार और सबके लिये शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और भू अधिकार के लिये आंदोलन चलाया। बाबा गुरुघासी दास जयंती को सबमिलकर ज्ञान दिवस के रूप में रूप में मनायें। उपरोक्त बातें सतनामी समाज जिला धमतरी के अध्यक्ष भावसिंह डहरे ने प्रेस विज्ञप्ति में कही है। उन्होंने कहा है, कि जयंती पर्व पर ग्राम के स्कूली छात्र-छात्राओं को नेवता भोज कराये और पेन कॉपी, पुस्तक इत्यादि पाठ्य सामग्री वितरण करें। ग्राम के सामुदायिक भवन में कोचिंग सेंटर की शुरुआत करें और पुस्कालय की स्थापना करें। महिलाओं के लिये सिलाई - कढ़ाई जैसे छोटे व्यव?साय की करें। तालाव, नदी नाले की सफाई करे । साथ ही छायादार एवं फलदार पौधे रोपे। भावसिंह डहरे ने कहा है, कि ऐसे कार्य से ही उनकी जयंती मनाने की सार्थकता सिद्ध होगी। पूरे गाँव मिलकर जैतखाम में पालो चढ़ाये और बुजुर्ग महिला, पुरुष, सामाजिक कार्यकर्ता, साहित्यकार, कवि और मेधावी छात्र-छात्राओं का मंच पर सम्मान करें। सतनामी समाज जिला धमतरी के अध्यक्ष भावसिंह डहरे ने कहा है कि जयंती अवसर पर मंगल चौका, पंथी, सत्संग, प्रवचन जैसे कार्यक्रमों के प्राथमिकता दें। उन्होंने और धमतरी शहर में 17 दिसम्बर को निकलने वाली सतनाम संदेश यात्रा में महिला पुरुष, किसान मजदूर, अधिकारी-कर्मचारी। - कर्मचारी, विद्यार्थी सामाजिक भार्यकर्ताओं वं क्षेत्र के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति को अपील की है।

सीमांत किसानों का समिति में टोकन काटने को प्राथमिकता दें: कलेक्टर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार,14 दिसंबर। कलेक्टर दीपक सोनी ने शनिवार को संपर्क केन्द्र से समिति प्रबंधकों एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर्स की ऑनलाइन बैठक लेकर धान खरीदी की समीक्षा की। उन्होंने समिति में टोकन कटने में छोटे एवं सीमांत किसानों को सहूलियत देते हेतु उन्हें प्राथमिकता देने के निर्देश दिये। इसीतरह समिति एवं उपार्जन केंद्रों में किसानों को किसी प्रकार की समस्या नहीं होने देने के भी निर्देश दिये।कलेक्टर ने रकबा समर्पण की समीक्षा करते हुए इसे प्राथमिकता से प्रतिदिन ऑनलाइन प्रविष्टि करने कहा। उन्होंने कम रकबा समर्पण वाले समिति छेछर, गुमा, कोसमंदी, निपानिया के प्रबंधक एवं ऑपरेटर को किसानों से रकबा समर्पण कराने सहमति लेने और प्रतिदिन ऑनलाइन एंट्री करने के निर्देश दिये। इसीतरह किसान एवं वाहन का फोटो अपलोडिंग भी प्रतिदिन एप्प में निर्धारित समय पर पूर्ण करने कहा। उन्होंने कहा कि जिन समितियों में 80 प्रतिशत से अधिक फोटो अपलोडिंग हो रही है उन समितियों का खरीदी लिमिट बढ़ाई जाएगी। उपार्जन केंद्रों में स्थल विस्तार के

लिये प्रस्ताव देने कहा ताकि उपार्जन केंद्रों में धान रखने के लिये स्थान उपलब्ध हो। उन्होंने धान उठाव में तेजी लाने के लिये हमालों की संख्या बढ़ाने तथा ट्रक पर निगरानी रखने जीपीएस सिस्टम से ट्रैक करने कहा। इसके साथ ही उड़नदस्ता टीम को भी जीपीएस का एक्सेस देने कहा ताकि कोई गड़बड़ी होने पर समय पर जांच हो सकें।कलेक्टर ने धान बेचने के बाद किसानों को समिति में ही नगद राशि आहरण की सुविधा के लिये सभी समितियों में माइक्रो एटीएम की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होंने बिचौलियों एवं कोचियों के द्वारा अवैध धान खपाने की कोशिश को विफल करने सतर्कता बरतने कहा तथा गोपनीय रिपोर्ट देने कहा। बारिश की स्थिति में धान को भीगने से बचाने के लिये उपार्जन केंद्रों में ड्रेनेज, त्रिपाल, कैप आदि की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिये।

जनता की आस्था ही सरकार की सबसे बड़ी शक्ति

दो वर्ष की सेवा यात्रा छत्तीसगढ़ की जनता को समर्पित

रायपुर, 14 दिसंबर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अपनी सेवायात्रा के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर छत्तीसगढ़ की जनता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा है कि बीते दो वर्ष शासन के नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और जनसहभागिता के वर्ष रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह समय उनके जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्षों में से एक रहा, क्योंकि इस दौरान उन्हें प्रदेशवासियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने और उनकी अपेक्षाओं को समझने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री श्री साय ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि इन दो वर्षों में राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ के हर कोने तक विकास की रोशनी पहुँचाने का निरंतर प्रयास किया है। किसानों की मेहनत को सम्मान दिलाने के लिए सुविधाओं का विस्तार किया गया, ताकि उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य समय पर प्राप्त हो सके। कृषि को लाभकारी और सम्मानजनक बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य को सुरक्षित और सशक्त बनाने के लिए नई भर्तियाँ, कौशल प्रशिक्षण और औद्योगिक अवसरों के द्वार खोले गए हैं। रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता को केंद्र में रखकर योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है, ताकि प्रदेश का युवा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सके। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आदिवासी अंचलों में शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं का व्यापक विस्तार किया गया है। जिन क्षेत्रों में कभी उम्मीदें धुंधली थीं, वहाँ अब विकास की नई संभावनाएं आकार ले रही हैं।

चरणदास महंत के जन्मदिन पर ग्रामीणो को बांटेगरम कपड़े व कंबल

चरणदास महंत की कार्यशैली संत कबीर एवं गुरु घासीदास बाबा के आदर्शों से प्रेरित है: सुनील माहेश्वरी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा 14 दिसंबर। आगमधाम खड़ुवा में नेता प्रतिपक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. चरणदास महंत का जन्मदिन प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि सुनील माहेश्वरी के नेतृत्व में ग्रामीणों के साथ सादगी एवं उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों के बीच गरम कपड़े एवं कंबल का वितरण किया गया तथा केक काटकर जन्मदिन की खुशियाँ साझा की गईं।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि सुनील माहेश्वरी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत वर्ष 1980 से निरंतर छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. महंत छत्तीसगढ़ के ऐसे एकमात्र नेता हैं जिन्होंने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में केंद्रीय मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, मध्यप्रदेश सरकार में

गृह मंत्री, चार बार सांसद, चार बार विधायक, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष तथा वर्तमान में नेता प्रतिपक्ष जैसे अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। इन सभी पदों पर रहते हुए उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य के विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य किया।सुनील माहेश्वरी ने आगे कहा कि डॉ. चरणदास महंत की कार्यशैली संत कबीर एवं गुरु घासीदास बाबा के आदर्शों से प्रेरित है, जिसमें सत्य, सरलता और समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण की भावना निहित है।इस अवसर पर कांग्रेस नेता रिंकू भाटिया, राहुल शर्मा, खूबी साहू, किसुन सतनामी, विनोद सोनवानी सहित अन्य वक्ताओं ने कहा कि डॉ. चरणदास महंत बेदाग छवि, सहज, सरल और अत्यंत लोकप्रिय जननेता हैं। विपरीत परिस्थितियों में भी उनका लगातार सांसद के रूप में निर्वाचित होना जनता के प्रति उनकी संवेदनशीलता, विश्वास और समर्पण को दर्शाता है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी वक्ताओं एवं ग्रामीणों ने डॉ. चरणदास महंत के दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं राजनीतिक जीवन में उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की। इस दौरान ग्रामीणों ने डॉ. चरणदास महंत जिंदाबाद के नारे भी लगाए।उल्लेखनीय है कि आगमधाम खड़ुवा, छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद मिनी माताजी का गृह ग्राम है तथा यह सतनामी समाज का एक प्रमुख तीर्थ स्थल भी माना जाता है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सरपंच रामचुरावन साहू,रामदयाल घृतलहरे,किशुन मार्कण्डेय, मानसिंग कुर्रे,शिवकुमार साहू, बिसाहत घृतलहरे,सालिक घृतलहरे,कोदू साहू,दुखित साहू, बिसाहत यादव,बेदू साहू,टीकाराम यादव लक्ष्मी नारायण भारती, जगदीश यादव,उमेंद्र कुर्रे यशवत घृतलहरे,अमर मिरी, राजू कुर्रे,मोहन पटरे आदि उपस्थित थे।

शशि थरूर के बैठक में न आने का मतलब क्या है......

कांग्रेस में नेता का दबदबा तब ही रहता है जब वह खुद भी चुनाव जीतता है और पार्टी को भी चुनाव जिताता है। कांग्रेस में नेता खुद चुनाव जीत जाए और पार्टी को चुनाव न जिता सके तो वह पार्टी का नेता तो होता है लेकिन उसका दबदबा कम होता जाता है।उसके प्रति विश्वास कम होता जाता है,जिस नेता पर देश की जनता भरोसा न करे, उस पर पार्टी के नेता व कार्यकर्ताओं का भरोसा भी कम होता जाता है। एक चुनाव न जिता सके तो माना जाता है कि दूसरा चुनाव तो जरूर जिताएगा लेकिन जब दूसरा और तीसरा चुनाव नहीं जिता पाता है तो देश के लोगों के साथ ही पार्टी के लोग भी कहने लगते हैं कि यह क्या चुनाव जिताएगा। जब वह चुनाव में हार की जिम्मेदारी नहीं लेता है और चुनाव में हार के कारणों को जानने का प्रयास नहीं करता है तो पार्टी के लोगों को यकीन होने लगता है कि यह नेता चुनाव जीतना ही नहीं चाहता है। ऐसी स्थिति में नेता से मोहभंग होने लगता है और बड़े नेता जो अपने दम पर चुनाव जीतते हैं,वह पार्टी छोड़कर जाने की सोचते है और जाने भी लगते हैं। कांग्रेस में आज यही स्थिति है। हर चुनाव में हार के बाद कांग्रेस छोड़कर नेता दूसरी पार्टी में गए हैं। पहला व दूसरा लोकसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस के कई बड़े नेताओं का कांग्रेस से मोहभंग हुआ था और उन्होंने एक एक कर कांग्रेस छोड़ दी। कांग्रेस में जिसे जी-२३ कहा जाता है,उसमें गिने चुने नेता ही कांग्रेस में बचे हैं। बहुत से कांग्रेस नेता भाजपा मे शामिल हो गए है और कई नेता राजनीति से दूर हो गए हैं।तीसरी बार लोकसभा चुनाव हारने व लगातार कई राज्यों में विधानसभा चुनाव हारने के बाद कई कांग्रेस नेताओं का कांग्रेस से मोहभंग हो रहा है। अभी हाल में बिहार में चुनाव हारने के बाद कांग्रेस के एक बड़े नेता ने कांग्रेस छोड़ दी है। केरल के बड़े कांग्रेस नेता शशिथरूर की भाजपा नेताओं व पीएम मोदी से नजदीकी बढ़ रही है, माना जा रहा है कि वह भी देरसबेर भाजपा में शामिल हो सकते हैं। शशि थरूर के भाजपा में शामिल होने की चर्चा तो आपरेशन सिंदूर के बाद विदेश जब प्रतिनिधिमंडल भेजे गए थे तो शुरू हो गई थी।उसमें कांग्रेस के कई नेताओं के साथ शशिथरूर का नाम भी था, वह विदेश गए थे और आपरेशन सिंदूर के बार में वहां जो सच है बताया था और उनके ऐसा करने पर कांग्रेस नेताओं ने नाराजगी जाहिर की थी क्योंकि कांग्रेस ने जिन नेताओं के नाम दिए थे उनमें शशि थरूर का नाम था। इसके बाद से शशि थरूर की कई बार पीएम मोदी से मुलाकात हो चुकी है। हाल ही में जब रूस के राष्ट्रपति पुतिन आए थे तो राष्ट्रपति ने उनके सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन किया था। इस भोज में राहुल गांधी व मल्लिकार्जुन खरगे को बुलाया नहीं गया था और शशि थरुर को बुलाया गया था। इसे कांग्रेस में राहुल गांधी व खरगे का अपमान माना गया था और उम्मीद की गई थी कि राहुल गांधी को इस कार्यक्रम में बुलाया नहीं गया है इसलिए शशि थरूर भी नहीं जाएंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। शशि थरूर इस कार्यक्रम मे गए और पूछने पर कहा कि मुझे नहीं मालूम राहुल गांधी को क्यों नहीं बुलाया गया.मेरा तो कहना है कि इसमें राहुल गांधी को बुलाया जाना था, मुझे तो बुलाया गया है, मुझे इसलिए नहीं बुलाया गया है कि मैं कांग्रेस का नेता हूं, मुझे तो इसलिए बुलाया गया है कि मैं संसद की विदेश मामले की समिति का अध्यक्ष हूं। मुझे बुलाया गया है, इसलिए मैं तो जाऊंगा और वह गए भी। इसके अलावा शशि थरूर कई मामलों में पार्टी से अलग राय भी व्यक्त करते रहे हैं। मोदी सरकार की नीतियों की तारीफ करते रहे हैं, मोदी सरकार की तारीफ मे लेख भी लिखते रहे हैं। शशि थरूर से राहुल गांधी तब से नाराज हैं जब से उन्होंने खरगे के खिलाफ अध्यक्ष का चुनाव लड़ा था। इसके बाद से कांग्रेस में शशि थरूर को कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई है।कांग्रेस में उनकी लगातार उपेक्षा होती रही है। इससे वह कांग्रेस नेतृत्व से दूर होते गए है और मोदी के करीब आते गए हैं। संसद सत्र के दौरान राहुल गांधी ने कांग्रेस के सांसदों की रणनीतिक बैठक बुलाई तो उसमें कांग्रेस के सारे सांसद आए लेकिन शशि थरूर नहीं आए। ऐसा नहीं है कि ऐसा पहली बार हुआ जब कांग्रेस की कोई अहम बैठक बुलाई गई और उसमे शशि थरूर न आए हों, यह तीसरी बैठक हैं जिसमें बुलाए जाने पर भी शशि थरूर नहीं गए।हर बार न आने का कोई कारण बता देते हैं। हाल ही में एक घटना ऐसी हुई जिससे कांग्रेस नेताओं को ऐसा लगा कि शशि थरूर भाजपा में नहीं जाँएंगे जब उनको वीर सावरकर के नाम पर पहला पुरस्कार देने की घोषणा हुई और शशि थरूर ने इस आधार पर यह पुरस्कार लेने से मना कर दिया कि मुझे बिना बताए यह पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। इसके बाद राहुल गांधी की बुलाई बैठक में न जाने से फिर शशि थरूर के भाजपा में जाने की चर्चा तेज हो गई है कि वह अब जल्द ही भाजपा में शामिल हो सकते हैं। ऐसा होता है तो यह कांग्रेस के लिए जहां बड़ा नुकसान होगा वहीं भाजपा के लिए बड़ा फायदा क्योंकि इससे केरल में भाजपा को एक जनाधार वाला नेता मिल जाएगा।

विशेष लेख

छत्तीसगढ़ में महिला विकास की नई इबारत

डॉ. दानेश्वरी संभाकर, उप संचालक (जनसंपर्क)

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को पूरा करने के लिए बीते दो वर्षों के दौरान महिला सशक्तिकरण को केंद्र में रखकर परिवर्तनकारी कार्य हुए हैं, उन्होंने राज्य को राष्ट्रीय पटल पर एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित किया है। सरकार ने महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और निर्णय क्षमता को अपनी नीतियों का मूल आधार बनाते हुए सामाजिक-आर्थिक बदलाव की एक नई दिशा तय की है।

छत्तीसगढ़ में महिला विकास की नई इबारत–मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय कहते हैं कि हमारा संकल्प है कि छत्तीसगढ़ की हर महिला आत्मनिर्भर, सुरक्षित और सम्मानित जीवन जिए। बीते दो वर्षों में महिला सशक्तिकरण को केंद्र में रखकर जो कार्य किए गए हैं, वे एक विकसित और समृद्ध छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव हैं। सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य, आजीविका, सुरक्षा और भागीदारी को हर नीति के केंद्र में रखकर आगे भी योजनाएँ लागू करती रहेगी। शासन की महत्वकांक्षी योजना महतारी वंदन योजना ने महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता को नई मजबूती दी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 10 मार्च 2024 को वर्चुअली लॉन्च की गई इस योजना के तहत राज्य की लगभग 70 लाख विवाहित महिलाओं को हर माह 1,000 रुपये की प्रत्यक्ष सहायता प्रदान की जा रही है। अब तक 14,306 करोड़ 33 लाख रुपये की राशि 22 किश्तों में उनके बैंक खातों में पहुंचाई जा चुकी है। महिलाओं के पोषण, स्वास्थ्य और आर्थिक मजबूती के लिए 5,500 करोड़ रुपये का प्रावधान भी यह दर्शाता है कि महिला कल्याण राज्य की विकास-यात्रा का केंद्र बिंदु है। महिलाओं को संपत्ति में अधिकार देने के लिए रजिस्ट्री शुल्क में 1 प्रतिशत की छूट जैसे निर्णयों ने उन्हें न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण भी प्रदान की है। इसी क्रम में 368 महतारी सदनों का निर्माण स्वीकृत किया गया है, जहाँ महिलाओं को प्रशिक्षण, परामर्श, कौशल विकास और सहायक सेवाएँ एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी। मितानिनों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय एवं प्रोत्साहन राशि का ऑनलाइन भुगतान शुरू कर सरकार ने सुशासन और पारदर्शिता को और भी मजबूत किया है। ग्रामीण और वंचित वर्ग की महिलाओं तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने के लिए राज्य सरकार ने स्व-सहायता समूहों को नए अवसर प्रदान किए हैं। छह जिलों बस्तर, दंतेवाड़ा, बलौदाबाजार, कोरबा, रायगढ़ और सूरजपुर में रेडी-टू-ईट का कार्य महिला समूहों को सौंपा गया है। वहीं 42 हजार 878 महिला समूहों को 12,946.65 लाख रुपये का रियायती ऋण प्रदान कर उन्हें आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाया गया है। इसके साथ ही निर्माण श्रमिक परिवारों की महिलाओं और बेटियों के लिए मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण योजना, सिलाई मशीन सहायता और दीदी ई-रिक्शा योजना जैसी पहलों ने आजीविका के नए विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। मिनीमाता महतारी जतन योजना गर्भवती श्रमिक महिलाओं को स्वास्थ्य, पोषण और आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार प्रदान कर रही है। कन्याओं के विवाह में सहयोग देने के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना को और सशक्त बनाते हुए 50,000 रुपये की सहायता में से 35,000 रुपये सीधे कन्या के खाते में जमा करने का निर्णय लिया गया है। वर्ष 2024-25 में 8,000 कन्याओं के विवाह हेतु 40 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एनआरएलएम के तहत लखपति दीदी और ड्रोन दीदी जैसी पहलों पर 800 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं, जो देश में महिला उद्यमिता के नए आयाम स्थापित कर रही हैं। महिला सुरक्षा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ने कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। नवाबिहान योजना घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं को कानूनी, चिकित्सा और मनोसामाजिक सहायता प्रदान कर रही है। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बना है, जिसने सखी वन-स्टॉप सेंटर का डिजिटल वर्जन तैयार किया और इसके लिए मानक प्रक्रिया (ैव्च्) लागू की। 181 महिला हेल्पलाइन और डायल 112 के एकीकृत संचालन ने संकट की स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की है। इसी तरह सुखद सहारा योजना के अंतर्गत 2 लाख 18 हजार से अधिक विधवा और परित्यक्ता महिलाओं को प्रतिमाह 500 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। किशोरियों के स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए शुचिता योजना के तहत 2,000 स्कूलों में नैपकिन वेंडिंग मशीनें स्थापित की गई हैं, जबकि 3 लाख से अधिक किशोरियों को स्वच्छता सामग्री उपलब्ध कराई गई है। हाई स्कूल छात्राओं को साइकिल वितरण के लिए 50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। नवा रायपुर में 200 करोड़ रुपये की लागत से यूनिटी मॉल का निर्माण महिला समूहों के उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। जशपुर जिले की आदिवासी महिलाओं द्वारा संचालित जशप्योर ब्रांड को वैश्विक पहचान दिलाने के प्रयास भी महिलाओं के लिए नए अवसर खोल रहे हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि, महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के साथ-साथ उनके लिए सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल तैयार करना हमारी प्राथमिकता है। महतारी वंदन योजना से लेकर नवाबिहान, लखपति दीदी, शुचिता और महतारी सदन जैसी पहलें महिलाओं के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही हैं। आने वाले समय में विभाग इन योजनाओं को और प्रभावी रूप से विस्तार देगा ताकि हर महिला अपने सपनों को साकार कर सके। महिला एवं बाल विकास विभाग को वर्ष 2025-26 में 8,245 करोड़ रुपये का बजट देकर सरकार ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि महिला कल्याण और सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बीते दो वर्षों में छत्तीसगढ़ में हुए परिवर्तन यह प्रमाणित करते हैं कि महिलाओं को केंद्र में रखकर किया गया विकास न केवल सुशासन की पहचान है बल्कि एक प्रगतिशील समाज की आधारशिला भी है। छत्तीसगढ़ आज महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में एक नई दिशा, नई उम्मीद और नए परिवर्तन का प्रतीक बनकर उभर रहा है।

सू- दोकू क्र.258

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.257 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शब्द सामर्थ्य -258

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हदर, डर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 257 का हल

चु	स्त	■	मु	■	सं	स्था	न	■
ग	■	म	र्दा	न	गी	■	त	म
ली	प	ना	■	■	त	न	■	■
■	ना	ना	■	■	■	■	ज	■
मा	ह	■	रा	■	सा	ज	न	■
न	■	स	ह	दे	व	■	म	द
व	■	म	■	व	न	ज	■	ल
ता	क	त	व	र	■	मी	■	द
■	ल	ल	क	■	क	र	त	ल

विशेष लेख

फिजिकल रेफरल रिहैबिलिटेशन सेंटर बना मध्यभारत में दिव्यांग पुनर्वास की मिसाल

डॉ. दानेश्वरी संभाकर, उप संचालक (जनसंपर्क)

छत्तीसगढ़ में समाज कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2012 में स्थापित फिजिकल रेफरल रिहैबिलिटेशन सेंटर, माना कैम्प ने दिव्यांगजन पुनर्वास और कृत्रिम अंग निर्माण के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट कार्य करते हुए मध्यभारत में एक आदर्श और अग्रणी संस्थान के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। अत्याधुनिक तकनीक, अनुभवी चिकित्सकीय एवं तकनीकी विशेषज्ञों की समर्पित टीम और मानवीय संवेदनाओं से प्रेरित कार्य संस्कृति के चलते यह केंद्र आज केवल एक उपचार या तकनीकी सुविधा का स्थान नहीं, बल्कि हजारों दिव्यांगजनों के लिए आत्मनिर्भरता, सम्मानपूर्ण जीवन और नए भविष्य की मजबूत आधारशिला बन चुका है। राज्य ही नहीं, बल्कि पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में दिव्यांगजन यहाँ पहुँचकर पुनर्वास सेवाओं का लाभ ले रहे हैं, जिससे यह केंद्र छत्तीसगढ़ की सामाजिक प्रतिबद्धता और संवेदनशील शासन व्यवस्था का प्रभावी प्रतीक बनकर उभरा है।

सात हजार से अधिक दिव्यांगजनों को मिला नया जीवन–केंद्र द्वारा अब तक 7000 से अधिक कृत्रिम हाथ-पैर एवं प्रोस्थेटिक उपकरण निःशुल्क तैयार कर वितरित किए गए हैं। इन उपकरणों से अनेक दिव्यांगजन दोबारा चलने-फिरने और कामकाज में सक्षम हुए, युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिले, विद्यार्थी पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़े और बुजुर्गों ने स्वतंत्र रूप से जीवन जीने की क्षमता प्राप्त की। यह सहायता केवल शारीरिक नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और सामाजिक सहभागिता को भी सशक्त करती है।

आधुनिक तकनीक से सटीक और निःशुल्क सेवाएँ–फिजिकल रेफरल रिहैबिलिटेशन सेंटर में आधुनिक मापन तकनीक, उच्च गुणवत्ता सामग्री और अनुभवी तकनीशियनों की टीम द्वारा प्रत्येक लाभार्थी की आवश्यकता के अनुरूप टिकाऊ प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक उपकरण तैयार किए जाते हैं। केंद्र की सभी सेवाएँ पूर्णतः निःशुल्क हैं, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के दिव्यांगजनों को भी उच्च गुणवत्ता की सुविधाएँ सुलभ हो रही हैं। इसके साथ ही व्हीलचेयर, कैलिपर्स, एल्बो क्रचेज़ एवं अन्य सहायक उपकरणों का वितरण कर दैनिक जीवन को और अधिक सुगम बनाया जा रहा है।

3डी तकनीक से और सशक्त होगी पुनर्वास व्यवस्था–समाज कल्याण विभाग द्वारा केंद्र को तकनीकी रूप से और उन्नत करने की दिशा में 3डी प्रिंटर आधारित कृत्रिम अंग निर्माण तकनीक शीघ्र शुरू की जा रही है। इस तकनीक से कृत्रिम अंग निर्माण का समय कम होगा, लाभार्थियों के लिए परफेक्ट-फिट उपकरण तैयार किए जा सकेंगे और गुणवत्ता व आराम में उल्लेखनीय सुधार आएगा। यह पहल छत्तीसगढ़ में प्रोस्थेटिक निर्माण के क्षेत्र में एक बड़ी तकनीकी उपलब्धि मानी जा रही है।

भविष्य में और जिलों तक पहुँचेगी सेवा–विभाग का लक्ष्य आने वाले समय में केंद्र की उत्पादन क्षमता बढ़ाने, नई अत्याधुनिक तकनीकें जोड़ने और सेवाओं का विस्तार दूरस्थ एवं अधिक जिलों तक करने का है, ताकि राज्य का प्रत्येक जरूरतमंद दिव्यांगजन गुणवत्तापूर्ण पुनर्वास सेवाओं से लाभान्वित हो सके।

आशा, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का केंद्र–फिजिकल रेफरल रिहैबिलिटेशन सेंटर केवल एक पुनर्वास संस्थान नहीं, बल्कि हजारों दिव्यांगजनों और उनके परिवारों के लिए नई उम्मीद और नई शुरुआत का प्रतीक बन चुका है। यहाँ से मिलने वाला हर कृत्रिम अंग किसी जीवन को नई दिशा और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर अग्रसर कर रहा है।

समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए शासन प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री साय

डॉ. दानेश्वरी संभाकर, उप संचालक (जनसंपर्क)

छत्तीसगढ़ में समाज के कमजोर, वंचित और विशेष जरूरतों वाले वर्गों को सशक्त बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में बीते दो वर्ष उल्लेखनीय सिद्ध हुए हैं। समाज कल्याण विभाग ने इस अवधि में पेंशन योजनाओं, दिव्यांगजन सहायता, वरिष्ठ नागरिक कल्याण, आश्रय सुविधाओं, उभयलिंगी पुनर्वास और नशा मुक्ति कार्यक्रमों के क्षेत्र में व्यापक सुधारों और नई पहल का नेतृत्व किया है। योजनाओं की पारदर्शिता पहुंच और प्रभावशीलता बढ़ाकर राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि अंतिम व्यक्ति तक सहायता और सुरक्षा पहुँचे। यह कार्यकाल संवेदनशील, जवाबदेह और जनकेंद्रित शासन का वास्तविक उदाहरण प्रस्तुत करता है।

पेंशन योजनाओं में क्रांतिकारी सुधार 21.99 लाख हितग्राहियों तक सहायता–राज्य सरकार ने सामाजिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पेंशन योजनाओं के संचालन में तकनीकी सुधार किए। छह प्रमुख पेंशन योजनाओं इंदिरा गांधी वृद्धावस्था, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सुखद सहारा तथा मुख्यमंत्री पेंशन योजना के माध्यम से 21.99 लाख हितग्राही लाभान्वित हुए।

पेंशन वितरण पारदर्शी और समयबद्ध – डीबीटी भुगतान 98 प्रतिशत और आधार सीडिंग 96 प्रतिशत तक पहुँचने के साथ पेंशन वितरण प्रणाली अत्यंत पारदर्शी और समयबद्ध बनी। ई-केवायसी प्रक्रिया में मृत हितग्राहियों को हटाकर वास्तविक पात्रों को लाभ सुनिश्चित किया गया। मुख्यमंत्री पेंशन योजना के हितग्राही 7.10 लाख से बढ़कर 7.45 लाख होना राज्य की संवेदनशील नीतियों का महत्वपूर्ण परिणाम है।

राष्ट्रीय परिवार सहायता-संकट की घड़ी में बड़ा सहारा–गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के लिए राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना जीवन रक्षक सिद्ध हुई है। दो वर्षों में 5,110 पात्र परिवारों को 20 हजार रुपए की एकमुश्त सहायता प्रदान की गई, जिससे आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में उन्हें राहत मिल सके।

दिव्यांगजन सहायता सुविधाओं, पहचान और पुनर्वास में कई गुना वृद्धि–दिव्यांगजनों की सहायता और सशक्तिकरण के लिए विभाग द्वारा किए गए प्रयास अत्यंत प्रभावी रहे। यूडीआईडी कार्ड लाभार्थी 2.74 लाख तक पहुँचे। सहायक उपकरण वितरण 1,161 से बढ़कर 3,609 हो गया। सामर्थ्य विकास शिविरों में भी वृद्धि हुई और 4,983 दिव्यांगजनों को सीधा लाभ प्राप्त हुआ। ये सभी प्रयास दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी गरिमा सुनिश्चित करने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता दर्शाते हैं।

विशेष शिक्षा एवं पुनर्वास विशेष जरूरत वाले बच्चों के लिए मजबूत आधार–छत्तीसगढ़ ने विशेष शिक्षा और पुनर्वास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण विस्तार किया है। सरकारी विशेष विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या बढ़कर 1,342 हुई, जबकि स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा संचालित विद्यालयों में 3,049 विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। माना कैम्प स्थित फिजिकल रिफरल रीहैब सेंटर और सेरेब्रल पाल्सी गेट लैब की सेवाएँ लगभग दोगुनी हो गईं। ये उपलब्धियाँ विशेष जरूरत वाले बच्चों और युवाओं के लिए आत्मनिर्भर भविष्य का आधार मजबूत करती हैं।

छात्रवृत्तियों से बढ़ा शैक्षणिक आत्मविश्वास-राज्य और केंद्र सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से दिव्यांग विद्यार्थियों को शिक्षा जारी रखने में बड़ी मदद मिली। राज्य छात्रवृत्ति 7,807 से बढ़कर 8,726 और केंद्रीय छात्रवृत्ति 390 से बढ़कर 423 हुई।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए आस्था और सम्मान, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना पुनः शुरू–वरिष्ठ नागरिकों में अत्यधिक लोकप्रिय मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना को आईआरसीटीसी के सहयोग से पुनः प्रारंभ किया गया। अब तक 6 यात्राओं में 4,697 वरिष्ठजन लाभान्वित हुए हैं। वर्ष 2025-26 के लिए 15 करोड़ रुपए और अतिरिक्त 10 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान इस योजना को और व्यापक बनाता है।

स्वरोजगार एवं आर्थिक संबल दिव्यांगजनों को नया अवसर–दिव्यांगजनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने हेतु रियायती ब्याज दर पर ऋण एवं उत्थान सब्सिडी योजनाएँ अत्यंत सफल रहीं। 2,435 दिव्यांगजनों को रियायती ऋण और 411 लाभार्थियों को उत्थान सब्सिडी प्रदान की गई। इसके अलावा 24.50 करोड़ रुपये के ऋण माफ किए जाकर दिव्यांगजनों को भारी आर्थिक राहत मिली।

आश्रय सुविधाओं में सुधार सुरक्षित जिंदगी की गारंटी–घरौंदा, हाफ-वे-होम, अपराजिता और प्रशामक देखभाल गृहों में रहने वाले हितग्राहियों की संख्या बढ़ी है, जो सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार को दर्शाता है। गंभीर और बहुदिव्यांगजन, मानसिक रोग से स्वस्थ हुए व्यक्ति तथा जरूरतमंद वृद्धजन इन सुविधाओं का लाभ उठाकर सम्मानजनक जीवन जी पा रहे हैं।

उभयलिंगी व्यक्तियों के पुनर्वास में महत्वपूर्ण प्रगति–उभयलिंगी समुदाय के लिए राज्य सरकार का दृष्टिकोण अत्यंत संवेदनशील रहा है। पहचान प्रमाण पत्र 506 से बढ़कर 915 हुए, वहीं एसआरएस ऑपरेशन के लाभार्थी 5 से बढ़कर 9 हुए। यह समुदाय को मुख्यधारा में लाने और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

नशा मुक्ति अभियान नई शुरुआत की राह–नशा मुक्ति के क्षेत्र में उल्लेखनीय विस्तार करते हुए नशामुक्ति केंद्रों की संख्या 11 से बढ़ाकर 25 कर दी गई। लाभार्थी बढ़कर 4,379 हुए। भारत माता वाहिनी दल गतिविधियों के विस्तार के साथ सक्रिय हुआ, जबकि सियान हेल्पलाइन ने 2.73 लाख कॉल प्राप्त कर राज्य में भरोसेमंद सहायता तंत्र स्थापित किया।

नवीन पहल भविष्य के लिए मजबूत नीति ढांचा-सुगम्य छत्तीसगढ़ अभियान के तहत सभी सार्वजनिक भवनों का एक्सेस ऑडिट किया गया। नए विशेष विद्यालयों और आवासीय परिसरों के निर्माण हेतु 205 करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किया गया। दिव्यांग विकास आयोग गठन एवं बढ़े हुए बजट (1504 करोड़ रुपए से 1575 करोड़ रुपए) ने विभागीय कार्यों को नई ऊर्जा प्रदान की है। इन दो वर्षों में समाज कल्याण विभाग की उपलब्धियाँ साबित करती हैं कि संवेदनशील और जनकेंद्रित शासन किस प्रकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचकर परिवर्तन ला सकता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सामाजिक सुरक्षा, दिव्यांगजन, सशक्तिकरण, वरिष्ठ नागरिक कल्याण और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में देश के सामने एक सशक्त और परिणामदायी मॉडल बनकर उभरा है। यह दो वर्ष छत्तीसगढ़ के लिए मानवीय मूल्यों, विकास और संवेदना का मजबूत अध्याय साबित हुए हैं।

गीदम में शिव महापुराण कथा का हुआ सफल आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

गीदम 14 दिसम्बर। गीदम नगर में 7 दिसंबर से 13 दिसंबर तक आयोजित श्री शिव महापुराण कथा शनिवार को निर्विघ्न रूप से सम्पन्न हुई। कथा के अंतिम दिवस लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ कथा सुनने के लिए उमड़ पड़ी और श्रद्धालुओं ने आनंदपूर्वक कथा का रसपान किया साथ ही श्री शिव महापुराण कथा के सफल आयोजन पर कथा सुनने आए भक्तों और नगर वासियों ने आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया है। आयोजन समिति ने बाहर से आए लोगों के लिए दिन-रात मेहनत कर उनके भोजन और रहने की समुचित व्यवस्था की, जिसकी लोगों ने सराहना की है। नगर वासियों ने आयोजन समिति की तारीफ करते हुए कहा कि कथा के आयोजन में सभी व्यवस्थाएं बहुत ही अच्छी थीं।

नगर वासियों ने आयोजन समिति के सदस्यों की मेहनत और समर्पण की सराहना की और कहा कि इस तरह के आयोजन से नगर की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा मिलता है।पंडित प्रदीप मिश्रा ने आयोजन समिति द्वारा दिव्यांग जनों के लिए की गई विशेष पहल की सराहना की। आयोजन समिति ने दिव्यांग जनों को पंडित जी से मिलाने के लिए उनके कथा समाप्त कर जाने के मार्ग में बिठाकर उनसे मिलवाने की पहल की थी, जिसे पंडित प्रदीप मिश्रा ने बहुत अच्छी पहल बताया।

कथा के आयोजन की विशेषताएं: श्री शिव महापुराण कथा के आयोजन में कई विशेषताएं थीं। कथा के दौरान भक्तों ने भगवान शिव की भक्ति में लीन रहे और उनके ज्ञान से अपने आधार पर अपने जीवन को पवित्र बनाने का संकल्प लिया। आयोजन समिति ने कथा के सफल आयोजन के लिए व्यापक तैयारियां की थीं और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं।

शिवमहापुराण के विशाल भंडारे में भोजन प्रसादी: शिवमहापुराण के विशाल भंडारे में भोजन प्रसादी बनाने में 250 लोगों ने भागीदारी दी। वहीं भक्तों को भोजन वितरण में 500 कार्यकर्ता महिला व पुरुष जुटे रहे। इस व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने में कार्यकर्ताओं ने पूरे समर्पण के साथ अपनी सेवाएं दीं। वैसे इस रसोई को नियंत्रित करने महादेव की ऐसी कृपा रही कि आखिर तक किसी समान की कमी नहीं पड़ी। कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा अपनी कथा में भी यही जिक्र करते रहे कि भंडारे में उनकी कृपा से कभी कोई कमी आती ही नहीं।

कार्यकर्ताओं का समर्पण: आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि दिव्य आयोजन की सफलता का श्रेय उन सभी कार्यकर्ताओं को जाता है जो अथक प्रयासों और समर्पण भाव से दिन रात कथा स्थल पर लगे रहे। सभी के द्वारा की गई व्यवस्थाओं, सेवा और समर्पण ने इस आयोजन की अत्यंत सफल और विस्मरणीय बनाया। हर कार्यकर्ता का योगदान अमूल्य रहा।

आयोजन समिति की अपील: आयोजन समिति ने सभी से अपील की है कि वे भविष्य में भी इसी तरह के आयोजनों में सहयोग करें और नगर की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने में अपना योगदान दें। समिति ने सभी को धन्यवाद दिया और उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी सभी का सहयोग इसी तरह मिलता रहेगा।

एक नजर

निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण और समयावधि में हो : सीईओ

कांकेर, 14 दिसंबर(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हरेश मण्डावी ने आज ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के निर्माण कार्यों के साथ पंचायतों के कार्या की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के तहत् अन्य प्रगतिरत कार्या एवं महतारी सदन सह सामुदायिक शौचालय के कार्या को समय पर गुणवत्तापूर्णढ़ग से समय सीमा में पूर्ण करने, अंतागढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को तहसील कार्यालय अंतागढ़ के लिए स्थल उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया। कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा कांकेर श्री विजय कुमार मांडवे को सभी प्रगतिरत कार्या का निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने कहा गया। जिले में सभी अप्रारंभ कार्या को तत्काल प्रारंभ करने हेतु निर्देशित किया गया। ग्राम पंचायतों में संचालित कार्यों को भी शीघ्रता से पूर्ण कराने व मूल्यांकन सत्यापन कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कोयलीबेड़ा उदय नाग, भानुप्रतापपुर जी.एल.चुरेन्द्र, दुर्गूकोंदल सुरेन्द्र कुमार बंजारे, कांकेर अश्वनी यादव, नरहरपुर बेनु सुखदेवे, अंतागढ सुश्री स्वेता साहू, चारामा जी.एस.कवर, अनुविभागीय अधिकारी आरईएस कांकेर त्रिलोक कुटारे, नरहरपुर नरेन्द्र ठाकुर, चारामा खिलेश साहू, दुर्गूकोंदल देवेन्द्र हटिले, कोयलीबेड़ा सी.एल.स्वर्णकार, अंतागढ सन्दीप रवि, भानुप्रतापपुर रविशंकर सोनी सहित सभी उपअभियंता उपस्थित थे।

कलेक्टर ने किया धान खरीदी केन्द्र का औचक निरीक्षण

कांकेर, 14 दिसंबर(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर श्री निलेश महादेव क्षीरसागर एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हरेश मंडावी ने जिले के सुदूर वनांचल में स्थित अंतागढ़ विकाखण्ड के ग्राम भैसासुर में स्थित धान खरीरी केन्द्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने धान खरीदी की प्रक्रिया, तौल व्यवस्था, नमी की जांच, रिकॉर्ड संधारण एवं किसानों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। मौके पर उपस्थित प्रबंधक को शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार पारदर्शी एवं सुचारू रूप से धान खरीदी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए समय पर तौल, त्वरित भुगतान एवं आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। कलेक्टर श्री क्षीरसागर ने केंद्र परिसर में साफ-सफाई, छाया, पेयजल तथा बैठने की उचित व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश भी दिये। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों से संवाद कर धान खरीदी व्यवस्था के संबंध में फीडबैक भी लिया। किसानों ने अब तक की व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया।

सोलर तकनीशियन कोर्स में रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण के लिए काउंसलिंग 15 दिसम्बर को

कांकेर, 14 दिसंबर(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के बेरोजगार युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने एवं उन्हे आत्मनिर्भर बनाने और रोजगार स्व-रोजगार से जोड़कर उन्हें सक्षम बनाने के लिए लाइवलीहुड कॉलेज कांकेर में 30 सीटों में सोलर पैनल इंस्टालेशन तकनीशियन (सूर्यमित्र) में निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण प्रारंभ किया जा रहा है। केन्द्र सरकार के द्वारा पीएम सूर्य घर गुफ्त बिजली योजना के तहत् 10 करोड़ परिवारों को मुफ्त बिजली प्रदाय करने की योजना है जिससे सोलर पैनल तकनीशियन कोर्स में रोजगार, स्व-रोजगार की संभावना बढ़ गई है। रोजगार, स्व-रोजगार की संभावनाओं को देखते हुए जिले के अधिक से अधिक बेरोजगार युवाओं को उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम से जोड़ने के लिए कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हरेश मण्डावी के मार्गदर्शन में यह प्रशिक्षण प्रारंभ किया जा रहा है। प्रशिक्षण के लिये 15 दिसम्बर को लाईवलीहुड कॉलेज गोविन्दपुर कांकेर में प्रातः 10 से सायं 04 बजे तक काउंसिलिंग का आयोजन किया गया है। जिले के ऐसे युवा जिनकी उम्र 18 वर्ष या उससे अधिक है जो इस प्रशिक्षण से जुड़कर अपना भविष्य संवारना चाहते हैं, वे शैक्षणिक योग्यता की अंकसूची, आधार कार्ड, 02 पासपोर्ट साईज फोटोग्रॉफ, निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति के साथ निर्धारित समय में काउंसिलिंग में उपस्थित होकर अपना पंजीयन करा सकते है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बस्तर ओलंपिक के समापन समारोह में हुए शामिल

आकर्षक मार्चपास्ट एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ बस्तर ओलंपिक का समापन

■ **बस्तर को सबसे विकसित संभाग बनाने का संकल्प**

जगदलपुर, 14 दिसंबर। बस्तर ओलंपिक 2024 के समापन सत्र में आया और आज बस्तर ओलम्पिक 2025 के समापन में भी शामिल होकर सर्वाधिक खुशी की अनुभूति हुई, आपको विश्वास दिलाता हूं कि मैं 2026 में जब लाल आतंक समाप्त होगा तो फिर बस्तर ओलंपिक समारोह में आऊंगा और कहूंगा कि बस्तर सबसे विकसित संभाग है। बस्तर ओलंपिक केवल यहां के लोगों की खेल प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं है बल्कि यह समूचे बस्तर के उम्मीदों की पहचान बन गया है। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने आज बस्तर ओलंपिक 2025 के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि मार्च 2026 तक समूल नक्सल उन्मूलन के कगार तक पहुंच चुके हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमनसिंह तथा अन्य अतिथियों ने बस्तर ओलम्पिक समापन सत्र के दौरान नुवा बाट के व्हीलचेयर रेस, रिले रेस, रस्साकसी सहित अन्य प्रतिस्पर्धाओं का फाइनल मुकाबला देखा। साथ ही बस्तर अंचल एवं छत्तीसगढ़ की लोकरंगी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी देखी। वहीं एजुकेशन सिटी जावंगा के घुड़सवारी में दक्ष बच्चों ने मार्चपास्ट में हिस्सा लेकर आकर्षण का केंद्र बने। कार्यक्रम में गृह मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री श्री विष्णु साय सहित अतिथियों ने बस्तर ओलंपिक 2025 के विजेताओं यूथ आइकॉन को प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया। इस दौरान बस्तर ओलंपिक 2024 के विधिवत घोषणा की गई और ध्वज मुख्य अतिथि को सौपा गया।

इस संभाग स्तरीय बस्तर ओलंपिक की सबसे खास बात ये रही कि इसमें 700 से अधिक नुवा बाट (आत्म समर्पित माओवादी) तथा माओवादी हिंसा में प्रभावित दिव्यांग खिलाड़ी भी शामिल हुए। वहीं करीब दो हजार 800 से ज्यादा अन्य प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। संभाग स्तरीय बस्तर ओलंपिक में मुख्य रूप से फुटबॉल, वॉलीबॉल, कराटे, वेटलिफ्टिंग, बैडमिंटन, कबड्डी, आर्चरी, एथलेटिक्स, रस्साकसी, हॉकी और रिलेरेस शामिल है। इस मौके पर केबिनट मंत्री श्री केदार कश्यप, लोकसभा सांसद बस्तर श्री महेश कश्यप, सांसद कांकेर श्री भोजराज नाग, उपाध्यक्ष बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण एवं विधायक कोंडागांव सुश्री लता उसेंडी, विधायक जगदलपुर श्री किरण देव, विधायक अंतागढ़ श्री विक्रम उसेंडी, केशकाल श्री नीलकंठ टेकाम, चित्रकोट विनायक गोयल, कांकेर श्री आशाराम नेताम, छत्तीसगढ़ बेवरेज कारपोरेशन अध्यक्ष श्री श्रीनिवास राव मद्दी, छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजाति आयोग अध्यक्ष श्री रूपसिंह मंडावी, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर, महापौर नगर निगम जगदलपुर श्री संजय पांडे सहित अन्य जनप्रतिनिधि और केन्द्र शासन एवं राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारी तथा हजारों की संख्या में खेलप्रेमी गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बस्तर ओलम्पिक का समापन

नारायणपुर के मलखम्भ खिलाड़ियों ने बस्तर ओलम्पिक में किया हैरतअंगेज प्रदर्शन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 14 दिसम्बर। बस्तर ओलम्पिक का समापन समारोह स्थानीय इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम में आयोजित किया गया, जहाँ नारायणपुर के मलखम्भ खिलाड़ियों ने अपने अविश्वसनीय प्रदर्शन से पूरे स्टेडियम को स्तब्ध कर दिया। इस प्राचीन भारतीय कला और खेल के महारथियों ने अपनी अद्भुत साहस और उत्कृष्ट सन्तुलन का ऐसा नजारा पेश किया कि दर्शक अपनी सीटों से हिल नहीं पाए और दांतों तले उंगलियां दबाने को मजबूर हो गए।

खिलाड़ियों ने ऊँचे, चिकने लकड़ी के खंभे और लोहे के पतले खंभे पर जिस सहजता और नियंत्रण के साथ जोखिम भरे आसन किए, वह उनकी वर्षों की कड़ी मेहनत और समर्पण को दर्शाता है। गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देती उनकी कलाबाजियाँ और शारीरिक लचीलापन हर किसी के लिए प्रेरणादायक था। यह प्रदर्शन केवल खेल का प्रदर्शन नहीं था, बल्कि देश के इस पारंपरिक खेल की गरिमा और सुंदरता का एक जीवंत प्रमाण था। नारायणपुर के इन युवा खिलाड़ियों के हैरतअंगेज प्रदर्शन ने बस्तर ओलम्पिक के समापन अवसर को न केवल यादगार बना दिया, बल्कि इस क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं की उत्कृष्टता को भी राष्ट्रीय पटल पर स्थापित कर दिया।

खनिज एवं जिला व्यापार उद्योग केन्द्र की हुई समीक्षा बैठक

दंतेवाड़ा, 14 दिसंबर(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आज कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत के द्वारा खनिज विभाग एवं जिला व्यापार उद्योग केन्द्र की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में सर्वप्रथम कलेक्टर ने जिला उद्योग केन्द्र के विभागीय योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना अंतर्गत बैंक शाखाओं द्वारा स्वीकृत, वितरित,लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए कहा कि स्थानीय ग्रामीण समुदाय के रुझान अनुरूप उन्हें विभिन्न व्यवसायों में जोड़ने के लिए उनके बैंक प्रेषित लोन प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कराने के लिए विभाग अतिरिक्त प्रयास करें।

अगर इसमें किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या आ रही है तो संबंधित बैंकों और आवेदकों की सम्मिलित बैठक का आयोजन कर दिक्कतों को दूर करें। इसके अलावा उद्योग विभाग अंदरूनी ग्रामीण क्षेत्रों में हितग्राहियों का कलस्टर आधारित विभिन्न व्यवसायों जैसे फोटोकापी, सैलून, किराना,च्वाईस सेंटर, के प्रकरण स्वीकृत कर व्यवसायीकृत उचित माहौल तैयार करने को प्राथमिकता देवें। साथ ही उन्होंने ग्राम पंचायतों में उद्योग आधारित षिविर लगाकर ग्रामीणों को व्यवसाय संबंधी जानकारी देने के साथ-साथ प्रकरण बनाने को भी कहा। ताकि निर्धारित लक्ष्यों को समय अवधि में पूरा किया जा सके। इस क्रम में कलेक्टर द्वारा खनिज शाखा संबंधित खनिज राजस्व लक्ष्य, रेत खदानों हेतु टेंडर, गौंण खनिज के परिवहन की समीक्षा करते हुए कहा कि हर हाल में अवैध रेत खनन पर रोक लगाई जाये। और इसमें विभाग द्वारा त्वरित कार्यवाही अपेक्षित है। बैठक में जिला खनिज अधिकारी श्री छबिलेश्वर मौर्य, महाप्रबंधक उद्योग श्री मितवा बड़ा एवं अन्य विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना एवं रबी फसलों के संबंध में कलेक्टर ने ली मैदानी कर्मचारियों की मेगा बैठक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 14 दिसंबर। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में आज जावंगा ऑडिटोरियम में कृषि,उद्यानिकी,पशुधन,केवीके एवं मत्स्य विभागों के मैदानी कर्मचारियों की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना एवं विस्तार कार्यकर्ताओं के रबी ऋतु हेतु प्रशिक्षण पर फोकस करते हुए कहा कि सभी जैविक कार्यकर्ता एवं कृषि विस्तार अधिकारी अधिक से अधिक कृषकों को किसान उत्पादक संगठन से जोड़ने हेतु उनकी बैठक लेकर उनकी बैंक डिटेल सहित अन्य जानकारियों को संकलन कार्य को प्राथमिकता से करें ताकि पोर्टल में प्रविष्टि करण किया जा सके। इसके अलावा आगामी रबी फसल हेतु कृषक प्रशिक्षण हेतु कार्ययोजना अभी से ही तैयार करें ताकि अगले वर्ष रबी फसलों का प्रतिशत बढ़ सके। उन्होंने आगे कहा कि जिले के प्रत्येक ब्लाक के कम से कम एक-एक हजार हेक्टेयर में कृषकों का क्लस्टर बनाकर लाभान्वित किया जाए इसके लिए सभी आरईओ किसानों की बैठक लेकर कृषकों को प्रोत्साहित करें। इसके जिला प्रशासन निशुल्क बीज प्रदाय के साथ- साथ अन्य सभी आवश्यक कार्यों में सहयोग देगा। इसके अलावा आम,अमरूद,केला जैसे फलदार रोपण में भी किसानों के समूहों की भागीदारी बढ़ाने एवं लाभान्वित करने की प्रक्रिया सुनिश्चित होनी चाहिए। इन युद्ध स्तर के प्रयासों से ही प्रधानमंत्री धन-धान्य सहित अन्य योजनाओं की लक्ष्यों को शत-प्रतिशत प्राप्त किया जा सकेगा। उन्होंने विगत दिवस ग्राम पोटाली के अपने प्रवास के दौरान में कृषकों के समूहों द्वारा फलदार पौधों के रोपण करने संबंधी मांग का उल्लेख करते हुए कहा कि जिले के अंदरूनी ग्रामों के कृषकों को अपरम्परगत खेती हेतु प्रोत्साहित करने के लिए आरईओ और जैविक कार्यकर्ताओं को सतत कार्य करना होगा। क्योंकि जिले के अधिकतर किसान इसके लिए इच्छुक है केवल उन्हें विभागीय मार्गदर्शन और सहयोग देने की आवश्यकता है। आगामी बैठक में निश्चित ही इन बिंदुओं में प्रगति अपेक्षित रहेगी। इस दौरान उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा गठित कृषक समूहों को हार्वेस्टर मषीनरी भी उपलब्ध करने की भी बात कही।

इसके साथ ही बैठक में किसान सम्मान निधि, एग्रीस्टेक, किसान क्रेडिट कार्ड,एफपीओ में नये किसानों को जोड़ने, बीज उत्पादन कार्यक्रम,सरसों प्रदर्षन,वृहद क्षेत्र प्रमाणीकरण,स्वायल हेल्थ कार्ड तथा रबी क्षेत्राच्छादन में बढ़ाने की विस्तृत चर्चा की गई। इस क्रम में कलेक्टर द्वारा उद्यानिकी विभाग से संबंधित फेसिंग और बोर के कार्यों में तेजी लाने, सब्जी क्षेत्र विस्तार एवं मोचो बाड़ी योजनान्तर्गत अधिक से अधिक प्रकरण बनाने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने आगे कहा कि कई बार देखा गया है कि तार बाड़ी योजना और बोर सुविधा होने के उपरांत भी कृषक रबी फसल लेने के इच्छुक नहीं होते ऐसे कृषकों को विभागीय अधिकारी व्यक्तिगत संपर्क उन्हें द्विफसली के लिए प्रेरित करें।

प्रधानमंत्री आवास योजना से बदली भीमा की दुनिया, कच्चे घर से सम्मान की नई मंजिल तक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 14 दिसंबर। एक कहानी भीमा कि जीवन की कठिनाइयाँ जब पहाड़ बनकर सामने खड़ी होती हैं, तब इंसान के धैर्य और हिम्मत की असली परीक्षा होती है। लेकिन यदि व्यक्ति हिम्मत न हारे और सही दिशा में प्रयास करता रहे, तो उसकी सफलता निश्चित होती है। इसी सच्चाई को साकार किया है ग्राम पंचायत अरनुपर, जनपद पंचायत कुआकोंडा के भीमा कश्यप पिता जोगा ने, जिनके जीवन में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण ने सकारात्मक परिवर्तन लाकर नई आशा जगा दी।

दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा के घने जंगलों और पहाड़ी इलाकों से घिरे अरनुपर गांव में भीमा अपने परिवार के साथ वर्षों से एक जर्जर कच्चे मकान में रह रहे थे। बारिश के दिनों में छत से टपकते पानी से लेकर दीवारों के गिरने का डर हर मौसम उनके लिए नई परेशानी लेकर आता था। बरसात में रातभर जागकर बच्चों को पानी से बचाना, सर्दी में टाट-प्लास्टिक लगाकर ठंड रोकना और गर्मी में टूटती दीवारें, यह उनके जीवन की मजबूरी बन चुकी थी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पक्का घर बनाना उनके लिए एक अधूरा सपना बनकर रह गया था।

लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत जैसे ही उनके नाम स्वीकृति मिली, भीमा के जीवन में उम्मीद की किरण जग उठी। किस्तों की राशि मिलने के बाद भीमा ने स्वयं मेहनत कर धीरे-धीरे अपने सपनों का घर बनाना शुरू किया। मिट्टी, लकड़ी से जिंदगी गुजारने वाले भीमा के हाथों ने अब ईंटों और सीमेंट से एक मजबूत नींव रखी, जिसमें उनके परिवार के सुरक्षित भविष्य की कहानी लिखी गई। आज उनका परिवार नए, सुदृढ़ और उजले घर में सुरक्षित जीवन जी रहा है। बच्चों के चेहरों पर खुशी की चमक और परिवार के सदस्यों के मन में सुरक्षा का एहसास यही उनके नए जीवन की सबसे बड़ी कमाई है। भीमा भावुक होकर कहते हैं। पहले हर मौसम डर लेकर आता था, अब घर के अंदर सुकून है। हमारे बच्चों को पहली बार ऐसा घर मिला है जहाँ वे बिना डर पढ़-लिख सकें। सरकार की इस योजना ने हमारे परिवार को नई जिंदगी दी है।

विगत दिवस जब कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत अरनपुर दौरे पर पहुंचे, तो उन्होंने भीमा के नए बने प्रधानमंत्री आवास को देखा और घर की मजबूती, साफ-सफाई, प्लिंथ लेवल और समुचित निर्माण देखकर कलेक्टर ने संतोष प्रकट करते हुए खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि भीमा का घर इस बात का प्रतीक है कि सरकारी योजनाएं जब सही पात्रों तक पहुँचती हैं, तो लोगों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन आता है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने आवास से संबंधित किस्तों की जानकारी ली, जिस पर भीमा ने बताया कि अंतिम किश्त अभी प्राप्त होना शेष है। इस पर कलेक्टर ने आश्वासन दिया कि अंतिम किस्त जल्द ही मिल जायेगी। कलेक्टर ने यह भी पूछा कि क्या उन्हें नियमित राशन मिल रहा है, जिस पर भीमा ने संतोषपूर्वक बताया कि उन्हें समय पर सभी सामग्री प्राप्त हो रही है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री दुदावत ने भीमा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि भीमा का प्रयास उदाहरण है कि योजनाओं का सही उपयोग जीवन बदल सकता है। वे अपने अनुभव को गांव के अन्य परिवारों के साथ साझा करें, ताकि अधिक से अधिक लोग प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ उठाकर पक्के और सुरक्षित घर प्राप्त कर सकें।

उच्च न्यायालय बिलासपुर के न्यायमूर्ति अमितेन्द्र किशोर प्रसाद ने किया नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ

नेशनल लोक अदालत में 01 लाख 53 हजार 296 प्रकरणों का निराकरण

कांकेर, 14 दिसम्बर। जिले में आयोजित नेशनल लोक अदालत में विभिन्न मामलों का त्वरित, सौहार्दपूर्ण वं आपसी सहमति से 01 लाख 53 हजार 296 प्रकरणों का निराकरण किया गया। जिला न्यायालय कांकेर में आयोजित नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के माननीय न्यायमूर्ति श्री अमितेन्द्र किशोर प्रसाद के द्वारा किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय न्यायमूर्ति जी ने कहा कि कांकेर की इस पुण्य धरा पर उपस्थित होकर मुझे अत्यंत गर्व की अनुभूति हो रही है। यह एक प्राचीन नगरी है, जिसके विषय में मैंने पूर्व से बहुत सुना है। आज यहाँ आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, इसके लिए मैं आप सभी का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने इस महत्वपूर्ण आयोजन को सफल बनाया। पोर्टफोलियो न्यायमूर्ति के रूप में

आज इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि भविष्य में अधिक से अधिक पक्षकार न्यायालयीन विवादों से परे लोक अदालत के माध्यम से विवादों के समाधान की दिशा में अग्रसर होंगे।

लोक अदालत की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए माननीय न्यायमूर्ति श्री अमितेन्द्र किशोर प्रसाद जी ने कहा कि यह एक ऐसा मंच है, जहाँ ऐसे विवादों का समाधान किया जाता है, जिनमें आपसी समझौते की संभावना होती है। न्यायालयीन प्रक्रिया से हटकर, आपसी सहमति और सौहार्द के साथ मामलों का निपटारा करना लोक अदालत का मूल उद्देश्य है। मीडिएशन के पश्चात लोक अदालत विवादों के समाधान की एक प्रभावी व्यवस्था है, जहाँ पक्षकार मिल-जुलकर अपने विवादों का समाधान कर सकते हैं। माननीय न्यायमूर्ति ने कहा कि पारंपरिक न्यायालयों में पक्षकार, अधिवक्ता और न्यायालय के बीच प्रक्रिया चलती है, जबकि लोक अदालत में पक्षकार स्वयं अपने विवाद का समाधान करने का निर्णय लेते हैं। यह केवल समझौता नहीं, बल्कि विश्वास और सहमति का परिणाम होता है। उन्होंने यह भी कहा कि हमारी सदैव यही कोशिश रहती है कि बातचीत के माध्यम से विवाद सुलझें और समझौते में किसी प्रकार की कानूनी बाधा न आए। कानून की व्याख्या न्यायालय में होती रहेगी, किंतु लोक अदालत वह मंच है जहाँ पक्षकार स्वतंत्र रूप से, बिना किसी दबाव के, स्वयं निर्णय ले सकते हैं।

माननीय न्यायमूर्ति जी ने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण के अंतर्गत आयोजित प्रत्येक कार्यक्रम हम सभी के लिए विशेष महत्व रखता है। ऐसे आयोजनों में जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक होती है। दैनिक न्यायिक कार्यों के अतिरिक्त जब लोक अदालत अथवा विधिक सेवा से संबंधित कोई भी कार्यक्रम आयोजित होता है, तो उसमें सम्मिलित होना हमारे लिए गौरव का विषय होता है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत जैसे आयोजनों के माध्यम से आम नागरिकों, प्रशासनिक अधिकारियों और न्यायिक अधिकारियों को अनौपचारिक रूप से एक-दूसरे से संवाद करने का अवसर प्राप्त होता है। इससे सद्भावना और विश्वास का वातावरण निर्मित होता है। माननीय न्यायमूर्ति जी द्वारा इस अवसर पर न्यायालय का निरीक्षण कर प्रकरणों के निराकरण की जानकारी भी ली गई। कार्यक्रम में रजिस्ट्रार विजलेंस छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट बिलासपुर से श्री मंसूर अहमद, प्रधान जिला एंव सत्र न्यायाधीश उत्तर बस्तर कांकेर श्री संजीव कुमार टामक, कुटुम्ब न्यायालय कांकेर के न्यायाधीश श्री रमाशंकर प्रसाद, कलेक्टर कांकेर श्री निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर, और अधिवक्तागण बड़ी संख्या में मौजूद थे।

एक नजर

2709 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को किया गया निःशुल्क ड्रेस वितरण

रायगढ़, 14 दिसम्बर। शासन के निर्देशानुसार आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को प्रतिवर्ष निःशुल्क यूनिफॉर्म प्रदान की जाती है। इसी कड़ी में कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर जिले के कुल 2709 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा खादी ग्रामोद्योग के माध्यम से 02-02 नग ड्रेस वितरित की गई है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास एल.आर.कच्छप ने बताया कि जिले में आंगनबाड़ी कर्मियों को साड़ी का वितरण किया जा रहा है, जिसमें आंगनबाड़ी सहायिकाओं को बैंगनी रंग की साड़ी तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को फिरोजी रंग की साड़ी प्रदान की गई है। साड़ी वितरण की शुरुआत सर्वप्रथम बाल विकास परियोजना कापू अंतर्गत की गई। नई साड़ियाँ प्राप्त होने पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं में उत्साह और प्रसन्नता देखने को मिली। उन्होंने शासन की इस पहल के लिए आभार व्यक्त किया।

प्रशासन की संवेदनशील पहल, दिव्यांगजनों के सपनों को मिलेगा पंख-जिला पंचायत अध्यक्ष नम्रता सिंह

मोहला 14 दिसंबर । अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा सीएसआर योजना अंतर्गत दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन आज खडगांव में किया गया। इस शिविर में लौह अयस्क समूह दल्ली राजहरा, दुलकी खदान भिलाई इस्पात संयंत्र, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड तथा भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम एलिम्को का विशेष सहयोग रहा। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नम्रता सिंह ने कहा कि आज का शिविर सशक्त समाज निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है, जो हमें दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशील होने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि देश के विकास में सभी की समान भागीदारी है। शारीरिक दिव्यांगता गति को धीमा कर सकती है, परंतु दृढ़ इच्छाशक्ति को कभी रोक नहीं सकती। उन्होंने दिव्यांगजनों से आग्रह किया कि स्वयं को कभी कमजोर न समझें, क्योंकि ये सहायक उपकरण आपके सपनों को पंख देने का कार्य करेंगे। समाज में सभी को समान अधिकार एवं सम्मान के साथ जीने का हक है। उन्होंने लोगों से भी कहा कि यदि किसी व्यक्ति को मदद की आवश्यकता होए तो आगे बढ़कर सहयोग करें।

डांडेसरा में मखाना खेती का शुभारंभ - ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम

मोहला 14 दिसंबर । जिले में ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ बनाने एवं महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित ग्राम डांडेसरा के छोटी -छोटी डबरियों में मखाना पौधरोपण की औपचारिक शुरुआत स्व-सहायता समूह शैलपुत्री एवं नई किरण की महिलाओं द्वारा की गई। नई फसल की शुरुआत से क्षेत्र में उत्साह एवं उत्सुकता का वातावरण देखने को मिला है महिला समूहों को पूर्व में मखाना उत्पादन, प्रबंधन एवं हार्वेस्टिंग का तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। इस पहल से ग्रामीण महिलाओं के लिए नए आय-सृजन के अवसर उपलब्ध होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा आज डांडेसरा पहुंचे और महिला समूहों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने नई खेती की शुरुआत पर बधाई देते हुए कहा कि मखाना इस क्षेत्र की भौगोलिक एवं जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप बेहद उपयुक्त फसल है कलेक्टर ने बताया कि मखाना की खेती हेतु दो से तीन फीट पानी पर्याप्त है। फसल छः माह में तैयार हो जाती है। यह धान की तुलना में अधिक लाभकारी है। मखाना न केवल आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत पोषक है, जिसमें विटामिन, फाइबर, कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन एवं जिंक प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि धमतरी में मखाना की आधुनिक खेती किसानों तथा महिला स्व-सहायता समूहों के लिए आय बढ़ाने का नया मार्ग बनेगी। प्रशासन का लक्ष्य है कि मखाना को धान के बेहतर विकल्प के रूप में बड़े पैमाने पर अपनाया जाए।

उन्होंने तालाबों को मखाना खेती के अनुकूल बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि हाल ही में आयोजित धमतरी कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा छत्तीसगढ़ को मखाना बोर्ड में शामिल करने की घोषणा की गई थी, जिससे राज्य में मखाना उत्पादन को राष्ट्रीय स्तर का सहयोग प्राप्त होगा। इसके पूर्व जिले के कुरूद विकासखंड के ग्राम राखी, दरगहन एवं सरसोंपुरी को मखाना खेती के लिए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चयनित किया गया है। इन गांवों में मखाना उत्पादन प्रगति पर है तथा फसल की हार्वेस्टिंग भी प्रारंभ हो चुकी है।

16 हजार से अधिक किसानों ने बेचा धान, लघु एवं सीमांत किसानों को प्राथमिकता

रिकॉर्ड धान खरीदी:जिले में अब तक 8,89,778.80 क्विंटल धान की खरीदी, 18,176.75 लाख से अधिक का सीधा भुगतान

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 14 दिसम्बर। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी को लेकर किसानों में उत्साह, संतोष और विश्वास का वातावरण निर्मित हुआ है। शासन के स्पष्ट निर्देशों एवं कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के सतत मार्गदर्शन में जिले के 105 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी की प्रक्रिया पूरी तरह सुचारू, पारदर्शी एवं किसान-हितैषी ढंग से संचालित की जा रही है। प्रशासन द्वारा किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए टोकन जारी करने से लेकर उपार्जन केंद्र तक पहुंच, धान की तौल, खरीदी और भुगतान तक की समस्त प्रक्रिया को सरल, सुव्यवस्थित और समयबद्ध बनाया गया है। इसका सकारात्मक परिणाम यह है कि किसान बिना किसी असुविधा के समय पर अपना धान विक्रय कर पा रहे हैं।

धान खरीदी व्यवस्था की नोडल अधिकारियों द्वारा सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। किसी भी उपार्जन केंद्र पर यदि कोई समस्या सामने आती है तो उसका तत्काल समाधान कर किसानों को राहत पहुंचाई जा रही है। इससे किसानों में संतोष और भरोसे का माहौल बना हुआ है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि किसानों की सुविधा, पारदर्शिता और समय पर भुगतान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जिले में अब तक 16,000 से अधिक किसानों ने समर्थन मूल्य पर अपना धान विक्रय किया है। इनमें 6,340 सीमांत किसान, 8,511 लघु किसान एवं 1,179 बड़े किसान शामिल हैं। धान खरीदी में लघु एवं सीमांत किसानों को प्राथमिकता दिए जाने से छोटे किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है और उनमें संतोष का भाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा है।

अब तक जिले में 8,89,778.80 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया गया है कि किसानों को धान विक्रय के पश्चात भुगतान में किसी प्रकार की देरी न हो। इसके परिणामस्वरूप किसानों के बैंक खातों में अब तक 18,176.75 लाख रुपए से अधिक की राशि का सीधा भुगतान किया जा चुका है। इसके साथ ही 3,308.76 लाख रुपए की ऋण वसूली की गई है। जिले में लगभग 493.754 हेक्टेयर रकबा समर्पित किया गया है, जिससे अन्य किसानों को भी समय पर धान विक्रय का अवसर मिल रहा है। रकबा समर्पण से वास्तविक किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है और कोचियों व बिचौलियों द्वारा अवैध धान विक्रय की संभावनाओं पर प्रभावी रोक लगी है।सभी उपार्जन केंद्रों पर किसानों के लिए बैठने की व्यवस्था, छांव, पेयजल, तौल मशीनों की उपलब्धता एवं सुव्यवस्थित खरीदी सुनिश्चित की गई है। अपर कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी श्री अपूर्व प्रियेश टोप्पो ने बताया कि समिति प्रबंधकों एवं केंद्र प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि धान विक्रय के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। धान खरीदी की इस सुव्यवस्थित, पारदर्शी और संवेदनशील व्यवस्था से जिले में सकारात्मक माहौल बना है और किसान संतोष एवं भरोसे के साथ धान विक्रय कर रहे हैं।

अवैध धान परिवहन व भंडारण पर सख्त कार्रवाई

कलेक्टर के स्पष्ट निर्देशों के तहत जिले में अवैध धान परिवहन एवं भंडारण के मामलों पर सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। अब तक 121 प्रकरण दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें 28,236.80 क्विंटल से अधिक धान जब्त किया गया है। सभी मामलों में मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि वास्तविक किसानों के अधिकारों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा, जबकि अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों पर कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। जिले में धान खरीदी व्यवस्था को सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाए रखने के लिए कलेक्टर ने सभी जिला नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने समितियों में उपस्थित रहकर धान खरीदी स्टॉक का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करें। सत्यापन के दौरान स्टैकिंग शासन की गाइडलाइन के अनुसार हो तथा बारदानों का भी भौतिक सत्यापन किया जाए।

300 से अधिक विद्यार्थियों को मिलेगा स्मार्ट सुविधाओं से युक्त उन्नत शिक्षण वातावरण

रेंगालपाली में सर्वसुविधायुक्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का लोकार्पण

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 14 दिसम्बर। पुसौर विकासखंड के ग्राम रेंगालपाली में निर्मित 1 करोड़ 21 लाख 16 हजार रुपये की लागत वाले सर्वसुविधायुक्त शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का लोकार्पण वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी द्वारा विधिवत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वित्त मंत्री श्री चौधरी ने मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना से की। इसके पश्चात उन्होंने स्मार्ट क्लास एवं प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया तथा विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी की सराहना की। विद्यालय के बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर मुख्य अतिथि का गर्मजोशी से स्वागत किया।

नव निर्मित विद्यालय भवन को आधुनिक शैक्षणिक मानकों के अनुरूप डिजाइन किया गया है। इसमें 9 सुसज्जित कक्षाएँ, स्मार्ट क्लास, दो आधुनिक प्रयोगशालाएँ, समृद्ध लाइब्रेरी, प्रिंसिपल एवं स्टाफ कक्ष, बालक-बालिका प्रसाधन कक्ष जैसी प्रमुख सुविधाएँ शामिल हैं। यह भवन 300 से अधिक विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक, सुरक्षित और आधुनिक शिक्षा का वातावरण उपलब्ध कराएगा।

समारोह को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि गुणवत्ता-सम्पन्न शिक्षा ही उन्नत समाज और विकसित भारत का आधार है। उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प है कि हर बच्चे को आधुनिक, सुरक्षित और बेहतर शिक्षण सुविधाएँ उपलब्ध हों। रायगढ़ जिला शिक्षा, स्वास्थ्य और अवसंरचना के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विद्यालय विकास में मिले एचडीएफसी बैंक के सीएसआर सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रायगढ़ विधानसभा क्षेत्र में पिछले दो वर्षों में जितने शैक्षणिक और विकासात्मक कार्य हुए हैं, उतने एक साथ कई वर्षों में नहीं हो पाए थे। उन्होंने छात्र-छात्राओं से मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य निर्धारण के साथ अध्ययन करने का आह्वान किया और उन्हें कैरियर मार्गदर्शन भी प्रदान किया।

लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री अमित कश्यप ने भवन निर्माण की लागत, संरचना और उपलब्ध सुविधाओं का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। विद्यालय के प्राचार्य श्री डी.एस. उरांव एवं श्रीमती जेमिनी गुप्ता ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री विजय अग्रवाल, जनपद अध्यक्ष पुसौर श्रीमती हेमलता चौहान, श्रीमती हेमालिनी गुप्ता, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मानी सतपथी, संदीप पंडा, प्रदीप सतपथी, हरदीप सिंह, गौरांग साव, सत्यवीर सिंह, खितेश्वर गुप्ता, दीपक गुप्ता, एडीएम श्री महेश शर्मा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री शैलेश देवांगन, विद्यालय स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जिला पुलिस बल के आरक्षक संवर्ग के पद के लिए मेरिट एवं प्रतीक्षा सूची जारी

रायगढ़, 14 दिसम्बर। जिला पुलिस बल के आरक्षक संवर्ग के अंतर्गत आरक्षक जीडी एवं आरक्षक चालक ट्रेड के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया पुलिस मुख्यालय, छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई।

अभ्यर्थियों के शारीरिक दक्षता परीक्षा, लिखित परीक्षा, ट्रेड परीक्षा तथा बोनस अंकों के आधार पर पदवार, जिलावार एवं वर्गवार चयन एवं प्रतीक्षा सूची तैयार की गई। उक्त सूची को पुलिस मुख्यालय की आधिकारिक वेबसाइट ीजजचेरू‍ध्‍ध्बहचवसपबमण्हवअण्प द पर अपलोड किया गया है। साथ ही चयन सूची एवं प्रतीक्षा सूची की जानकारी कार्यालय पुलिस अधीक्षक रायगढ़, जांजगीर-चांपा, सक्ती एवं सारंगढ़-बिलाईगढ़ के सूचना पटल पर भी चस्पा कर दी गई है, ताकि अभ्यर्थी समय पर जानकारी प्राप्त कर सकें।

पुलिस अधीक्षक जिला रायगढ़ एवं अध्यक्ष चयन समिति ने जानकारी देते हुए बताया कि बिलासपुर रेंज के अंतर्गत भर्ती केंद्र क्रमांक-02 रायगढ़ में यह भर्ती प्रक्रिया 16 नवंबर 2024 से 7 जनवरी 2025 तक पुलिस लाइन उर्दना, रायगढ़ में आयोजित की गई। इस दौरान जिला रायगढ़, जांजगीर-चांपा, सक्ती एवं सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिलों के अभ्यर्थियों का दस्तावेज परीक्षण, शारीरिक नापतोल एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा आयोजित की गई। भर्ती प्रक्रिया के तहत परीक्षा में सम्मिलित योग्य अभ्यर्थियों को नियमानुसार विज्ञापित पदों के विरुद्ध 15 गुना के अनुपात में चयनित करते हुए 14 सितंबर 2025 को लिखित परीक्षा में सम्मिलित कराया गया।

कलेक्टर ने स्कूल शिक्षा की समीक्षा

धमतरी 14 दिसंबर । कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने स्कूल शिक्षा की समीक्षा की। उन्होंने परीक्षा तैयारियों से लेकर स्कूलों की व्यवस्थाओंकी विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर ने त्रैमासिक एवं अर्धवार्षिक परीक्षाओं की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सीएससी को निर्देशित किया कि वे स्कूलों में जाकर कम से कम 5 प्रतिशत उत्तर पुस्तिकाओं का अनिवार्य रूप से परीक्षण सुनिश्चित करें। उन्होंने अर्धवार्षिक परीक्षा के लिए भी पेपर जांच की व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने बोर्ड परीक्षाओं में कमजोर परिणाम देने वाले स्कूलों के प्राचार्यों पर कार्रवाई की चेतावनी देते हुए बीईओ को फील्ड में जाकर स्कूलों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने और आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि कमजोर प्रदर्शन वाले स्कूलों के प्राचार्यों को कार्यालय में अटैच किया जाए।बैठक में लगातार अनुपस्थित अधिकारियों एवं प्राचार्यों पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की तथा उनकी शिकायत उच्च स्तर पर भेजने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिए। सभी विकासखंडों के 10 सर्वश्रेष्ठ एवं 10 कमजोर स्कूलों की समीक्षा कर सुधारात्मक योजनाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।कलेक्टर ने उत्कृष्ट बच्चों के लिए शीतकालीन अवकाश के दौरान अतिरिक्त कक्षाएं संचालित करने और कमजोर विद्यार्थियों को परीक्षा-उन्मुख तैयारी कराने पर जोर दिया। पीएम श्री स्कूलों में उपलब्ध सुविधाओं, प्रगतिरत निर्माण तथा लंबित कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा करने और लंबित कार्यों की तुरंत शुरुआत सुनिश्चित करने को कहा।

हायर सेकेंडरी स्कूलों में स्थापित अटल टिंकरिंग लैबके प्रभावी उपयोग पर जोर देते हुए कलेक्टर ने विद्यार्थियों को नवाचार की दिशा में प्रेरित करने के निर्देश दिए। कंप्यूटर लैब की अव्यवस्थित स्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को कंप्यूटर की बेसिक जानकारी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने की बात कही।कलेक्टर श्री मिश्रा ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिए विषय-आधारित छोटे वीडियो तैयार कर उपलब्ध कराने तथा पिछले वर्ष की बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्रों का लिंक साझा करने के निर्देश दिए। साथ ही अर्धवार्षिक परीक्षाओं के लिए मॉडल आंसर तैयार करने को कहा। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री अभय जायसवाल, डीएमसी श्री तिवारी, श्री देवेश सूर्यवंशी स्कूलों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

भाठनपाली-बिंजकोट में विकास की नई सड़क, वित्त मंत्री ने 6.26 करोड़ के कार्यों का किया भूमिपूजन

रायगढ़, 14 दिसम्बर। ग्रामीण अंचलों में आवागमन की सुविधा को मजबूत करने और विकास कार्यों को नई गति देने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में रायगढ़ विधायक एवं वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने पुसौर विकासखंड के ग्राम भाठनपाली एवं बिंजकोट में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 6 करोड़ 26 लाख रुपए से अधिक की लागत से बनने वाले सड़क निर्माण कार्यों का भूमिपूजन कर जिले को महत्वपूर्ण विकास सौगात दी। इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी सुदृढ़ होगी।

भाठनपाली में एनएच-49 से मोहंदाभाठा बस्ती तक 2.25 किलोमीटर सड़क तथा धनुहारडेरा से भाठनपाली तक 1.80 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया है, जिसकी कुल लागत 3.28 करोड़ रुपए है। वहीं बिंजकोट में एकताल रोड से बिंजकोट बस्ती तक तथा एकताल से सांपखोड़-सकरबोंगा तक सड़कों के निर्माण पर 2.98 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए जाएंगे। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने सभी निर्माण कार्यों को 12 माह के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या कमीशनखोरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि सरकार बनने के बाद से प्रदेश की जनता के हित में लगातार फैसले लिए जा रहे हैं। 12 लाख किसानों को 3716 करोड़ रुपए का बकाया बोनस, 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी, 3100 रुपए प्रति क्विंटल भुगतान, श्री रामलला दर्शन योजना, 18 लाख गरीब परिवारों के लिए आवास, और महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु महतारी वंदन योजना इसके प्रमुख उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और जनहित कार्यों के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं होगी। विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने के लिए सरकार सबको साथ लेकर, सबके विकास के लक्ष्य के साथ निरंतर कार्य कर रही है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने भाठनपाली में 10 लाख रुपए की लागत से शेड निर्माण और बिंजकोट में 10 लाख रुपए आवश्यक विकास कार्यों के लिए देने की घोषणा की। साथ ही ग्रामीणों की सीसी रोड की मांग को भी शीघ्र पूरा करने का आश्वासन दिया। उज्ज्वला योजना के अंतर्गत बिंजकोट में 6 हितग्राहियों को गैस कनेक्शन भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री विजय अग्रवाल, जिला पंचायत सदस्य श्री बृजेश गुप्ता, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हेमलता चौहान, ग्रामों के सरपंच सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

पीएम आवास योजना ग्रामीण के तहत निर्माण कार्यों की सीईओ ने की समीक्षा

रायगढ़, 14 दिसम्बर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत रायगढ़ जिले में निर्माण कार्यों की प्रगति को गति देने के उद्देश्य से जिला कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिजीत पाठरे द्वारा आज जिला पंचायत कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के सातों जनपद पंचायतों की गहन समीक्षा की गई।

इस समीक्षा बैठक में अल्प प्रगति वाले ग्राम पंचायतों के सचिव, रोजगार सहायक एवं जनपद स्तर के संबंधित अधिकारी-कर्मचारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत आवास स्वीकृति, निर्माण की वर्तमान स्थिति, जियो टैगिंग, किस्तों के भुगतान तथा हितग्राहियों को समयबद्ध लाभ उपलब्ध कराने की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिन जनपद पंचायतों एवं उनके अंतर्गत ग्राम पंचायतों को चिन्हित किया गया, उनमें जनपद पंचायत पुसौर की ग्राम पंचायत नेटनागर, गुड्डु एवं कठानीय जनपद पंचायत खरसिया की पतरापाली, नगोई एवं नंदगांवय जनपद पंचायत रायगढ़ की पतरापाली पूर्व, बनोरा एवं जुड़ाय जनपद पंचायत लैलूंगा की केसला, गंजपुर एवं पाकरगांवय जनपद पंचायत घरघोड़ा की नवागढ़, बकचबा एवं चिमटापानीय जनपद पंचायत तमनार की खुरसलेंगा, डारआमा एवं चितवानी तथा जनपद पंचायत धरमजयगढ़ की सिसरिंगा, सिथरा एवं कटाईपाली डी शामिल हैं। जिला पंचायत सीईओ श्री अभिजीत पाठरे ने अल्प प्रगति वाले ग्राम पंचायतों के सचिवों एवं रोजगार सहायकों को कार्य में तेजी लाने, लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने तथा फील्ड स्तर पर सतत निगरानी सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने सभी जनपद पंचायत अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि आगामी एक सप्ताह के भीतर प्रगति में उल्लेखनीय सुधार लाना सुनिश्चित करें, अन्यथा संबंधितों की जवाबदेही तय की जाएगी।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, जिसका उद्देश्य पात्र परिवारों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी संबंधित अधिकारी-कर्मचारी आपसी समन्वय और टीम भावना के साथ कार्य करें, ताकि जिले में कोई भी पात्र हितग्राही आवास से वंचित न रहे।

कलेक्टर ने आश्रम-छात्रावास व्यवस्था की समीक्षा की

धमतरी 14 दिसंबर । कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा की अध्यक्षता में बीते दिन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आश्रम-छात्रावास अधीक्षकों की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य आश्रमों में निवासरत विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण, सुरक्षित सुविधाएँ और परिवार जैसा स्नेहपूर्ण माहौल उपलब्ध कराना था। कलेक्टर श्री मिश्रा ने अधीक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे राष्ट्र का भविष्य हैं, इसलिए उनके संपूर्ण व्यक्तित्व विकास के लिए सभी अधीक्षक अपनी जिम्मेदारी को संवेदनशीलता और समर्पण के साथ निभाएँ।

कलेक्टर ने किया ग्रामीण क्षेत्रों का व्यापक दौरा: किसानों की आय बढ़ाना सर्वोच्च प्राथमिकता

कलेक्टर ने खेत-खेत जाकर लिया चना, सरसों व अरहर फसलों का जायजा

धमतरी 14 दिसंबर। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने आज जिले के खपरी, संबलपुर, पुरी, डांडेसरा, कन्हारपुरी, भुसरेंगा, बगौद, कुर्रा, कोसमर्रा, देवरी और सिहाद सहित कई गांवों का निरीक्षण दौरा किया। दौरे के दौरान उन्होंने किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी और विभिन्न फसलों की वास्तविक स्थिति का मुआयना किया। कलेक्टर ने कहा कि किसानों को लाभान्वित करना, उनकी आय बढ़ाना और कृषि को लाभकारी बनाना सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि धान के साथ-साथ व्यावसायिक फसलों, दलहन, तिलहन तथा मिलेट की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाए।चना, सरसों, अरहर की बढ़ी खेती-किसानों

से लिया फसल विस्तार का फीडबैकउप संचालक कृषि श्री मोनेश साहू ने बताया कि खपरी और संबलपुर के किसानों ने इस क्षेत्र में लगभग 1000 एकड़ में चना की खेती कर रहे है। कृषि विभाग ने किसानों को चना बीज उपलब्ध कराया है, जिससे पिछले वर्ष की तुलना में चना की खेती में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। भुसरेंगा-बगौद के किसान भी सरसों, अरहर और उड़द की खेती कर रहे हैं। कलेक्टर ने खेतों का निरीक्षण कर फसलों की स्थिति देखी और किसानों से उत्पादन, पानी, खाद एवं सुरक्षा से संबंधित समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि लघु-सूक्ष्म उद्योग (एमएसएमआई) के लिए भी प्रकरण बनाएं। उन्होंने किसानों से कहा कि एमएसएमआई के लिए 35 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है।

किसानों ने बताया कि हाईवे के समीप होने के कारण कृषि यंत्र एवं सामग्री की चोरी होती है और गांव के पशु खेतों में घुस जाते हैं, जिससे नुकसान होता है। कलेक्टर ने आश्वासन दिया कि इन समस्याओं के समाधान के लिए पुलिस एवं संबंधित विभाग से समन्वय कर ठोस कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि मिलेट न केवल पौष्टिक भोजन है, बल्कि पशु चारे के लिए भी उपयोगी है, इसलिए मिलेट उत्पादन बढ़ाने के प्रयास तेज किए जाएं। सिंचित क्षेत्रों में किसानों को गेहूं की खेती के लिए प्रेरित करने के निर्देश भी दिए।उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए मूल्य-वर्धित उत्पादों (वैल्यू एडिशन) की यूनिटें स्थापित करने तथा लघु औद्योगिक इकाइयों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिले में जैविक खेती, मिलेट मिशन, सामुदायिक बाड़ी, और जलग्रहण प्रबंधन कार्यक्रमों को गति दी जाए।कलेक्टर ने कहा कि धमतरी जिला औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती के लिए अनुकूल है, इसलिए इस क्षेत्र में भी संभावनाओं को विस्तार दिया जाए।बीज, खाद व उर्वरकों की उपलब्धता का लिया जायज़ा कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों से बीज वितरण, उर्वरकों की उपलब्धता और भंडारण की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए किसानों को उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। कलेक्टर ने कहा कि किसानों की प्रगति ही जिले की प्रगति है, इसलिए सभी विभाग मिलकर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने मुनगाशेर और गांजर धान उपार्जन केंद्र का किया औचक निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

महासमुंद 13 दिसम्बर । कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने आज बागबाहरा विकासखंड के मुनगाशेर और गांजर धान उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र में हो रही धान तुलाई, संग्रहण, परिवहन व्यवस्था और किसानों को दी जा रही सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बागबाहरा नमिता मारकोले मौजूद थी।कलेक्टर श्री लंगेह ने उपार्जन केंद्र में संधारित सभी रजिस्टरों का परीक्षण किया, जिसमें टोकन वितरण रजिस्टर, तुलाई रजिस्टर, स्टॉक रजिस्टर और परिवहन अभिलेख शामिल थे। रजिस्टर मिलान कर उन्होंने अधिकारियों को सटीक एवं अद्यतन प्रविष्टियाँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री लंगेह ने मौजूद किसानों से चर्चा की और उनसे खरीदी प्रक्रिया, तुलाई व्यवस्था एवं टोकन प्रणाली को लेकर फीडबैक लिया तथा उन्होंने किसानों से उनकी समस्याएं भी पूछा तथा अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि धान खरीदी का कार्य पूर्ण पारदर्शिता, समयबद्धता और सुचारूता के साथ होना चाहिए। उन्होंने तुलाई मशीन, स्टैक यार्ड, सुरक्षा व्यवस्था तथा टोकन वितरण की प्रक्रिया का भी निरीक्षण किया ।

एक नजर

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत निर्मित सड़कों की जा रही मरम्मत

राजनांदगांव 14 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत निर्मित सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के लिए प्रथम चरण में 1 नवम्बर से 30 नवम्बर 2025 तक अभियान चलाकर सड़कों का मरम्मत कार्य कराया गया। इसी तरह द्वितीय चरण में 5 दिसम्बर से 20 दिसम्बर 2025 तक ग्राम समृद्धि एवं स्वच्छता पखवाड़ा दिवस का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत निर्मित सड़कों में स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत कार्य, सड़क के शोल्डर की सफाई, किलोमीटर स्टोन में लिखाई एवं पोताई, सड़क में हुए गड्ढों की भराई एवं डामर से पैच रिपेयर का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान सड़क निर्माण एवं नवीनीकरण पश्चात् अनुबंध अनुसार 5 वर्ष संधारण अवधि वाली 182 सड़कों में आवश्यकतानुसार सड़क के दोनों तरफ शोल्डर सफाई, किलोमीटर स्टोन एवं बोर्ड की रंगाई-पोताई तथा डामरीकृत सतह में आवश्यकतानुसार मरम्मत कार्य कराया जाएगा।

जिले में 43 नवीन प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों का किया गया गठन

राजनांदगांव 14 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। सहकारिता विभाग द्वारा जिले में 34 विभिन्न प्रकार की व्यवसायों से संबंधित सहकारी समितियों का पंजीयन किया गया है। जिनमें मत्स्य, बुनकर, महिला बहुउद्देशीय, उपभोक्ता भंडार, आवासीय एवं रख-रखाव अन्य वर्ग की समितियों द्वारा सदस्यों को रोजगार प्रदान कर आर्थिक रूप से सुदृढ़ किया जा रहा है। सहकारिता विभाग छत्तीसगढ़ शासन की प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों की पुनर्गठन योजना 2025 अंतर्गत जिले में 43 नवीन प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों का गठन किया गया है। जिसके माध्यम से कृषक सदस्यों को खाद, बीज, ऋण एवं धान बिक्री संबंधित सुविधाओं का लाभ मिलेगा। वर्तमान में 74 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में लोक सेवा केन्द्र के माध्यम से कृषक सदस्यों को विभिन्न प्रकार की ऑनलाईन सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही है। माईक्रो एटीएम के माध्यम से कृषक सदस्यों को समितियों में ही नगद राशि का आहरण कराया जा रहा है।

महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं को मिल रही आर्थिक सहायता

राजनांदगांव 14 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। शासन की महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक दृष्टिकोण से मजबूत एवं सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रही है। इस योजना से महिलाओं के जीवन में परिवर्तन आ रहे हैं। ऐसी मेहनतकश महिलाएं जिनका जीवन चुनौतीपूर्ण है, उनके लिए शासन की योजनाएं उम्मीदों की तरह है। महतारी वंदन योजना महिला सशक्तिकरण एवं सम्मान की दिशा में एक कारगर कदम है। महतारी वंदन योजना महिलाओं के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आयी है। महतारी वंदन योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रति माह 1000 रूपए की आर्थिक सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके खाते में जमा की जाती है। जिससे जिले की हजारों महिलाएं आर्थिक सशक्तिकरण की ओर लगातार अग्रसर हो रही है। इस योजना से महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार तो हुआ ही है, बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर भी बेहतर ढंग से ध्यान दे रही है। इस योजना का 21 वर्ष की विवाहित महिलाएं से लेकर वयोवृद्ध, विधवा और तलाकशुदा महिलाएं लाभ ले रही है।

निधन

श्रीमती चरणजीत कौर

नगरी 14 दिसंबर। नगर पंचायत नगरी के अध्यक्ष श्री बलजीत छाबड़ा की माताजी श्रीमती चरणजीत कौर का दुखद निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ थीं तथा उपचार हेतु रायपुर स्थित अस्पताल में भर्ती थीं। श्रीमती चरणजीत कौर अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्ति धाम में संपन्न हुआ। उनके निधन पर नगरवासियों सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने गहरा शोक व्यक्त किया तथा शोकसंतप्त परिवार को ढांढस बंधाते हुए दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की।

परिवहन विभाग नागरिकों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की दे रहा जानकारी

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 14 दिसम्बर। परिवहन विभाग द्वारा विगत तीन माह में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने, नागरिकों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी देकर जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया गया। इसके तहत परिवहन विभाग द्वारा जिले में आगमन पर विश्व शांति विश्वपदयात्री व रथयात्री, पर्वतारोही टीम के साथ यातायात परिवहन सड़क सुरक्षा का जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें चौक-चौराहों पर मोटर सायकल चालकों को रूकवा कर यातायात नियमों की जानकारी दी गई। साथ ही हेलमेट पहने चालकों को पुष्पगुच्छ देकर प्रोत्साहित किया गया। मोटरयान नियमों का उल्लंघन करने वाले को हार पहनाकर नियमों का पालन करने व मोटर सायकल चलाने समय हेलमेट पहनने कहा गया। परिवहन विभाग एवं यातायात विभाग तथा विश्व शांति विश्वपदयात्री व रथयात्री, पर्वतारोही टीम के साथ नीरज बाजपाई इन्टरनेशनल स्कूल बोरी में लगभग 200 एवं युगांतर पब्लिक स्कूल सुंदरा में लगभग 160 स्कूली छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को यातायात, सड़क सुरक्षा नियमों एवं पर्यावरण संरक्षण के संबंध में जानकारी दी गई।

परिवहन विभाग द्वारा शासकीय महारानी स्कूल, स्टेट स्कूल, शासकीय ठाकुर प्यारेलाल स्कूल एवं वेसलियन स्कूल के विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के बारे में बताया गया और सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों से संबंधित क्यूज आयोजित कर प्रश्न किया गया। जिसमें सही जवाब बताने वाले विद्यार्थियों को उपहार स्वरूप निः शुल्क हेलमेट प्रदान किया गया। परिवहन विभाग द्वारा जिले के शासकीय महाविद्यालय सुंदरा, छुरिया सहित अन्य शासकीय कॉलेजों में परिवहन सुविधा केन्द्र के माध्यम से लर्निंग लाईसेंस शिविर आयोजन कर अस्थाई लाईसेंस प्रदान किया गया। परिवहन विभाग द्वारा स्कूली बसों का भौतिक निरीक्षण कर फिटनेस जांच किया गया एवं वाहन से संबंधित अनिवार्य दस्तावेजों की जांच किया गया तथा सभी चालक-परिचालकों को परिवहन व यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए।

धान की तुलना में मक्का फसल से प्रति एकड़ होगा दो गुना मुनाफा

राजनांदगांव 14 दिसम्बर। राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम भरेगांव के कृषक श्री देवराज निषाद ने इस वर्ष रबी सीजन में ग्रीष्मकालीन धान फसल के बदले 7 एकड़ में मक्का फसल की बुआई की है। किसान श्री देवराज निषाद ने बताया कि पिछले वर्ष ग्रीष्मकाल में पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिलने एवं तेज गर्मी से धान की फसल खराब हो गई थी और उन्हें आर्थिक क्षति हुई थी। उन्होंने बताया कि ग्रीष्मकाल में धान फसल के बाद फिर से धान की फसल लेने से ज्यादा आर्थिक भार आता था। बढ़ती गर्मी के कारण रबी सीजन में खेतों में धान फसल के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी की आपूर्ति नहीं हो पाती है। मक्का फसल में धान की तुलना में तीन गुना कम पानी लगता है और खेती की लागत 5-6 हजार रूपए प्रति एकड़ कम आती है। साथ ही मक्का फसल में प्रति एकड़ मुनाफा धान फसल की तुलना में दो गुना है। धान की फसल में जहां प्रति एकड़ 35 से 40 हजार रूपए का लाभ होता है। वहीं मक्के की फसल से 50 से 55 हजार रूपए का मुनाफा होता है। कृषक श्री देवराज निषाद ने बताया कि गारमेड पॉपकॉर्न कंपनी से अनुबंध कर पॉपकॉर्न मक्का की खेती कर रहे हैं। जिससे उन्हें प्रति एकड़ 35 से 40 क्विंटल मक्का उत्पादन का भरोसा है। जिसको देखते हुए उन्होंने इस वर्ष धान फसल के बदले मक्का फसल की बुआई कर रहे है। इसके साथ ही वह गांव के अन्य किसानों को भी ग्रीष्मकालीन धान के बदले कम पानी की खपत वाले मक्का या दलहन फसल लेने के लिए प्रोत्साहित कर रहे है।

रायपुर साहित्य उत्सव : आदि से अनादि तक का आयोजन 23 जनवरी से 25 जनवरी 2026 तक

राजनांदगांव साहित्यकारों का शहर : चंद्रशेखर शर्मा

राजनांदगांव 14 दिसंबर। रायपुर साहित्य उत्सव : आदि से अनादि तक का आयोजन 23 जनवरी से 25 जनवरी 2026 तक नवा रायपुर में किया जा रहा है। इसी कड़ी में नांदगांव संस्कृति एवं साहित्य परिषद एवं साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद द्वारा आज प्रेस क्लब में परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर वरिष्ठ पत्रकार श्री सुशील कोठारी उपस्थित थे। साहित्य अकादमी के अध्यक्ष श्री शशांक शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के तौर पर पुरातत्वविद डॉ. आरएन विश्वकर्मा, विभागाध्यक्ष हिन्दी डॉ. शंकर मुनि राय एवं अन्य साहित्यकार उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि के तौर पर वरिष्ठ पत्रकार श्री सुशील कोठारी ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होता है और हर स्थिति में समाज को साहित्य से मार्गदर्शन मिलता है। देश के तीन महान साहित्यकार श्री गजानन माधव मुक्तिबोध, डॉ. पदुमलाल पन्नालाल बख्शी एवं डॉ. बल्देव प्रसाद मिश्र का नाम लेकर हम स्वयं को गौरवान्वित महसूस करते हैं। इन नामों के साथ और भी नाम जुड़े ऐसा कार्य करना है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के दौर में पढ़ने की आदत धीरे-धीरे छूट रही है। उन्होंने राजनांदगांव में साहित्य की परंपरा पर चर्चा करते हुए बताया कि दिग्विजय कॉलेज साहित्यकारों की कर्मभूमि रही है। इस अवसर पर उन्होंने डॉ. मलय, डॉ. शरद गुप्ता, श्री नंदुलाल चोटिया एवं अन्य साहित्यकारों का स्मरण किया। उन्होंने बताया कि उस दौर में राजनांदगांव में हरिशंकर परसाई एवं लतीफघोंघी जैसे साहित्यकार भी विभिन्न अवसर पर कार्यक्रम शामिल होते थे।

साहित्य अकादमी के अध्यक्ष श्री शशांक शर्मा ने कहा कि 23 जनवरी से 25 जनवरी 2026 तक नवा रायपुर में तीन दिवसीय रायपुर साहित्य उत्सव का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन से मन झंकृत होता है और नये विचार पल्लिवत होते है। कला और साहित्य की अनेक विधाएं है। जिनमें साहित्य एक भौतिक अवस्था है। जिसके माध्यम से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान को हस्तांतरित किया जाता है। उन्होंने कहा कि सृष्टि की उत्पत्ति ब्रम्हनाद अर्थात ध्वनि ऊर्जा से हुई है। मैक्सप्लैंक ने क्वांटम सिद्धांत में यह बाद में सिद्ध किया है। हमारे देश में श्रुति परंपरा के माध्यम से सदियों से संस्कारों का निर्माण करते आ रहे है। श्रेष्ठतम साहित्य सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह, ब्रम्हचर्य में निहित है। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव की भूमि को ईश्वर का वरदान मिला है और यहां एक साथ अलग-अलग विधाओं के साहित्यकार हुए है। हमारा प्रदेश बैद्धिक संपदा में समृद्ध रहा है। छत्तीसगढ़ की राष्ट्रीय पहचान होनी चाहिए। इसके दृष्टिगत बौद्धिक विकास की गतिविधियों में तेजी लाने के लिए रजत जयंती उत्सव के अवसर पर रायपुर साहित्य उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सभी की सक्रिय सहभागिता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव देश के तीन महान साहित्यकार श्री गजानन माधव मुक्तिबोध, डॉ. पदुमलाल पन्नालाल बख्शी एवं डॉ. बल्देव प्रसाद मिश्र की कर्म भूमि रही है। आज त्रिवेणी परिसर को देखने का अवसर मिला। ऐसा लगा मानों सब कुछ जीवंत है। उन्होंने सभी साहित्यकारों से कहा कि नई पीढ़ी को साहित्य से जोड़ें।

पुरातत्वविद डॉ. आरएन विश्वकर्मा ने कहा कि किसी भी देश के इतिहास को जानने के लिए साहित्य एवं संस्कृति को समझना पड़ता है। साहित्य से इतिहास बनते हैं और किसी भी देश का अपना इतिहास वहां की परंपराओं, कला की मूल प्रवृत्तियां है। छत्तीसगढ़ में समृद्ध साहित्य विधा रही है। प्रदेश में सातवाहन, पांडुवंश, कलचुरी, नागवंश के अभिलेख मिलते हैं। जिनमें उच्च कोटि की रचनाएं है। साहित्य के माध्यम से सुख-दुख, राग द्वेष एवं देश काल की परिस्थितियां रूपायित होती है। उन्होंने ग्राम ताला के रूद्र शिव की मूर्ति तथा उमा के चतुर्भुजी मूर्ति की चर्चा की।

विभागाध्यक्ष हिन्दी डॉ. शंकर मुनि राय ने कहा कि साहित्य मनुष्यता पैदा करती है और समझाती है कि आदमी, आदमी के लिए बना है। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव में साहित्य की चौथी पीढ़ी से साक्षात्कार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तीन तरह के साहित्यकार होते है। जिनमें पहले साहित्यकार, दूसरे लेखक और कुछ ऐसे प्रेरक होते है, जो उन्हें संवारते है। उन्होंने श्री मुकुटधर पाण्डेय, श्री गजानन माधव मुक्तिबोध, डॉ. बल्देव प्रसाद मिश्र के कृतित्व और रचनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि डॉ. बल्देव प्रसाद मिश्र ने भगवान श्रीराम पर तीन रचनाएं लिखी है। हम गर्व से कह सकते हैं कि उन्होंने धरती के क्षितिज पर नाम स्थापित किया है। उन्होंने महाकाव्यों की रचना की। उनके अवदानों के लिए नागपुर विश्वविद्यालय से उन्हें डी-लिट की उपाधि दी गई। डॉ. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी धरा के ऐसे व्यक्तित्व थे, जो प्रचार से दूर रहे। उन्होंने बताया कि छायावाद के प्रणेता सुमित्रानंदन पंत की कविता को बख्शी जी सुनने लगे और सरस्वती पत्रिका के मुख्य पृष्ठ पर प्रकाशित हुई। उन्होंने कहा कि साहित्य जोडने के लिए है और देश के सौहार्द्र को ध्यान में रखते हुए साहित्य का सृजन होना चाहिए।

चेयरमेन अध्ययन बोर्ड (मानविकी) सीएसवीटीयू डॉ. चन्द्र शेखर शर्मा ने अपने आधार वक्तव्य में कहा कि राजनांदगांव साहित्यकारों का शहर है। उन्होंने जिले के साहित्यकारों की जानकारी दी तथा बताया कि राजनांदगांव में वाचिक परंपरा का प्रभाव रहा है। यह एक ऐसा शहर एवं जिला है, जो उर्वर है और यहां के कण-कण में सरस्वती का आर्शीवाद है। उन्होंने जिले के तीन महान साहित्यकार श्री गजानन माधव मुक्तिबोध, डॉ. पदुमलाल पन्नालाल बख्शी एवं डॉ. बल्देव प्रसाद मिश्र के अवदान एवं योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सभी ने सरस्वती की साधना में आहुति देकर साहित्य को जीवंत रखने की कोशिश की है। इस अवसर पर साहित्यकार श्री अखिलेश चंद्र तिवारी, डॉ. विरेन्द्र बहादुर सिंह, अब्दुस्सा सलाम कौसर, डॉ. दादुलाल जोशी, श्री शत्रुहन सिंह राजपूत, श्री पद्मलोचन शर्मा, श्री मुन्ना बाबु एवं अन्य साहित्यकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. सूर्यकांत मिश्रा ने किया।

जिले में सघन कुष्ठ जांच खोज अभियान 31 दिसंबर तक

राजनांदगांव 14 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। राज्य शासन निर्देशानुसार जिले में सघन कुष्ठ जांच खोज अभियान 8 दिसंबर से 31 दिसंबर 2025 तक चलाया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया की कुष्ठ जांच खोज अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले में कुष्ठ रोग की समय पर पहचान, त्वरित उपचार सुनिश्चित करना है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने नागरिकों से सर्वे दल के घर पहुंचने पर पूर्ण सहयोग करने के लिए अपील की है। परिवार के सभी सदस्यों की जांच अवश्य करवाएं ताकि कुष्ठ मुक्त समाज का लक्ष्य हासिल किया जा सके। कुष्ठ रोग पूर्णतः उपचार योग्य है तथा यह रोग छूने अथवा हाथ मिलाने से नहीं फैलता। कुष्ठ रोग का उपचार सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में निःशुल्क उपलब्ध है। कुष्ठ अधिकारी डॉ. अल्पना लुनिया ने बताया कि कुष्ठ जांच खोज अभियान के तहत जिले के सभी विकासखंडो में स्वास्थ्य विभाग की प्रशिक्षित टीम आरएचओ एवं मितनिनों द्वारा घर-घर जा कर प्रत्येक व्यक्ति की जांच की जा रही है। सर्वे के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन 15 से 20 घरों तथा शहरी क्षेत्रों में प्रतिदिन 20 से 25 घरों का सर्वे किया जा रहा है। इस दौरान कुष्ठ रोग के शंकास्पद मामलों की पहचान कर प्रारंभिक अवस्था में ही एमडीटी की दावा उपलब्ध कारवाई जाएगी। जिससे रोग के प्रसार पर प्रभावी नियंत्रण हो सके। यदि किसी व्यक्ति के शरीर पर दाग के साथ सुन्नपन, नसों में मोटापन या दर्द, झुनझुनाहट अथवा कान व चेहरे में सूजन, मोटापन जैसे लक्षण दिखाई दे तो ये कुष्ठ रोग की संभावना हो सकती है।

कलेक्टर ने धान खरीदी के मद्देनजर समितियों के नोडल अधिकारी, पटवारी, समिति प्रबंधक एवं ऑपरेटरों की बैठक ली

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 14 दिसंबर। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में धान खरीदी के मद्देनजर समितियों के नोडल अधिकारियों, पटवारियों, समिति प्रबंधकों एवं ऑपरेटर्स की बैठक ली। कलेक्टर ने अवैध धान खपाने का प्रयास करने वाले कोचियों एवं बिचौलियों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अंतर्राज्यीय सीमाओं पर अवैध धान के परिवहन को रोकने के लिए लगातार मानिटरिंग जारी रखें। उन्होंने कहा कि धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों को धान की बिक्री करने में किसी भी तरह की दिक्कत नहीं होना चाहिए। उन्होंने छोटे किसानों का धान प्राथमिकता से पहले खरीदने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने धान उपार्जन केन्द्रों में धान के सुरक्षित रखरखाव एवं भंडारण के लिए कहा। उन्होंने सभी समिति प्रबंधकों, अधिकारियों एवं धान खरीदी कार्य में लगे अन्य कर्मचारियों को समन्वित तरीके से कार्य करने कहा।

कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने कहा कि किसी भी किसान को कोचियों एवं बिचौलियों की जानकारी मिलने पर फोन के माध्यम से सूचित करें। उनकी जानकारी गोपनीय रखी जाएगी। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन समितियों के प्रबंधक एवं ऑपरेटर को सम्मानित किया गया। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने धान उपार्जन केन्द्र बागरेकसा के समिति प्रबंधक श्री नीलकंठ साहू, धान उपार्जन केन्द्र कोकपुर के समिति प्रबंधक श्री कुंदन साहू एवं ऑपरेटर श्री रोजश सोनकर, धान उपार्जन केन्द्र छुरिया के समिति प्रबंधक श्री हुकुम साहू एवं ऑपरेटर श्री लोकेन्द्र को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर डीएमओ श्रीमती हीना खान, सहायक खाद्य अधिकारी श्री द्रोण कामड़े सहित समिति के नोडल अधिकारी, समिति प्रबंधक, पटवारी, ऑपरेटर एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

समाचार संक्षेप

4 प्रकरणों में 12 लाख 40 हजार रूपए मूल्य के 400 क्विंटल अवैध धान एवं वाहन जप्त

राजनांदगांव 14 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में अवैध धान बिक्री की रोकथाम के लिए कोचियों एवं बिचौलियों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। आने वाले समय में कोचियों एवं बिचौलियों द्वारा अवैध धान की बिक्री करने की पुनरावृत्ति होने एवं संलिप्त पाए जाने पर अपराधिक प्रकरण भी दर्ज किए जा सकते हैं। इसी कड़ी में राजस्व, खाद्य, मंडी विभाग के संयुक्त दल द्वारा आज कुल 4 प्रकरणों में 12 लाख 40 हजार रूपए मूल्य के 400 क्विंटल (1000 बोरा) अवैध धान एवं एक वाहन जप्त किया गया। इसी तरह खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में अब तक कुल 187 प्रकरणों में 7 करोड़ 93 लाख 98 हजार 626 रूपए मूल्य के 25612.46 क्विंटल (64031 बोरा) अवैध धान एवं 19 वाहन जप्त किया गया है।प्राप्त जानकारी अनुसार आज राजनांदगांव अनुविभाग में 1 प्रकरण में 2 लाख 48 हजार रूपए मूल्य के 80 क्विंटल (200 बोरा) अवैध धान एवं डोंगरगढ़ में 1 प्रकरण में 9 लाख 30 हजार रूपए मूल्य के 300 क्विंटल (750 बोरा) अवैध धान एवं एक वाहन जप्त तथा डोंगरगांव अनुविभाग में कुल 2 प्रकरणों में 62 हजार रूपए मूल्य के 20 क्विंटल (50 बोरा) अवैध धान जप्त किया गया है। इसी तरह खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में अब तक राजनांदगांव अनुविभाग में कुल 83 प्रकरणों में 4 करोड़ 79 लाख 53 हजार 280 रूपए मूल्य के 15468.80 क्विंटल (38672 बोरा) अवैध धान व 7 वाहन, डोंगरगढ़ अनुविभाग में 51 प्रकरण में 1 करोड़ 42 लाख 85 हजार 606 रूपए मूल्य के 4608.26 क्विंटल (11521 बोरा) अवैध धान व 3 वाहन तथा डोंगरगांव अनुविभाग में कुल 53 प्रकरणों में 1 करोड़ 71 लाख 59 हजार 740 रूपए मूल्य के 5535.40 क्विंटल (13839 बोरा) अवैध धान एवं 9 वाहन जप्त किया गया है। जिले में कोचियों एवं बिचौलियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिले के 1500 छोटे एवं बडे मंडी अनुज्ञप्तिधारियों को सूचीबद्ध कर अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार एवं खाद्य व मंडी के अधिकारियों को जांच कर अवैध रूप से भंडारित धान जप्त किए जाने तथा सख्त कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिये गये है। जिले में अंतर्राज्यीय अवैध धान आवक के रोकथाम हेतु जिले में कुल 3 अंतर्राज्यीय चेकपोस्ट बोरतलाब, पाटेकोहरा एवं कल्लूबंजारी स्थापित किया गया है। जहां पर मंडी, नगर सेना, वन विभाग एवं राजस्व के अधिकारियों द्वारा तीन पालियों में 24 घंटे की ड्यूटी लगाई गई है।

पल्स पोलियो अभियान 21 दिसम्बर को

राजनांदगांव 14 दिसंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले में पल्स पोलियो अभियान अंतर्गत 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को 21 दिसम्बर 2025 को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित पोलियों बूथ पर पोलियों की दवा पिलाई जाएगी। जिले में 478 पोलियो बूथों के माध्यम से 119505 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाने का लक्ष्य रखा गया है। जिसके लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ता के अलावा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, कोटवार, प्रशिक्षु महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता, पैरामेडिकल विद्यार्थियों की ड्यूटी लगाई गयी है। सभी टीमों को समय पर पोलियो की दवा उपलब्ध कराने एवं कार्य सम्पादन की निगरानी के लिए सभी पोलियो बूथों को 96 सेक्टरों में विभाजित किया गया है और प्रत्येक सेक्टर के लिए एक पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। साथ ही सभी ब्लॉक को जोन में विभाजित कर निरीक्षण के लिए जिला स्तर के अधिकारियों को नियुक्त किया गया है। जिले में पल्स पोलियो अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए ग्रामों के अलावा शहरी क्षेत्रों में बस स्टैंड, रेल्वे स्टेशन में पोलियो बूथ बनाए गए है। साथ ही खदानों, ईट भट्टा, छात्रावास, मदरसा एवं छूटे क्षेत्रों में पोलियो की दवा पिलाने हेतु ट्रांजिट टीमों एवं मोबाइल टीमों का गठन किया गया है। प्रथम दिवस 21 दिसम्बर को बूथ में पोलियों की दवा पिलाने के बाद 22 एवं 23 दिसम्बर को सभी कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियों की दवा पिलाई जाएगी। अभियान के दौरान जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित की जाएगी, जो 24 घंटे क्रियाशील रखेगा। अभियान के सुचारू संपादन के लिए सभी मैदानी अमलों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा रहा है तथा कंट्रोल रूम में प्रति दो घंटे की प्रगति रिपोर्ट लिए जाने की व्यवस्था की गई है। जिले के सभी 0-5 वर्ष के बच्चों के पालकों से 21 दिसम्बर को अपने निकटतम पोलियो बूथ में लाकर पोलियो की दवा पिलाने की अपील की गई है। साथ ही 22 एवं 23 दिसम्बर को छूटे हुए बच्चों को घर-घर भ्रमण कर दवा सेवन में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का सहयोग करने का आग्रह किया गया है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) गीदम, जिला-दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

रा.प्र.क्र-202512161800004/ अ-2/2025-26

ग्राम- गीदम, प.ह.नं.-17, तहसील-गीदम

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है, कि आवेदिका श्रीमती प्रीति पूजा वर्मा पति श्री प्रदीप वर्मा निवासी हारम, तहसील गीदम, जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छ.ग.) मोबाईल नं. 8878248391 के द्वारा छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत धारा 172 के तहत अपने क्रय-विक्रय से प्राप्त भूमि ग्राम-गीदम, प.ह.नं-17, रा.नि.मं.-गीदम, तहसील-गीदम में स्थित भूमि खसरा नं. 932/3/21 रकबा 0.0400 हे. भूमि को कृषि भूमि प्रयोजन से आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन कराना चाहते है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त भू-खण्ड के व्यपवर्तन से यदि किसी को आपत्ति हो तो इस न्यायालय के समक्ष दिनांक 24/12/2025 तक उपस्थित होकर अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते है।

यह उद्घोषणा मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/12/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) गीदम

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) गीदम, जिला-दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

रा.प्र.क्र-202512161800001/ अ-2/2025-26

ग्राम- बारसूर, प.ह.नं.-06, तहसील-बारसूर

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है, कि आवेदिका श्रीमती सरस्वती साहू पति श्री काशी प्रसाद साहू एवं अन्य 02 निवासी बारसूर, तहसील बारसूर, जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा (छ.ग.) मोबाईल नं. 9691813662 के द्वारा छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत धारा 172 के तहत अपने क्रय-विक्रय से प्राप्त भूमि ग्राम-बारसूर, प.ह.नं.-06, रा.नि.मं.-बारसूर, तहसील-बारसूर में स्थित भूमि खसरा नं. 1049/22 रकबा 0.0200 हे. भूमि को कृषि भूमि प्रयोजन से आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन कराना चाहते है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त भू-खण्ड के व्यपवर्तन से यदि किसी को आपत्ति हो तो इस न्यायालय के समक्ष दिनांक 18/12/2025 तक उपस्थित होकर अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते है।

यह उद्घोषणा मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/11/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) गीदम

नेशनल लोक अदालत का आयोजन, जिला न्यायालय परिसर में आये पक्षकारों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

राजीनामा योग्य प्रकरणों में पक्षकारों की आपसी सहमति से सुलह समझौता

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बालोद, 14 दिसंबर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छग राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार बालोद जिले के सभी न्यायालयों में आज नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिनमें राजीनामा योग्य प्रकरणों में पक्षकारों की आपसी सहमति व सुलह समझौता से निरात किये गये है। प्रकरणों के पक्षकारों की भौतिक तथा वर्चुअल दोनों ही माध्यमों से उनकी उपस्थिति में निराकृत किये जाने के अतिरिक्त स्पेशल सिटिंग के माध्यम से भी पेटी अफेंस के प्रकरणों को निराकृत किया गया। इस सिलसिले में माननीय न्यायमूर्ति श्री रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर ने इस संपूर्ण लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु निरंतर प्रयास करते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी लगातार अधिक से अधिक मामलों को निराकृत किये जाने हेतु प्रेरित किया। इसी तारतम्य में जिला व सत्र न्यायालय बालोद एवं व्यवहार न्यायालय स्तर पर डौण्डीलोहारा, दल्लीराजहरा, गुण्डरदेही में तथा बालोद जिले के राजस्व न्यायालयों में भी नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री श्याम लाल नवरत्न बालोद के निर्देशानुसार इस लोक अदालत के लिए बालोद जिले में कुल 25 खण्डपीठ का गठन किया गया।

इस लोक अदालत में लंबित सिविल एवं दांडिक प्रकरण, प्री-लिटिगेशन के बैंक, विद्युत, जलकर, बीएसएनएल के तथा राजस्व न्यायालयों की खंडपीठ के समक्ष कुल 62 हजार 518 प्रकरण निराकरण हेतु रखे गये थे, जिसमें 60 हजार 251 प्रकरणों का निराकरण नेशनल लोक अदालत के माध्यम से किया गया। इस लोक अदालत में कुल 5 करोड़ 69 लाख 12 हजार 351 रूपये राशि का अवार्ड पारित किया गया है। इस नेशनल लोक अदालत में आपसी सहमति व सुलह समझौता करने वालों पक्षकारों को प्रोत्साहन स्वरूप पौधा वितरण भी किया गया। नेशनल लोक अदालत में जिला न्यायालय परिसर में आये पक्षकारों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया और साथ ही बालोद बाजार के द्वारा अपने सामग्री के प्रचार-प्रसार हेतु स्टॉल लगाया गया तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के द्वारा लोक अदालत के अवसर पर जिला न्यायालय परिसर में निर्मित नवीन मुख्य द्वार का उद्घाटन किया गया तथा समाज कल्याण विभाग की ओर से हितग्राहियों को ट्राईसिकल, श्रवणयंत्र वितरित किया गया एवं महिला बाल विकास की ओर से गर्भवती महिलाओं की गोदभराई का आयोजन भी किया गया।

जिस समंदर को मेरे दर्द का एहसास नहीं... मिलने आया भी तो कह दूंगा मुझे प्यास नहीं...

वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर मूल राष्ट्रीयगीत से ही कुछ पंक्तियाँ हटाने को लेकर पीएम मोदी ने फिर से पहले पीएम नेहरू को निशाना बनाया, वैसे आजकल बुजुर्ग नेताओं पर टीका- टिप्पणी का दौर कुछ सालों से तेज है। दिल्ली हवा में जहर, जिम्मेदार नेहरू... डॉलर 90 क्रॉस, जिम्मेदार नेहरू... बेरोजगारी उच्च स्तर पर, जिम्मेदार नेहरू... कमरतोड़ महंगाई, जिम्मेदार नेहरू... विदेश नीति फेल, जिम्मेदार नेहरू... मीडिया बिक गया, जिम्मेदार नेहरू... संविधान खत्म, जिम्मेदार नेहरू... वोट चोरी, जिम्मेदार नेहरू... भीख, कटोरा राशन, सिक्का सबके जिम्मेदार नेहरू... फिर क्या कोई यह बताएगा विश्वगुरु 11 साल से कुर्सी पर किसलिये बैठे हैं...? नेहरू कौन थे...? नेहरू एक ऐसा दूरदृष्टा, वैज्ञानिक और तकनीकी सोच के धनी व्यक्ति थे जिसने 1947 में सुई तक न बनाने वाले देश में विज्ञान, तकनीक से जुड़े कई संस्थानों को पैदा किया, बनाया, सींचा और उन्हें शीर्ष पर पहुंचाया, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, परमाणु ऊर्जा विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की शुरुआत 1962 में, रक्षा अनुसंधान-विकास संगठन, वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान परिषद, तेल और प्राकृतिक गैस निगम, भारतीय तेल निगम। नेहरू ने सरकारी पैसे से 75 से अधिक संस्थान बनाए जो गुलाम भारत के अंदर रीढ़ पैदा किया, आधुनिक भारत की नींव रखा, जब शिक्षा संसाधन, वैज्ञानिक सोच और पैसे के लाले पड़े थे, दूर -दूर तक कोई आस-उम्मीद और सपोर्ट नहीं था, तब नेहरू ने ये सारे प्रगति के द्वार खोले, उसे नए सिरे से सृजन किया।उनके पास वक्त कम था, काम ज्यादा, उनके पास कोरी बक वास...भाषण के लिए वक्त नहीं था, उनके पास उनके कद, काठी से बड़ा था उनका विजन, वे चाहते तो गरीबी, गुलामी का रोना रो सकते थे, चाहते तो अंग्रेजों की गुलामी, गरीब देश की आड़ लेकर मुंह छुपा सकते थे... ? लेकिन ऐसा नहीं किया, 16 साल के कार्य काल में देश को महाशक्ति बना दिया। जलसेना, वायु सेना, थलसेना, रेलवे, सड़कों का जाल बिछा दिया, देश प्रगति की नई ऊंचाइयां छू रहा था, चिकित्सा-स्वास्थ्य के क्षेत्र में नेहरू ने बड़ा काम किया, भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नेहरू स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान जैसे संस्थानों को बनाना ही इसका प्रमाण है। उच्च शिक्षा अनुसंधान के क्षेत्र में नेहरू ने जो काम किया, अंतर्राष्ट्रीय विजन से नेहरू ने विश्वस्तर के शिक्षण संस्थान बनाए।भारतीय प्रबंधन संस्थान, जेएनयू , राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान की नीव रखी।योजना आयोग जिसका नाम बदल कर नीतिआयोग कर दिया, जीवन बीमा निगम, भारत हेवीइलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान , भार तीय राष्ट्रीय पुस्तकालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग भी नेहरू की ही देन है, विकास, उपलब्धियों के साथ संगीत, नाटक, कला, फ़िल्म आदि में भी कई संस्थान नेहरूकाल में ही स्थापित किये गए, नेहरू ने कभी नहीं रोया , गुलाम, गरीब भारत में ये सब कैसे संभव होगा, नेहरू ने 16 साल के कार्यकाल में इतना कुछ एसेट्स बनाया जिसे 11 साल में भी बेच नहीं पाए...? जिन संस्थाओं का निजीकरण हो रहा है बेच रहे हो, उन संस्था ओं का सृजन, सरकारी एसे ट्स नेहरू ने बनाया था।जिस पीएम ने कमज़ोर, कंगाल और आज़ाद भारत की नींव दूर दर्शी तरीके से रखी, आज बजाय उनके प्रति कृतज्ञ होने के उन पर ही उंगलियां उठाई जा रही है... ? झूठी, मनगढ़ंत कहानियों से उन्हें बदनाम किया जा रहा है, राजनीति की जा रही है। कृतघ्न संतानें अपनी थाती कभी सम्भाल कर नहीं रख सकतीं, देश जानता है कि कौन बनाने के लिए नहीं बल्कि नाम बदलने, एसेट्स बेचने, नेहरू का नाम मिटाने को प्रयासरत है, लेकिन इतिहास तो मिटाने से नहीं मिटेगा...?

छग में पुलिस कमिश्नर प्रणाली अभी नहीं...?

शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है, स्थितियां बदल रही हैं, ऐसे में कानून व्यवस्था के सामने नई चुनौतियां पैदा हो रही हैं, पड़ोसी मप्र के भोपाल, इंदौर में कानून व्यवस्था की बेहतरी के लिए कमिश्नर सिस्टम लागू किया है, छग में इस प्रणाली को राजधानी रायपुर में लागू करने की घोषणा भी सीएम विष्णुदेव ने की थी, पहले राज्योत्स्व फिर 1 जनवरी से प्रणाली रायपुर में लागू होने की चर्चा थी, पर फ़िलहाल माहौल नहीं लग रहा है। सूत्रों का कहना है कि आईए एस लाबी इस प्रणाली को लागू करने के पक्ष में नहीं है?छग के पहले सीएम, आईपीएस, आईएएस रहे अजीत जोगी ने भी इसके लिए पहल की थी, नए राज्य में तत्काल संभव नही हो सका था।कमिश्नर प्रणाली को आसान भाषा में समझें तो फि हाल पुलिस अधिकारी कोई भी फैसला लेने के लिए स्वतंत्र नहीं होते हैं।आकस्मिक परिस्थितियों में डीएम, कमिश्नर या शासन के दिए निर्देश पर ही काम करते हैं। पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू होने पर कलेक्टर, एक्जी क्यूटिव मजिस्ट्रेट के अधिकार पुलिस अधिकारियों को मिल जाएंगे, इसमें होटल, बार के लाइसेंस,

हथियार के लाइसेंस का अधिकार उन्हें मिल जाता है। इसके अलावा धरना, प्रदर्शन की अनुमति देना, दंगे के दौरान लाठीचार्ज या कितना बल प्रयोग हो ये निर्णय सीधे पुलिस ही करेगी, उनके अधिकार, ताकत बढ़ जाएगी, खुद फैसला लेने की हकदार हो जाएगी। माना जाता है कि कानून व्यवस्था के लिए कमिश्नर प्रणाली ज्यादा बेहतर है, ऐसे में पुलिस कमिश्नर कोई भी निर्णय खुद ले सकते हैं, पुलिसिंग व्यवस्था अधिकार जिलाधिकारी (डीएम) के पास होते हैं, कमिश्नरी प्रणाली लागू होने से बल बढ़ जाएगा, सबसे पहले कमिश्नर का मुख्यालय बनेगा, एडीजी/आईजी स्तर के अधिकारी कमिश्नर के पद पर तैनात होंगे, शहर जोन में बांटा जाएगा, जोन में डीसीपी की भी तैनाती की जाएगी, प्रणाली लागू होने पर पुलिस आयुक्त या कमिश्नर-सीपी संयुक्त आयुक्त या ज्वॉइंट कमिश्नर ङ्कजेसीपी, डिप्टी कमिश्नर-डीसीपी, सहायक आयुक्त एसीपी। आजादी से पहले के दौर में कमिश्नर प्रणाली लागू थी, आजादी के बाद पुलिस ने अपनाया, कमिश्नर व्यवस्था में पुलिस कमिश्नर का सर्वोच्च पद होता, अंग्रेजों के जमाने में ये कोलकाता, मुंबई, चेन्नई में हुआ करता था।इसमें ज्यूडिशियल पावर कमिश्नर के पास होता है, पुलिस प्रणाली अधिनियम 1861 पर आधारित है। यह बताना जरुरी है, रायपुर की आबादी 15 लाख पार कर गई है (2011 की जन गणना में 10 लाख की आबा दी हो चुकी थी) 215 वर्ग किमी क्षेत्रफल है। कानून व्यवस्था के संचालन में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू होनी ही चाहिये।

मंत्रालय में बायोमेट्रिक अटेंडेंस शुरू करना स्वागतेय...

छत्तीसगढ़ के 25 साल होने के बाद विष्णुदेव सरकार के निर्णय के बाद मंत्रालय, सचिवालय में ड्यूटी पर लेट लतीफी आने और ऑफिस से जल्दी, जाने वाले अफसरों, कर्मचारियों पर अब अंकुश लग गया है। सुबह से सरकारी अधिकारी-कर्मचारी लाईन लगा ऑफिस पहुंच रहे हैं।संचालनालय में 01जनवरी से बायोमेट्रिक अटेंडेंस अनिवार्य होगा। 01 दिसंबर से मंत्रालय में बायो मेट्रिक अटेंडेंस शुरू हो गई।बता दें कि आधार आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली का ट्रायलरन 20 नवंबर से जा रहा था। 01 दिसंबर 20 25 से आधार सक्षम बायो मेट्रिक उपस्थिति प्रणाली के माध्यम से ही अवर सचिव, वरिष्ठ समस्त अधिकारियों का कार्यालय में उपस्थित होने, कार्यालय पश्चात वापसी के समय उपस्थिति दर्ज करना शुरू हो गया है। सामान्य प्रशा सन विभाग ने सभी निर्धारित प्रवेश द्वारों पर आधार- सक्षम बायोमेट्रिक उपकरण स्थापित कर दिए हैं, नई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही, ढिलाई या अनुपालन न करने को गंभीरता से लिया जा रहा है। नए प्रोटोकॉल में सभी कर्मचारी को रोज़ाना दो बार प्रवेश के समय इन और प्रस्थान के समय आउट उप स्थिति दर्ज करनी पड़ रही है। इसके लिए दो विकल्प उप लब्ध किए गए हैं, मोबाइल ऐप के माध्यम से फेसियल ऑथेंटिकेशन।कर्मचारी अपने स्मार्टफोन पर आधार- आधारित फेसियल वेरिफिकेशन के माध्यम से इन-आउट उप स्थिति दर्ज करा रहे हैं।इसके अलावा मंत्रालय भवनों के प्रमुख प्रवेश द्वारों पर दीवार पर लगे थम्ब-बेस्ड आधार- सक्षम बायो मेट्रिकडिवाइसेज़ स्थापित किए गए हैं, जिनके माध्यम से कर्मचारी उप स्थिति दर्ज करा रहे हैं। दोनों प्रणालियां समानांतर रूप से संचालित होंगी, कर्मचारी अपनी सुविधानुसार किसी भी विकल्प का उपयोग कर रहे हैं।

महादेव सट्टाः 3 हजार संदिग्धों में कुछ पत्रकार भी...!

महादेव ऑनलाइन सट्टा एप नेटवर्क पर अब पुलिस का शिकंजा लगातार कस रहा है। दुर्ग पुलिस ने 3 हजार संदिग्ध लोगों की सूची तैयार की है। इनकी मोबाइल गतिविधियों, बैंकिंग लेनदेन,

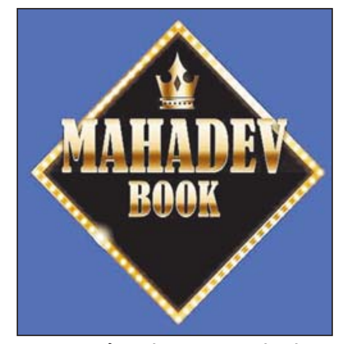

डिजिटलवालेट की गहन निगरानी की जा रही है, क्योंकि जांच में सट्टा कारो बार में संलिप्तता का संदेह सामने आया है। इस हाई- प्रोफाइल सूची में स्थानीय नेताओं, सरकारी अफसरों, कर्मचारियों के साथ कुछ पत्रकारों के नाम भी शामिल हैं। इस मामले में अब तक 70 एफआईआर दर्ज की गई हैं, 300 से अधिक गिरफ्तारी हो चुकी है। मामले की जांच सीबीआई और ईडी भी कर रही है। दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल के अनुसार अपराध में शामिल किसी व्यक्ति को राजनीतिक, सामाजिक या प्रशासनिक प्रभाव के आधार पर राहत नहीं मिलेगी। आने वाले दिनों में कई गिरफ्तारी, संपति जब्ती, आर्थिक अप राध की कार्रवाई की जाएगी।

और अब बस...

» रक्षा मंत्री ने कहा -बाबर को महाराणा प्रताप ने हराया, हम भी प्रताप की तरह पाक को हराएँगे, अरे भाई, बाबर की मौत सन 1530 में होने के 10 साल बाद महाराणा प्रताप का जन्म 1540 में हुआ था।इतना सा भी ज्ञान देश के रक्षा मंत्री राजनाथ को नहीं है। खैर उम्र का तक़ाज़ा है...?

» मुख्य सचिव विकास शील की विकास सम्बंधित बैठक में तेवर देखकर अफसरों के पसीने छूट गए..?

» छत्तीसगढ़ में करीब 500 करोड़ के डीएमएफ घोटाले की जांच सी बीआई करेगी।

एक नजर

जसवंत क्लाडियस सातवीं विश्व कप रोलबाल चैंपियनशिप के कमेंटेटर नियुक्त

रायपुर, 14 दिसम्बर। छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ खेल कमेंटेटर जसवंत क्लाडियस दुबई में आगामी 14 से 18 दिसम्बर तक आयोजित सातवीं विश्व कप रोलबाल चैंपियनशिप में आंखो देखा हाल सुनायेंगे। क्लाडियस इसके पूर्व 2023 में पूणे में सम्पन्न छठवें विश्व रोलबाल तथा इसी वर्ष केन्या में सम्पन्न जुनियर विश्व कम रोलबाल चैंपियनशिप में इलेक्ट्रानिक मीडिया के लिए कॉमेंट्री कर चुके है। छत्तीसगढ़ में मूलतः बालोद के रहवासी क्लाडियस ने पिछले 44 वर्षों के दौरान क्रिकेट व्हालीवाल, बास्केटबाल, टेबल टेनिस, टेनिस, बैटमिंटन, खो खो, कबड्डी, मलखंब, योगासन, तिरंदाजी, सायकल पोलो, थ्रो बाल, नेटबाल, आदि खेलों की कमेंट्री प्रस्तुत कर चुके है।

करहीबाजार मड़ई मेला में सुरक्षा के मद्देनजर कार्रवाई, 500 धारदार लोहे के चूड़ा-कड़ा जब्त

रायपुर, 14 दिसम्बर। ग्राम करहीबाजार में 12 से 13 दिसंबर तक आयोजित दो दिवसीय मड़ई मेला कार्यक्रम के दौरान शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान चौकी करहीबाजार पुलिस ने युवाओं के हाथों में पहने गए धारदार लोहे के चूड़ा एवं कड़ा जब्त किए। कुल 500 नग लोहे के चूड़ा-कड़ा जब्त किए गए हैं। मेला कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी थी, जिसमें युवा वर्ग की सहभागिता भी अधिक रही। पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के निर्देश पर चौकी करहीबाजार पुलिस द्वारा पर्याप्त सुरक्षा प्रबंध किए गए थे। इसी क्रम में पुलिस बल ने मेले में विशेष रूप से युवाओं की चेकिंग की, जिसमें कई युवाओं के हाथों में लोहे के चूड़ा एवं कड़ा पहने जाना पाया गया। पुलिस के अनुसार, किसी भी विवाद या झगड़े की स्थिति में इन लोहे के चूड़ा-कड़ा का उपयोग घातक हथियार के रूप में किया जा सकता था। इस आशंका को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने लगातार चेकिंग कर युवाओं के हाथों से उक्त चूड़ा-कड़ा उतरवाए। जब्त किए गए कई लोहे के चूड़ा-कड़ा अत्यंत धारदार पाए गए। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने आमजन से शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की है। साथ ही किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या शरारती तत्वों की जानकारी तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया गया है।

सांसद खेल महोत्सव का श्रीगणेश 23 से

25 को होगा समापन, प्रधानमंत्री मोदी करेंगे वर्चुअल संबोधन

रायपुर, 14 दिसम्बर। राजधानी रायपुर में 23, 24 और 25 दिसंबर को आयोजित होने जा रहे सांसद खेल महोत्सव के मेगा फाइनल एवं भव्य समापन समारोह को लेकर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने शनिवार को एक उच्चस्तरीय बैठक लेकर तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया. बैठक में आयोजन की व्यवस्थाओं, खिलाड़ियों की सुविधा, सुरक्षा एवं समन्वय पर आयोजकों और अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए. सांसद खेल महोत्सव की राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती प्रतिष्ठा का प्रमाण है कि केंद्रीय युवा कार्य एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सांसद बृजमोहन अग्रवाल को पत्र लिखकर इस ऐतिहासिक आयोजन की अग्रिम शुभकामनाएं दी हैं. यह पत्र न केवल आयोजन की गरिमा को बढ़ाता है, बल्कि सांसद बृजमोहन अग्रवाल के खेल विकास के प्रति दूरदर्शी नेतृत्व का भी सम्मान है.

सांसद अग्रवाल ने बताया कि, 23 एवं 24 दिसंबर को मेगा फाइनल प्रतियोगिताएं सुभाष स्टेडियम, स्प्रे स्कूल, जे.एन. पाण्डेय स्कूल तथा अंतरराष्ट्रीय स्विमिंग पूल में आयोजित की जाएंगी. इन प्रतियोगिताओं में लगभग 5000 खिलाड़ी भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे. रायपुर लोकसभा क्षेत्र की सभी 9 विधानसभाओं के अंतर्गत रायपुर नगर निगम, अभनपुर, आरंग, तिल्दा, धरसीवा, बलौदा बाजार, भाटापारा और सिमगा ब्लॉक से चयनित खिलाड़ी 13 खेलों– कुश्ती, खो-खो, गेंड़ी दौड़, फुगड़ी, रस्साकसी, रस्सीकूद, कबड्डी, बास्केटबॉल, शतरंज, वॉलीबॉल, तैराकी, भारोत्तोलन और शरीर सौष्ठव– में 19 वर्ष से कम एवं 19 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के बालक-बालिका वर्गों में प्रतिस्पर्धा करेंगे.

25 दिसंबर को सुशासन दिवस के अवसर पर दीन दयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में सांसद खेल महोत्सव का भव्य समापन समारोह आयोजित होगा, जिसमें विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे. इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से खिलाड़ियों और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे. साथ ही राज्य के वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित खिलाड़ियों को शॉल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा तथा राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी समारोह की शोभा बढ़ाएंगे.

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है कि, सांसद खेल महोत्सव केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि रायपुर की खेल प्रतिभाओं को पहचान, प्रोत्साहन और मंच देने का जनआंदोलन है. गाँव से शहर तक छुपी हुई प्रतिभाओं को आगे लाकर उन्हें राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाना हमारा संकल्प है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'खेलो इंडिया' और 'विकसित भारत' के विज़न को धरातल पर उतारते हुए हम हर नागरिक को खेल के माध्यम से अनुशासन, स्वास्थ्य और आत्मविश्वास से जोड़ रहे हैं.

उन्होंने कहा कि, रायपुर सांसद खेल महोत्सव में रिकॉर्ड संख्या में खिलाड़ियों की भागीदारी यह दर्शाती है कि खेल अब जन-जन की प्राथमिकता बन रहा है. यह आयोजन आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करने की मजबूत नींव बनेगा. बैठक में नगर निगम कमिश्नर विश्वदीप, एसडीएम नंद कुमार दुबे, छत्तीसगढ़ तैराकी संघ के अध्यक्ष कैलाश मुरारका, अतुल शुक्ला, संजय शर्मा, विजय अग्रवाल, जिला शिक्षा अधिकारी, खेल अधिकारी, विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारी एवं वरिष्ठ खिलाड़ी उपस्थित रहे. उल्लेखनीय है कि रायपुर सांसद खेल महोत्सव ने जनभागीदारी के मामले में नया कीर्तिमान स्थापित किया है. 13 खेल प्रतिस्पर्धाओं में लगभग 85, 000 खिलाड़ियों ने भाग लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया, जिनमें से केवल रायपुर नगर निगम क्षेत्र से ही 14, 000 खिलाड़ियों की सहभागिता रही.

छग के कृषि विकास में पूर्ण सहयोग देगा आईसीएआर

रायपुर, 14 दिसम्बर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. मांगीलाल जाट से मुलाकात कर उन्हे विश्वविद्यालय द्वारा संचालित शिक्षण, अनुसंधान एवं प्रस्तार गतिविधियों के साथ कृषि विज्ञान केंद्रों से संबंधित विषयों एवं समस्याओं से अवगत कराया। इस संबंध में डॉ. जाट ने कहा कि देश भर में संचालित कृषि विज्ञान केन्द्रों की समस्याओं की निराकरण के लिए केन्द्र सरकार द्वारा गंभीर विचार मंथन किया जा रहा है, उन्होंने इनके जल्द ही सुलझने की उम्मीद जताई।

डॉ. चंदेल ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. जाट से विश्वविद्यालय एवं इसके अंतर्गत संचालित विभिन्न महाविद्यालयों की अधिमान्यता के संबंध में चर्चा की और महाविद्यालयों को शीघ्र अधिमान्यता प्रदान करने का अनुरोध किया। उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों से संबंधित समस्याओं के शीघ्र समाधान हेतु अनुरोध किया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे अनुसंधान एवं विस्तार कार्यो की सराहना की और आशा व्यक्त की कि विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ के किसानों की समृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सतनाम संदेश रथ यात्रा का समापन

रायपुर, 14 दिसम्बर। नगर पंचायत कुसमी में आयोजित विकासखंड स्तरीय नव दिवसीय सतनाम संदेश रथ यात्रा का समापन एवं सम्मान समारोह अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक समरसता के वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर भाजपा किसान नेता योगेश तिवारी अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में सतनाम पंथ के आराध्य सद्गुरु बाबा गुरु घासीदास के विचारों, सिद्धांतों और मानवतावादी संदेशों को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प दोहराया गया। नौ दिनों तक चली यह सतनाम संदेश यात्रा गांव-गांव जाकर मंखे-मंखे एक समान का अमर संदेश देती रही। अपने उद्बोधन में भाजपा किसान नेता योगेश तिवारी ने कहा कि सतनाम संदेश रथ यात्रा समाज को सही दिशा देने का कार्य कर रही है। उन्होंने आयोजकों और सतनामी समाज के सभी भाइयों को इस सफल आयोजन के लिए हार्दिक बधाई दी। योगेश तिवारी ने कहा बाबा गुरु घासीदास जीने 'मंखे-मंखे एक समान' का जो संदेश दिया, वह आज भी समाज को जोड़ने, समानता और मानव सेवा का मार्ग दिखाता है। मानव सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं होती।

कमल दास महंत के शोध से आधुनिक भौतिकी को मिली नई दिशा

रायपुर, 14 दिसम्बर। छत्तीसगढ़ के युवा शोधकर्ता एवं लेखक कमल दास महंत द्वारा प्रस्तुत Kamal–Einstein Unified Field Theory (KEUFT) ने अंतराष्ट्रीय वैज्ञानिक समुदाय का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। इस सिद्धांत में आइंस्टीन के प्रसिद्ध समीकरण $E=mc^2$ की संशोधित व्याख्या प्रस्तुत की गई है, जो आधुनिक भौतिकी की कई मूल धारणाओं को नए दृष्टिकोण से समझाने का दावा करती है। कमल दास महंत द्वारा विकसित KEUFT यह प्रस्तावित करता है कि स्पेस पूर्णतः खाली नहीं है, बल्कि उसमें ऊर्जा एक निष्क्रिय अवस्था में विद्यमान रहती है, जो ब्रह्मांडीय घटनाओं – पृथ्वी के कोर से लेकर ब्लैक होल तक – को समझने में नई परिभाषा देती है। KEUFT से जुड़े गणितीय फ्रेमवर्क और शोध पत्र अंतराष्ट्रीय ओपन-एक्सेस प्लेटफॉर्म Zenodo पर प्रकाशित किए जा चुके हैं, जहाँ अल्प समय में ही सैकड़ों बार शोध पत्र को देखा और डाउनलोड किया गया है। यह शोध वैश्विक स्तर पर वैज्ञानिक संवाद का हिस्सा बनता जा रहा है। कमल दास महंत ने बताया कि KEUFT केवल एक सैद्धांतिक विचार नहीं, बल्कि यह ग्रैविटी, स्पेस-टाइम, एनर्जी ट्रांसफॉर्मेशन और ब्लैक होल फिज़िक्स को एकीकृत रूप में समझाने का प्रयास है। इस सिद्धांत पर आधारित उनकी पुस्तक इसी माह अंतराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित की गई है। उन्होंने कहा कि भारत में मौलिक वैज्ञानिक शोध की अपार संभावनाएँ हैं, आवश्यकता है तो केवल स्वदेशी वैज्ञानिक विचारों को वैश्विक मंच पर समर्थन और चर्चा देने की।

PICTURE-स्टोरी

रायपुर, 14 दिसम्बर। मेडिकल कॉलेज में 120 सीटर नवीन छात्रावास का उद्घाटन तथा महाविद्यालय के नवीन प्रवेश द्वार का लोकार्पण किया गया।

यात्री बस में सराफा व्यापारी से 30 लाख की उठाईगिरी

रायपुर, 14 दिसम्बर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में अलसुबह एक बड़ी उठाईगिरी की घटना सामने आई है। कांकेर थाना क्षेत्र के माकड़ी में यात्री बस से जगदलपुर के एक सर्राफा व्यापारी के 30 लाख रुपये चोरी हो गए। व्यापारी जगदलपुर से रायपुर जा रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, व्यापारी ने नकदी से भरा झोला बस में अपनी सीट के पास रखा था। इसी दौरान वह कुछ देर के लिए बस के बाथरूम गया हुआ था। लौटने पर झोला गायब मिला। झोले में करीब 30 लाख रुपये नकद रखे होने की जानकारी सामने आई है। यह घटना माकड़ी इलाके में अलसुबह की बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही कांकेर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस बस स्टाफऔर यात्रियों से पूछताछ कर रही है, वहीं आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26